- 6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल, अधिकारी बोले-आतंकवाद की रणनीति में बदलाव चिंताजनक- 6

- अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका - 10

- निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका - 11

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में राहुल संभालेंगे भारत की कप्तानी, जडेजा की हुई वापसी-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 24 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 365, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

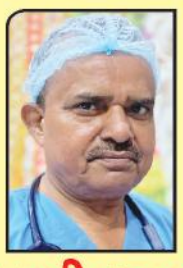

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

24x7 इमरजेन्सी सुविधा उपलब्ध

डॉ. विवेक कुमार
मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत
चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ADITYA EYE AND LASER CENTRE
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर

उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक से अधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नंबर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON

दृयूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

Er. Vishal Varshney
(B.Tech. IIT Kanpur)
Physics Expert
IIT-JEE & NEET

MEDIIT
EDUCATIONAL INSTITUTE
149, Janakpuri, Bareilly Mob. 9639011515, 9639011516 www.mediitbareilly.com

NALANDA PUBLIC SCHOOL
(CBSE Affiliated Senior Secondary School)
Dohra Road, Bareilly Mob. 8273440830 www.nalandabareilly.com

न्यूज ब्रीफ

ठिठुराने वाली सर्दी के लिए तैयार रहें

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में लोगों को जल्द ही ठिठुरने वाली सर्दी से जूझना पड़ेगा। तापमान में जारी गिरावट आने वाले दिनों में और तेज होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4-5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में ठंडी पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से तापमान में शुरू हुई गिरावट आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। राज्य में कोई सक्रिय मौसम तंत्र न होने के कारण ठंडी हवाओं का प्रभाव दिख रहा है। अगले 4 से 5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 2-3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है।

जीएनएम की खाली सीटों पर होंगे दाखिले

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम की खाली सीटों पर अब कॉलेज प्रशासन को स्वयं प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दे दी गई है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि कॉलेजों को 30 नवंबर तक अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित कर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य है।

एसआईआर को हलके में लिया तो टिकट कटा

लखनऊ, अमृत विचार : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव बेहद गंभीर हैं, उन्होंने अपनी पार्टी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) प्रक्रिया को जो नेता गंभीरता से नहीं ले रहे, उनका टिकट कटना तय है। साथ ही कहा कि जब तक एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, किसी भी अन्य जिले का नेता लखनऊ में घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए, अन्यथा पार्टी उसके टिकट पर विचार ही नहीं करेगी।सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता को एसआईआर में उलझा दिया है। आयोग बिना तैयारी किए एसआईआर करा रहा है।

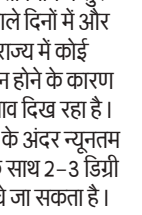

सेवा को सौदेबाजी बनाने वालों पर किया सीधा प्रहार

सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी ने दुनिया को दिया सामाजिक और राजनीतिक संदेश

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- बदलती डेमोग्राफी पर जताई चिंता, छद्म संगठनों और आश्रयों को चेताया

अमृत विचार : दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव मंच भले ही आध्यात्मिक था, लेकिन उसका संदेश पूर्णतः सामाजिक और राजनीतिक रहा। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने समाज को एकता की सीख दी, तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवाकार्य को बेचने वाले छद्म संगठनों और उनके राजनीतिक आश्रयों को सीधा संदेश दिया। साफ था कि भारत की आत्मा के साथ सौदा अब स्वीकार नहीं।

जनेश्वर मिश्र पार्क में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का मंच रविवार को केवल आध्यात्मिक विमर्श का नहीं रहा, बल्कि उस पर समाज, संस्कृति, धर्म और राष्ट्र के संवेदनशील सवालों पर दो सबसे प्रभावशाली नेताओं सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट और तीखा संदेश गूंजा। दोनों ने जिस अंदाज में परंपरा व राष्ट्रहित के प्रश्न उठाए, वह इसे एक सामान्य समारोह से आगे बढ़ाकर देश ही नहीं विश्व के लिए भी संकेतक बना। डॉ. मोहन भागवत ने गीता को 'जीवन का विज्ञान और मृत्यु का समाधान' बताते हुए समाज के भीतर चल रहे विभाजनकारी नैरेटिव पर तीखी चिंता जताई। यह वक्तव्य ऐसे समय में आया है, जब देश में धार्मिक-सामाजिक बहसों को लेकर ध्रुवीकरण चरम पर है। उन्होंने स्पष्ट इशारों में कहा कि देश के वर्तमान हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे हैं- भ्रम, मोह और नैतिक लड़खड़ाहट बढ़ रही है। ऐसे समय में गीता मानवता के लिए दिशा-दर्शक है। उनका यह संदेश केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक चेतावनी भी था कि भारत को जोड़ने की संस्कृति पर आघात करने वाले कारकों से सावधान रहना होगा।

मुख्यमंत्री योगी का संदेश और अधिक राजनीतिक था। उन्होंने ओपेक देशों की फंडिंग और इंटरनेशनल चर्च का हवाला देकर लोभ और दबाव से भारत की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश करने वाले संगठनों पर कड़ा प्रहार किया। हालांकि उन्होंने किसी संगठन का नाम नहीं लिया। हालांकि योगी धर्मांतरण गैंग, विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, राजनीतिक इस्लाम की गतिविधियों जैसे शब्दों पर पहले भी निशाना साधते रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के संदर्भ में इशारा उन दलों की ओर रहा, जिन्हें वह पहले भी जनसंख्या संतुलन बिगाड़ने और वोट-बैंक आधारित संरक्षण देने का आरोप लगा चुके हैं।

राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होंगे मुद्दे

भागवत और योगी का संयुक्त संदेश इस बात का संकेत है कि आने वाले चुनावों में धर्म, संस्कृति और डेमोग्राफी, विदेशी फंडिंग और सेवा-संस्थाओं की भूमिका और समाज को बांटने बनाम जोड़ने की अवधारणा जैसे मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होने जा रहे हैं।

शुभकामना संदेश

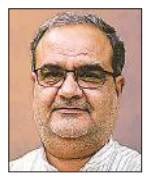

दैनिक **अमृत विचार** को सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनसरोकारों, विकास कार्यों और सामाजिक मुद्दों को निष्पक्षता व विश्वसनीयता के साथ जनता तक पहुंचाने में अमृत विचार ने अपने दायित्वों का सराहनीय निर्वहन किया है। सकारात्मक पत्रकारिता और तथ्यपरक खबरों की इसकी पहचान ने इसे प्रदेश के प्रमुख मीडिया संस्थानों में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है।

मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी अमृत विचार इसी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश की विकास यात्रा का सशक्त भागीदार बना रहेगा तथा जन-मानस की आवाज को और मजबूती देगा।

ईश्वर से प्रार्थना है कि अमृत विचार परिवार निरंतर उन्नति करे और अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता में समाज को मार्गदर्शन देता रहे।

भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, उप्र.

भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है श्रीमद्भगवदगीता : मुख्यमंत्री

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में बोले योगी - श्रीकृष्ण ने दी निष्काम कर्म की प्रेरणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है। यह जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही जीवन जीने की कला का मार्ग है। हर व्यक्ति को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में स्वामी ज्ञानानंद का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने गीता को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुत छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। श्रमिक, किसान, महिला, छात्र, नौजवान, नौकरीपेशा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, योद्धा, सैनिक के लिए गीता की प्रेरणा क्या है, उन्होंने इसे संस्था जियो गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उनकी छोटी-छोटी पुस्तकें अत्यंत प्रेरणादाई होती हैं। श्रीमद्भगवदगीता केवल जेल के कैदियों के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है।

लखनऊ के में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' के मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी, स्वामी ज्ञानानंद व अन्य। ● अमृत विचार

योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है। श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। भारत की मनीषा ने धर्म को कर्तव्य के साथ जोड़कर देखा है। हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है। उपासना विधि उसका छोटा-सा भाग है। हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है।

इस दौरान अखिल भारतीय आचार्य महासभा के महासचिव स्वामी परमात्मानंद, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, श्रीधराचार्य, संतोषाचार्य 'सतुआ बाबा', स्वामी धर्मेंद्र दास, रामचंद्र दास, स्वामी शशिकांत दास, जी, श्रीमद्भगवत गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष उमेश पालीवाल, परमानन्द शुक्ल, कमल त्रिवेदी, अमर नाथ, अशोक तिवारी, महेन्द्र सिंह, हिमांशू मिश्रा रामलाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक मणि प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

आज के हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे : भागवत

मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज जिस तरह से डगमगा रही है, जिस प्रकार मूल्य, नीति और मानवता लड़खड़ा रही है, वैसा ही दृश्य महाभारत के युद्धभूमि में अर्जुन के सामने था। अर्जुन भी भ्रम, शोक और मोह से विह्वल होकर युद्ध छोड़ने की स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के गीता ज्ञान ने अर्जुन के भीतर धर्म, साहस और कर्तव्य की प्रचंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर दी। भागवत ने कहा कि जीवन के अत्यंत विपत्ति क्षणों में भी गीता वह दिव्य शास्त्र है, जो मनुष्य को अंधकार से बाहर खींचकर दृढ़ता, समाधान और निर्भयता प्रदान करती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गीता केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि जीने की प्रक्रिया है। जो गीता को अपनाएगा, वही संकट से उबरेगा।

सरल हुई भू-उपयोग प्रक्रिया टाउनशिप प्रोजेक्ट पकड़ेंगे गति

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में भू-उपयोग प्रक्रिया का सरकार ने सरलीकरण किया है। इससे राज्य के तमाम जिलों में चल रहे टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे। अब प्राधिकरणों को भी कृषि भूमि को सीधे आवासीय भूमि में बदलने का अधिकार मिल गया है। इसके लिए पहले की तरह शासन की अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। इससे तमाम लोगों को फायदा पहुंचेगा।

दरअसल, मुख्यमंत्री शहरी विकास व नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, मथुरा-वृंदावन, कानपुर, झांसी, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर-खुर्जा, हापुड़-पिलखुवा, बागपत-बड़ौत-खेकड़ा सहित 18 प्राधिकरणों की परियोजनाओं को पहले ही 2025-26 रोडमैप में मंजूरी दी जा चुकी है। अब भूमि-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया सरल होने से इन क्षेत्रों में भी बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे।

राजधानी की बात की जाए तो इस फैसले के बाद तीन प्रस्तावित टाउनशिप-वरूण बिहार 2664 हेक्टेयर, नैमिष नगर की 1085 हेक्टेयर जमीन अब सीधे प्राधिकरण बोर्ड की मंजूरी से आवासीय घोषित की जा सकेगी।

बड़ौत में 12वीं के छात्र ने ट्रांसफार्मर के तारों को पकड़कर आत्महत्या की

बागपत,एजेंसी

- पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है
- लोग आत्महत्या के इस तरीके को लेकर अचंभित

जिले के बड़ौत कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात करीब 11 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना में 18 वर्षीय 12वीं कक्षा के छात्र तरुण सैनी ने बिजली के ट्रांसफार्मर के तारों को पकड़कर आत्महत्या कर ली। ट्रांसफार्मर को छूते ही युवक के शरीर में धमाके के साथ आग लग गई। घटना का एक मिनट 16 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जो दिल दहलाने वाला है। ट्रांसफार्मर के तारों से लटकता हुआ उसका झुलसा हुआ शरीर सीसीटीवी में साफ देखा जा सकता है।

सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक के परिजनों ने पुलिस को तहरीर सौंप दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना बड़ौत के गांधी रोड पर हुई। मृतक युवक की पहचान तरुण सैनी पुत्र रामगोपाल सैनी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए फुटेज के अनुसार, तरुण सैनी ने किसी कारणवश बिजली के ट्रांसफार्मर पर लगे तार को पकड़ा। सीसीटीवी फुटेज में तरुण सैनी को ट्रांसफार्मर की ओर बढ़ते हुए देखा जा सकता है। वह कुछ देर ट्रांसफार्मर के पास खड़ा रहा और फिर फिर अचानक उसने तार को पकड़ लिया। लोग आत्महत्या के लिए इस तरीके को लेकर अचंभित हैं।

तरुण के पिता रामगोपाल पेंटिंग का काम करते हैं। तरुण अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घर में मां उमा, छोटी बहन जिया (15) और तरुण ही थे। तरुण दिगंबर जैन इंटर कॉलोनी में इंटर की पढ़ाई कर रहा था। गली में मौजूद लोगों ने बताया कि उन्होंने तरुण को नुक्कड़ की तरफ जाते देखाथा।

पहले वह कुछ देर तक मोबाइल देखता रहा। लेकिन, थोड़ी देर बाद वह ट्रांसफार्मर की ओर बढ़ा और तारों को छूते ही उसे करंट का जोरदार झटका लगा। ब्लास्ट होते ही पूरी कॉलोनी की बिजली गुल हो गई।

कार चलाना सीख रहे बेटे ने मां को कुचला

बाराबंकी,एजेंसी

- कार ने अचानक पकड़ी रफ्तार और नीचे आ गई मां, मौत

जिले के हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर लगभग 3 बजे एक दिल दहला देने वाले हादसे में 24 वर्षीय बेटे सूरज ने कार चलाना सीखते समय गलती से घर के बाहर धूप सेंक रही अपनी 60 वर्षीया मां मीनू तिवारी को ही कुचल दिया। मीनू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

परिजनों का कहना है कि सूरज अपनी रिश्तेदारी से आई कार को चलाना सीख रहा था। इस दौरान उसने गाड़ी में सेल्फ लगाया और जैसे ही एक्सीलेटर दबाया कार अचानक तेजी से आगे बढ़ गई। कार से नियंत्रण खोने के कारण गाड़ी सीधे उसकी मां पर चढ़ गई। परिजनों का कहना है कि कार चलाने के दौरान ये दर्दनाक हादसा होने से उनके परिवार में शोक है। हादसे में मीनू तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। आनन-फानन में मीनू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दि। मृतका के पति राकेश गांव में किराने की दुकान चलाते हैं. ग्रामीणों के अनुसार बहुता गांव निवासी राकेश त्रिपाठी के घर रविवार दोपहर बेटी और दामाद पहुंचे थे। सूरज बहनोई की कार गांव की सड़क पर चलाकर ड्राइविंग सीख रहा था। वापस लौटते समय कार खड़ंजा पार करते हुए अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई।डॉ. विश्वनाथ मधेशिया के अनुसार महिला का एक पैर बुरी तरह कुचल गया था और पेट में गंभीर आंतरिक चोटें आईं, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई।

शादी से इंकार पर प्रेमी ने प्रेमिका के घर में ही गला रेतकर हत्या की

लखनऊ,एजेंसी

लखनऊ के मोहनलालगंज इलाके स्थित धर्मावतखेड़ा गांव में रविवार को शादी से इनकार किए जाने पर प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की उसके ही घर में घुसकर गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी आलोक रावत फरार हो गया। एडीसीपी दक्षिणी आर. वसंत कुमार ने आरोपी की तलाश में तीन टीमें गठित की गई थी।

दबिश के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मोहनलालगंज पुलिस के अनुसार प्रियांशी अपनी मां पूनम और बहन महक के साथ रहती थी। मां पीजीआई में प्राइवेट नौकरी करती हैं। प्रियांशी केकेवी कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। अयोध्या रोड के लोनापुर निवासी आलोक रावत से उसकी शादी तय थी, लेकिन लगातार विवाद और मारपीट की प्रवृत्ति के चलते प्रियांशी और उसकी मां ने विवाह से मना कर दिया था। इसी रंजिश में आज आलोक उसके घर पहुंचा। घर मे पहुंचने के बाद मृतका की छोटी बहन के बाथरूम में होने का फायदा उठाकर उसकी धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रियांशी ने हमले के बाद करीब आधे घंटे तक जिंदगी के लिए संघर्ष किया। वह छत से लड़खड़ाती हुई नीचे उतरी और गेट तक पहुंचकर मदद मांगती रही, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण वहीं गिरकर दम तोड़ दिया।

घटना के समय घर में उसकी छोटी बहन महक मौजूद थी, जिसने अपनी आंखों के सामने यह भयावह घटना देखी। महक ने बताया कि वह नहा रही थी तभी आलोक आया और छत पर जाकर प्रियांशी से झगड़ा करने लगा। उसने किसी अन्य युवक से बात करने का आरोप लगाते हुए अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद महक बाहर आई तो आलोक भागता दिखाई दिया और उसने धमकी दी कि तू भी बहुत बोलती है, तुझे भी मार दूंगा।

एसआईआर में बांग्लादेशी-रोहिंग्या पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय से डिटेंशन सेंटर बनाने के स्पष्ट निर्देश के बाद शहर-शहर अवैध झुग्गी-झोपड़ियों की पड़ताल के लिए अधिकारियों की टीमें बनानी शुरू कर दी है। ये जांच करेंगे कि 2003 की मतदाता सूची में सरकारी जमीन पर बसने वाले इन लोगों के नाम थे या नहीं, बाद में जोड़े गए तो आधार क्या था। खासकर किस दस्तावेज से आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली कनेक्शन, वोटर कार्ड आदि बनता गया और इसके लिए शुरुआती दोषी कौन है। पहले भी जांच एजेंसियों ने कई जिलों में ऐसे खानाबदोश और भ्रमणशील समुदाय चिन्हित किए हैं, जो वर्षों से झुग्गी-झोपड़ी, टीन-तिरपाल और मिट्टी की बस्तियों में रह रहे हैं।

न उनका वहां कोई पुश्तैनी जमीन थी, न ही परिवार। आश्चर्यजनक रूप से इन परिवारों के पास न तो वैध नागरिकता प्रमाण हैं और न ही स्थायी पते का कोई रिकॉर्ड, लेकिन फिर भी इनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर लिस्ट में नाम दर्ज मिले हैं। सूत्र बताते हैं कि पहचान पत्र जारी करने की स्थानीय प्रक्रियाओं में अनियमितताओं का लाभ उठाकर कई विदेशी नागरिक सामान्य भारतीय के रूप में दर्ज हो गए। एसआईआर प्रक्रिया में अब शासन का विशेष निर्देश है कि हर संदिग्ध परिवार से वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज अपने घर नंबर, पता और मतदान क्षेत्र की जानकारी देनी होगी। यदि कोई व्यक्ति या परिवार यह साबित नहीं कर पाता कि उसका नाम या उसके माता-पिता का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज था, तो उसे संदिग्ध नागरिकता सूची में रखा जाएगा।

राशन कार्ड से ले रहे सरकारी लाभ

आधार कार्ड के जरिये पर राशन कार्ड बनवाया गया, जिसमें पूरा परिवार शामिल कर दिया गया। राशन कार्ड से इन परिवारों को सरकारी योजनाओं और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में जगह मिल गई। प्रशासनिक रिकॉर्ड में नाम दर्ज हो जाने से स्थायी निवासी होने का भ्रम और मजबूत हुआ। कई जिलों में अवैध बस्तियों में घरेलू बिजली कनेक्शन जारी हुए। बिजली बिल में दर्ज ग्राहक संख्या और पता अक्सर वोटर लिस्ट में शामिल किए जाने का आधार बना। बिजली से जुड़े रिकॉर्ड ने इन्हें पिछले कई साल से रहने वाले परिवार दिखाकर चुनावी लाभ कराया।

प्रोत्साहन के नाम पर करोड़ों की ठगी, तीन पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- एक बीयर कंपनी के तीन अधिकारियों पर हैं आरोप

अमृत विचार : शहर में बीयर डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ा कथित करोड़ों का प्रोत्साहन घोटाला सामने आया है। मां शीतला डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. ने एन्हाउजर बुश इनबेव इंडिया लिमिटेड के तीन अधिकारियों पर ग्राहकों को मर्सिडीज कार देने का झांसा देकर भुगतान रुकवाने और कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है।

तहरीर के साथ ई-मेल प्रमाण भी पेश किए गए हैं। मां शीतला डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. के प्रबंधक संजीव कुमार ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर एन्हाउजर बुश इनबेव इंडिया लिमिटेड के तीन अधिकारियों पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी, विश्वासघात और अनुबंध उल्लंघन का आरोप लगाया है। आरोप है कि उक्त कंपनी के रीजनल डायरेक्टर अभिनव डंडोना, एरिया मैनेजर जगनिवास दुबे और स्टेट हेड आशीष सूरी ने बिना किसी अनुमति और अधिकार के ग्राहकों को 80 लाख से 1 करोड़ रुपये मूल्य की मर्सिडीज कार प्रोत्साहन के रूप में देने का वादा किया। ग्राहकों ने इसी कथित वादे के आधार पर कंपनी का शेष भुगतान रोक दिया, जिससे संजीव की कंपनी को आर्थिक नुकसान हुआ।

नैनीताल में आठ साल बाद फिर सजेगा विंटर कार्निवल

नैनीताल, अमृत विचार: क्रिसमस के आगमन से पहले झीलों के शहर नैनीताल में रौनक लौटने वाली है। आठ साल बाद एक बार फिर विंटर कार्निवल आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग ने तेज़ कर दी हैं। 23 से 25 दिसंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय महोत्सव न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था के लिए भी नई ऊर्जा लेकर आएगा। कार्निवल को लेकर शहर में अभी से उत्साह का माहौल है। माल रोड से लेकर फ्लैट्स मैदान और सांस्कृतिक स्थलों तक, हर जगह रंग-रोगन और सजावट का काम जारी है।

बिहार चुनाव परिणाम के बाद कंपकंपा रहे राहुल-अखिलेश

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- रामपुर में आयोजित कार्यक्रम में बोले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

अमृत विचार : रविवार को सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर रामपुर पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। कहा कि बिहार चुनाव में एनडीए की जीत के बाद राहुल गांधी और अखिलेश यादव कंपकंपा रहे हैं। इन्हें 2027 में हार का डर सताने लगा है।

केशव प्रसाद मौर्य।

कहा, राहुल गांधी वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, जबकि यह काम कांग्रेस कर रही है। 1971 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली से इंदिरा गांधी ने चुनाव हारने के बाद वोट चोरी कर जीत हासिल की थी। देश के पहले प्रधानमंत्री के चुनाव में सरदार वल्लभभाई पटेल को 14 वोट मिले, जबकि पं जवाहरलाल नेहरू को सिर्फ एक वोट मिला, फिर भी नेहरू प्रधानमंत्री बन गए। कांग्रेस के पुराने विवादों को याद कर राहुल गांधी पर तंज कसा। वहीं आजम खान पर जेल जाने के मुद्दे तंज कसते हुए कहा कि जो जैसा करेगा वैसा भरेगा। रामपुर वासियों से एसआईआर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल, अधिकारी बोले-आतंकवाद की रणनीति में बदलाव चिंताजनक- 6

अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका - 10

निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका - 11

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में राहुल संभालेंगे भारत की कप्तानी, जडेजा की हुई वापसी-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 24 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 365, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सीजेआई के रूप में आज शपथ लेंगे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायधीश के रूप में शपथ लेंगे। वह न्यायमूर्ति बीआर गवई की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल शाम को समाप्त हो जाएगा। गत 30 अक्टूबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगले सीजेआई के रूप में नियुक्त किया गया था। वह इस पद पर लगभग 15 महीने तक रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर नौ फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

वांगचुक की हिरासत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी की अर्जी पर सुनवाई करेगा जिन्होंने दायर की गई अर्जी में आरोप लगाया है कि उनके पति को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गैरकानूनी रूप से हिरासत में रखा गया है और यह उनके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक मनमाना कदम है। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था।

भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश बांटने वालों से रहें सावधान : भागवत

संघ प्रमुख ने दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में धर्म-संस्कृति के मुद्दों पर दिया कड़ा संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को यहां आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर कई कड़े संदेश दिए। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश है और बांटने वालों से सावधान रहना होगा। उन्होंने श्रीमद्भगवदगीता के महात्म्य के साथ वर्तमान हालात की चर्चा करते हुए कई दृष्टांत सुनाए और कहा कि गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का समाधान भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंच पर भागेदारी की।

मोहन भागवत ने समाज की एकता, हिंदू संस्कृति के वैश्विक प्रभाव और देश की दिशा पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामूहिकता में छिपी है। लोगों से आग्रह किया कि वे समाज को जोड़ने वाली परंपराओं को अपनाएं और विभाजनकारी एजेंडों से दूर रहें। जो भी विचार समाज को बांटने का काम करते हैं, वे भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। भागवत ने कहा कि भारत आज दुनिया में नई पहचान बना रहा है। हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा। भारत का रास्ता एकता, आत्मविश्वास और संस्कृति की रक्षा से होकर ही निकलेगा।

उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया अव्यवस्था, संघर्ष और नैतिक भ्रम से गुजर रही है, ऐसे समय में गीता ही वह शाश्वत मार्गदर्शक है जो मानवता को संतुलन और धर्म के पथ पर पुनः स्थापित कर सकती है। गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का भी समाधान, इसलिए मनुष्य चाहे जिए या मरे, गीता ही उसके अस्तित्व का आधार होनी चाहिए।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

भौतिकवाद के साथ बढ़ी हैं समस्याएं : स्वामी ज्ञानानंद

आयोजन के मुख्य वक्ता स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि लोगों के मन में सवाल हो सकता है कि आयोजन का प्रयोजन क्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि प्रेरणा है और जियो गीता संस्था एक आह्वान है। स्वामी ज्ञानानंद ने कहा, 'जियो गीता, गीता के साथ जीने की आदत बनाने की प्रेरणा है। समय की आवश्यकता है और भौतिकवाद ने कई संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। पूरे विश्व में अलग-अलग प्रकार से महाभारत फिर से दिखाई दे रहा है। समाधान क्या है, उस महाभारत में गीता का उपदेश दिया गया था।

युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र... जहां धर्म और कर्तव्य वहीं जय : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युद्ध का मैदान भी हमारे लिए 'धर्मक्षेत्र' है और जहां धर्म व कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है। योगी ने कहा, पूरे भारत को हमने धर्मक्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र ही है। मुख्यमंत्री ने कहा, कर्तव्यों से जुड़ा क्षेत्र है और धर्मक्षेत्र में जो युद्ध लड़ा जा रहा है, वह कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। यही भाव सामने आता है तो अंत में परिणाम यह होता है कि जहां धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं विजय होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी को गुरुर नहीं पालना चाहिए कि अधर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त हो जाएगी। यह भारत के सनातन धर्म की परंपरा है कि प्रकृति का अटूट नियम है, सदैव से यही होता आया है। मुख्यमंत्री ने भागवत को निष्काम कर्म का प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों की यात्रा में सेवा को कभी सौदेबाजी का माध्यम नहीं बनने दिया। संगठन समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, न कि ओपेक देशों या किसी अंतरराष्ट्रीय चर्च की फंडिंग से। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दुनिया में सेवा को ही सौदे का औजार बना लिया। लालच व दबाव के जरिए भारत की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने की साजिशें रचीं, लेकिन आरएसएस आज भी हर पीड़ित की जाति, मत, मजहब से ऊपर उठकर मानवता की सेवा के लिए समर्पित है।

- संघ समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग से नहीं

डीएम रखेंगे चुनाव आयोग के खिलाफ अफवाहों पर नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गलत सूचनाएं फैलाने वालों पर कार्रवाई और फौरन वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश
- आयोग ने जिलाधिकारियों को जारी किए निर्देश, सोशल मीडिया टीम बनाने को कहा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में सभी जिलाधिकारियों को वोटर लिस्ट या चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर फैलने वाली अफवाहों पर सीधे नजर रखने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने जिलाधिकारियों से उम्मीद जताई है कि वे खुद निगरानी के साथ एक सोशल मीडिया टीम भी बनाए ताकि आम लोगों के बीच चुनावी प्रकिया को लेकर कोई गलत संदेश प्रसारित न हो।

चुनाव आयोग ने कहा है कि अगर ऐसा कोई गलत संदेश फैलाया जाए तो न केवल उसे प्रसारित करने वाले पर कार्रवाई हो बल्कि जिलाधिकारी अपने एक्स अकाउंट से उस अफवाह का खंडन कर वास्तविक स्थिति को भी स्पष्ट करें। आयोग ने बताया है कि राज्य में एसआईआर पर नजर रखने के लिए राजनीतिक दलों के भी 4 लाख से अधिक बीएलए तैनात किए गए हैं ताकि अफवाह फैलाने की गुंजाइश न रहे।

इस बीच उत्तर प्रदेश में अभी तक 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ कर चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश हैं कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि उनके जिले के सभी गांवों के सभी मजरों में और नगरीय क्षेत्रों में मोहल्लों, कॉलोनियों और बस्तियों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए। विभिन्न स्रोतों से जिला निर्वाचन अधिकारी यह फीडबैक लें की उनके जिले का कोई भौगोलिक क्षेत्र बीएलओ के भ्रमण से छूट न गया हो।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन करें सहयोग

कहा गया है कि नगरीय क्षेत्रों में अक्सर बीएलओ स्थानीय कर्मचारी नहीं होता है इसलिए नगरीय क्षेत्रों में बीएलओ का काम ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले कठिन होता है। ऐसी स्थिति में रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से उम्मीद की गई है कि वे भी अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ सहयोग करें। रिणवा ने बताया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को अधिक से अधिक हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश हैं ताकि कॉन्टैक्ट सेंटर और हेल्प डेस्क पर एसआईआर प्रक्रिया से पूरी तरह जानकार एवं प्रशिक्षित कर्मी मौजूद रहें।

पति समेत छह पर रिपोर्ट दर्ज

देवरनियां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक महिला अपने ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और बहनोई द्वारा अश्लील हरकत करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़िता का कहना है, कि उसकी शादी 29 जून 2025 को हुई थी। ससुरालीजन उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। आरोप है, पति के बहनोई ने उसके साथ कई बार अश्लील हरकत कर दुष्कर्म का प्रयास किया। अक्टूबर में बहनोई की हरकत की जानकारी ससुरालीजन को दी तो उसे मारापीटा गया। पति दहेज के लिए पहले ही तीन शादियां कर चुका है। महिला की तहरीर पर पति राहुल समेत नेमचद्र, परमेश्वरी, अर्चना, पूजा, कपिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

एसडीएम की कार को टक्कर मारी

फरीदपुर में हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान लगे जाम में निकलने के दौरान हादसा

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : एन एच 30 पर निर्माण कार्य को चलते शनिवार से जाम की स्थिति पैदा हो गई है। इस कार्य के चलते हाईवे पर एक तरफ का ट्रैफिक बंद चल रहा है।

रविवार को सुबह इस मार्ग पर गन्ने का ट्रक खराब हो गया तो यहां जाम लग गया। साइड बचा कर निकल रहे एक पिकअप को ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे दोनों तरफ लंबी कतारें लग गई। इसी बीच जाम से निकल रहे उप जिलाधिकारी फरीदपुर की कार का 6 टायरा ट्रक के चेचिस लेकर जा रहे चालक ने टक्कर मार दी इससे एसडीएम की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई । एसडीएम बाल बाल बच गई हैं। जाम खुलवाने में लगी फरीदपुर पुलिस ने तत्काल ट्रक का चेचिस ले जा रहे हैं चालक को ट्रक सहित हिरासत में ले लिया। माफी मांगने 9पर देर शाम एसडीएम ने जब्त ट्रक को छुड़वा दिया। लोगों का कहना है कि कोहरे और ठंड के दौरान निर्माण कार्य करना अदूरदर्शिता का परिचायक है। यदि यह काम कराना था तो इसकी शुरुआत पहले करनी चाहिए थी ताकि ठंड और कोहरे में इस कार्य का विपरीत असर न पड़े।

शाहजहांपुर बरेली के बीच फरीदपुर पर हो रहे एनएच पर निर्माण कार्य से एक तरफ ट्रैफिक चलने से लगा लंबा जाम। ● अमृत विचार

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : हाइवे पर टोल के पास अनियंत्रित बाइक सवार दो लोग डिवाइडर से टकराकर गंभीर घायल हो गए। उन्हे अस्पताल भेजा है। जहां चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक रविवार शाहजहांपुर के थाना व कस्बा सेहरामऊ निवासी श्यामू सिंह अपने एक रिश्तेदार पंकज निवासी हरदोई के थाना बेहटा गोकुल के गांव खनी गांव खुर्द के साथ बाइक के द्वारा गाजियाबाद से शाहजहांपुर लौट रहे थे। हाइवे पर टोल टैक्स के पास पहुंचने पर बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दोनो रोड पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। राहगीरों ने टोल टैक्स की एंबुलेंस के द्वारा उसे पास के ही एक अस्पताल भेज दिया। चालक श्यामू सिंह गंभीर घायल बताया जा रहा है।

शेरगढ़ में अल्ट्रासाउंट सेंटर सील

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : स्वास्थ्य ढांचे में लापरवाही और नियम उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए डिप्टी सीएमओ एवं पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. लईक अंसारी ने रविवार को विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें कई गंभीर खामियां मिलीं।

डॉ. अंसारी दोपहर लगभग 2 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसुधरन जागीर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित था। यहां उन्हें केंद्र पर 42 मरीज पंजीकृत मिले। निरीक्षण के दौरान फार्मासिस्ट पवन कुमार अस्पताल से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित मिले। इस पर डिप्टी सीएमओ ने नाराजगी जताते हुए उनसे तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।

अल्ट्रासाउंड सेंटर की सीलिंग के दौरान मौजूद डिप्टी सीएमओ।

इसके बाद निरीक्षण दल शेरगढ़ स्थित ओम (अल्ट्रासाउंड) डायग्नोस्टिक सेंटर पहुंचा। यहां केन्द्र खुला हुआ मिला और अल्ट्रासाउंड मशीन चालू थी। लेकिन कोई डॉक्टर या रेडियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं था।

पंजीकरण व स्टाफ से संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। बाद में जो कागजात दिखाए गए, वह दूसरे केंद्र के निकले। डॉ. अंसारी ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेंद्र सिंह के साथ मिलकर अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया। डिप्टी सीएमओ डॉ लईक अंसारी ने बताया कि कस्बे में कुछ बगैर रेडियोलॉजिस्ट और बगैर रजिस्ट्रेशन के अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटर चलने की सूचना मिली थी। एक डायग्नोस्टिक सेंटर को सील किया गया है। प्रकाश हॉस्पिटल की ओटी को भी सील किया गया। सभी को तीन दिन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

उपले थाप रही महिला से युवक ने की छेड़छाड़

क्योलड़िया, अमृत विचार : मकान के सामने दोपहर को उपले थोप रही महिला को नशे मेंधुत युवक ने दबोच लिया और छेड़छाड़ करने लगा। चिल्लाने पर पति ने बाहर आकर महिला को बचाने का प्रयास किया। आरोपी ने महिला के साथ मारपीट शुरु कर दी। इससे महिला को चोटे आई और उसने अपने को युवक के चंगुल से बचाकर इज्जत बचाई। महिला की सूचना पर पुलिस युवक को पकड़ लाई। महिला ने युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है।

ट्राली पर लगाए रिफ्लेक्टर

फतेहगंज पूर्वी : हाईवे पर द्वारिकेश शुगर मिल के सामने थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने अभियान चलाकर ट्रैक्टर ट्राली एवं वाहनों में पीछे रिफ्लेक्टर लगाए।

भोजीपुरा में प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच फंसे महिला के पैर, गंभीर

- बच्चे के लिए पानी लेने उतरी, ट्रेन चल दी तो चढ़ने के दौरान फिसली
- जीआरपी-आरपीएफ ने महिला यात्री को निकाला, अस्पताल भेजा

भोजीपुरा, अमृत विचार

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर पानी लेने उतरी महिला ट्रेन पर चढ़ते समय फिसल कर घायल हो गई। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत गंभीर है।

पीलीभीत के मोहल्ला शेर मोहम्मद निवासी सहना बी (32) बच्चों के साथ बरेली दवा लेने आ रही थी। ट्रेन के भोजीपुरा स्टेशन पर पहुंचने पर महिला बच्चों के लिए पानी लेने नीचे उतरी। पानी लेकर लौटने पर ट्रेन चलने लगी ।पानी लेकर सहना बी ट्रेन में चढ़ने लगी तो उसका पैर फिसल गया ।संतुलन बिगड़ने पर महिला गिर पड़ी और उसके दोनों पैर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसकर बुरी तरह कुचल गया। यह देखकर प्लेटफार्म पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर जीआरपी- आरपीएफ ने महिला को बाहर निकाला और उसे अस्पताल भिजवाया। वहां महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। महिला के परिजन को सूचना दे दी गई है।

नाबालिग का किया अपहरण, मुकदमा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव यासीन नगर की एक महिला ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

महिला के मुताबिक, सितारगंज निवासी सलमान जो पहले से ही शादीशुदा है और जिसकी ससुराल भी यासीन नगर में ही है अक्सर उनके घर आया-जाया करता था। इसी दौरान उसकी नीयत नाबालिग बेटी पर खराब हो गई और उसने करीब एक साल तक मीठी-मीठी बातों में उलझाकर उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। पीडित्र महिला का आरोप है कि 15 तारीख की सुबह सलमान उसकी बेटी को अपने साथ भगा ले गया। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर नाबालिग की बरामदगी और युवक की तलाश शुरु कर दी है।

अपराधी को जिले की सीमा से बाहर छोड़ा

शीशगढ़, अमृत विचार : अदालत के निर्देश पर थाना पुलिस ने अपराधिक प्रवृति के व्यक्ति को बरेली की सीमा से बाहर रामपुर की सीमा में छोड़ने से पहले जरूरी निर्देश दिए । उसके बाद अभियुक्त को जिला बदर करने की बात बताकर रामपुर जिले में छोड़ दिया गया।

इंस्पेक्टर हरेन्द्र सिंह ने बताया कि मोहल्ला बिलासपुर बस अड्डा निवासी हामिद रजा पुत्र जलीस अहमद को अदालत के निर्देश पर जिला बदर की कार्यवाही करते हुए रामपुर जनपद में छोड़ा गया हैं।

टैलेंट प्रतियोगिता में हिमांशु प्रथम

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : युवा टैलेंट समिति द्वारा आयोजित डांस व सिगिंग प्रतियोगिता में युवाओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में हिमांशु ने पहला स्थान पाया। समिति के निर्णय से कुछ प्रतिभागी असंतुष्ट नजर आए।

एक बारातघर में हुए कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर अमर सोनी और सानिया तीसरे स्थान पर रहीं। इसके अलावा शिव धन शर्मा, आयुषी, रिजवान, राजा, गोपाल यादव, नेहा, मानसी, शिवम सहित एक दर्जन से अधिक प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

टैलेंट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देते अतिथि। ● अमृत विचार

विजेताओं को डा. आशुतोष गंगवार व महिला मोर्चा की महासचिव डा. मीनाक्षी गंगवार ने मेडल, प्रमाण पत्र व नकद पुरस्कार प्रदान किये। इस दौरान समिति के अध्यक्ष अली शेर, आविद खान, मो. ताजीम, नरेंद्र गंगवार, अमित कुमार, नीतीश कुमार आदि रहे।

कहीं सम्मानित तो कहीं बीएलओ को फटकार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जहां लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं वहीं बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया जा रहा है। रविवार को एसडीएम आंवला विदुषी सिंह एवं तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा ने कई बीएलओ को सम्मानित किया।

एसडीएम ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर के सुपरवाइजर खालिद अली खां के नेतृत्व में बीएलओ कुलदीप श्रीवास्तव, कम्पोजिट विद्यालय देवसरा उर्फ संग्रामपुर के सुपरवाइजर फौजदार शुक्ला के नेतृत्व में बीएलओ सत्यपाल सिंह , जूनियर हाईस्कूल अनुरुद्धपुर के सुपरवाइजर वरुण आनंद के नेतृत्व में बीएलओ दीपक कुमार , जूनियर हाईस्कूल रामनगर दक्षिणी ब्लॉक के सुपरवाइजर खालिद अली खां के नेतृत्व में बीएलओ प्रवीण सिंह यादव , प्राथमिक विद्यालय बीवनी के सुपरवाइजर वरुण आनंद के नेतृत्व में बीएलओ हरपाल सिंह ने तथा प्राथमिक कन्या विद्यालय शिवपुरी के सुपरवाइजर रिंकू कुमार के नेतृत्व में बीएलओ दीनदयाल मौर्य ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कियाह है। इस आधार पर सभी को सम्मानित किया गया।

आंवला में बीएलओ को सम्मानित करतीं एसडीएम।

मीरगंज में सम्मानित करते एसडीएम।

मीरगंज में बीएलओ को किया सम्मानित:

मीरगंज : एसडीएम ने बताया कि मीरगंज के मतदेय स्थल अब्दुल्लागंज के बीएलओ महेन्द्र पाल (रोजगार सेवक), नगरिया कल्यानपुर के शकील अहमद, (शिक्षामित्र), सुपरवाइजर गौरव सिंह, गिरन्द सिंह, (लेखपाल) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त दो सुपरवाइजर हरीश कुमार, आशीष कुमार शुक्ला, को कार्य में शिथिलता बरतने पर फटकार लगाई गई। रविवार को गावों में जाकर तहसीलदार आशीष कुमार ने लाउडस्पीकर से घोषणा करवाकर ग्रामीणों से फार्म भरने की अपील की। उन्होंने दुनका, धनेली सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों में निरीक्षण कर बीएलओ की कार्यप्रणाली, फॉर्म वितरण, डेटा फीडिंग और मतदाता सूची की प्रगति का जायजा लिया।

एसडीएम ने बीएलओ को लगाई फटकार

मीरगंज, अमृत विचार : सभी मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को उपलब्ध करा दें। कुछ बीएलओ द्वारा अपने क्षेत्र में कम जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी, यह बात कहते हुए एसडीएम ने फटकार लगाई है। पंचायत सभागार में एसडीएम आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीएलओ सुपरवाइजर सभासद, पूर्व सभासद नगर पंचायत के कर्मचारी कोटेदार, जनसेवा केन्द्र प्रभारी, मौजूद रहे। बताया कि बीएलओ के साथ नगर पंचायत के दो-दो कर्मचारी व वालिन्टियर की तैनाती की गई है। वह बीएलओ को सहयोग प्रदान कर रहे है तथा प्रचार वाहन से अनाउंस भी कराया जा रहा है।

रिठौरा में तहसीलदार ने किया बूथ का निरीक्षण

रिठौरा, अमृत विचार : रविवार को नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में लगे कैंप का निरीक्षण करने पहुंचे नायब तहसीलदार अभिषेक तिवारी ने सभी बीएलओ से फार्म जमा, आनलाइन फीडिंग करने की आवेदन करने की जानकारी ली।

बीएलओ ने बताया पुरुष मतदाता सुबह काम पर निकल जाते हैं। महिलाएं फार्म भरकर जमा नहीं कर रहीं हैं। देर रात को बीएलओ सीमा यादव को डीएम कार्यालय से भी लगातार फोन काल आई। कैंप में बीएलओ वर्षा गुप्ता, मोहित रस्तोगी, रामपाल, रामदास, कुलदीप गंगवार, दीक्षा सिंह, दुर्गा सिंह, सोनी शंखधार , दिनेश कुमार सिंह ,अनीस अहमद, राजेन्द्र कुमार कश्यप आदि रहे।

■ 6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल, अधिकारी बोले-आतंकवाद की रणनीति में बदलाव चिंताजनक- 6

■ अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका - 10

■ निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका - 11

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में राहुल संभालेंगे भारत की कप्तानी, जडेजा की हुई वापसी-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 24 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 365, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते की आवश्यकता

मोदी ने कहा- वित्त केंद्रित नहीं, मानव केंद्रित बनें महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां

● प्रधानमंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को किया संबोधित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

सिरिल रामफोसा और लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मोदी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते का रविवार को आह्वान किया। इसके साथ उन्होंने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को वित्त केंद्रित के बजाय मानव केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया। जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होने चाहिए और इन्हें विशिष्ट मॉडल के बजाय ओपन सोर्स पद्धति पर आधारित होना चाहिए। ओपन सोर्स पद्धति का मतलब सभी के लिए मुफ्त में उपलब्ध होने से है।

मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हासिल हुए हैं, फिर चाहे वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग हों या फिर एआई या डिजिटल भुगतान, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है। जी20 शिखर सम्मेलन का तीसरा सत्र सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य-महत्वपूर्ण खनिज सभ्य कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आधारित था। प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का इस्तेमाल वैश्विक भलाई के लिए हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए। ऐसा करने के लिए, हमें कुछ मूल सिद्धांतों पर आधारित एआई पर एक वैश्विक समझौते की आवश्यकता होगी, जिसमें प्रभावी मानवीय निगरानी, डिजाइन के जरिए सुरक्षा, पारदर्शिता और डीप फेक, अपराध तथा आतंकवादी गतिविधियों में एआई के इस्तेमाल पर सख्त प्रतिबंध शामिल हो।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन, सुरक्षा या सार्वजनिक विश्वास को प्रभावित करने वाली एआई प्रणालियां जिम्मेदार एवं ऑडिट योग्य होनी चाहिए। मोदी ने कहा, और सबसे जरूरी बात यह है कि एआई को मानव क्षमताओं को बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन फैसले लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा इंसानों के पास ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई के इस युग में हमें अपने दृष्टिकोण को आज की नौकरियों से बदलकर तेजी से कल की क्षमताओं की ओर ले जाना चाहिए। मोदी ने कहा, नवाचार को गति देने के लिए प्रतिभा गतिशीलता को बढ़ावा देना जरूरी है। हमने दिल्ली जी-20 में इस विषय पर प्रगति की। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में जी-20 प्रतिभा गतिशीलता के लिए एक वैश्विक ढांचा विकसित करेगा।

यूएनएससी में सुधार अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को साफ संदेश देना चाहिए कि इस वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोदी ने इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन में कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया विभाजित दिखती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

विवाह पंचमी पर स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे राम

अयोध्या। विवाह पंचमी तिथि पर 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के दिन रामलला और प्रथम तल पर विराजमान राजा राम और माता सीता भी स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे।

इसे मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी ने तैयार कर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार यहां रामदरबार की आरती उतरेंगे। मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी के मुताबिक भगवान के वस्त्र पीतांबर है, जिसे सोने के धागों से पिरोया गया है। यह पूरा कार्य दक्षिण भारत की शैली पर तैयार कराया गया है।

एक और टी- 20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत के नाम

अब दृष्टिबाधित बेटियों ने फहराया देश का परचम

कोलंबो। एक और टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत की झोली में आया है। इस बार दृष्टिबाधित बेटियों ने देश का परचम दुनिया में फहराया है। रविवार को पी सारा ओवल मैदान में हुए फाइनल में बेटियों ने नेपाल को सात विकेट से हराकर यह खिताब जीता। दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए टी-20 क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन था। ...विस्तृत खबर खेल पेज पर

दिल्ली में 262 करोड़ के ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ दिल्ली में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी होने का दावा

दिल्ली में एक फ्लैट पर छापा मारकर 262 करोड़ रुपये कीमत के मेथामफेटामाइन ड्रग्स बरामद किए गए हैं और नगालैंड की एक युवती समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एलसीबी) और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस की इस कार्रवाई को ड्रग तस्करों के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ बताया जा रहा है। पुलिस ने दावा किया है कि दिल्ली में यह अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी है।

यह कार्रवाई ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस के तहत की गई। गिरफ्तार किए गए तस्करों की निशानदेही पर छतरपुर में एक किराए के फ्लैट से कुल 328.54 किलोग्राम मेथामफेटामाइन नाम की ड्रग्स बरामद की गई है। एनसीबी के मुताबिक एक सूचना पर शाने वारिस नाम के तस्कर को 20 नवंबर की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था जो अमरोहा (यूपी) के मंगरौली गांव का रहने वाला है।

इसके बाद छतरपुर में फ्लैट पर छापा मारा गया जहां भारी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी हुई। यह फ्लैट नगालैंड की रहने वाली युवती एस्थर किनिमी ने किराए पर लिया हुआ था और इसे ड्रग्स तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

एजेंसी का दावा है कि इस सिंडिकेट के तार दुबई से लेकर दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों में फैले हैं। शाने वारिस कुछ महीने से नोएडा सेक्टर-पांच में रह रहा था और दुबई में उसके संपर्क था। एनसीबी ने शक जताया है कि यह सिर्फ एक ठिकाना नहीं, बल्कि दिल्ली में फैले एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, बरेली

Estd. 1998

(महा. ज्यो. फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध)

(A Unit of Maharaja Agrasen Shiksha Samiti (Regd.) Bareilly)

श्री अग्रसेन विजयते

27 वर्षों से निरन्तर गौरवमयी यात्रा..

आज से 30 वर्ष पूर्व 5 फरवरी 1995 को इस महाविद्यालय का शिलान्यास उसी तिथि में बसन्त पंचमी को जिसमें B.H.U. का शिलान्यास हुआ था। बाबू बनारसी दास अग्रवाल जी के कर कमलों से सम्पन्न होकर 28 सितम्बर 1998 को मात्र 78 छात्र-छात्राओं से दो कोर्सेज B.Sc. PCM व ZBC से प्रारम्भ होकर 27 वर्षों में अब में अब 21 प्रकार के विभिन्न कोर्सेज में 2700 छात्र-छात्रायें न केवल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं बल्कि Idea Caffee, Innovation Center, श्री अग्रसेन क्रिकेट एकेडमी, श्री अग्रसेन बुक बैंक, PG Forum, Personality Development Classes, Foreign Language Classes, Talent Hunt Competition Language Lab Mat Lab, Different Activities हेतु 8 Social Clubs वर्ष भर का कैलेंडर आदि द्वारा शारीरिक व मानसिक विकास के प्रयास भी किये जाते हैं।

इस वर्ष हमने एक बहुत ही Precious Course B.Sc. BioTechnology प्रारम्भ किया है। शीघ्र ही छात्राओं हेतु N.C.C. Unit की स्थापना करना, व एक Research Center की स्थापना करने की योजना है। इसके लिये NAAC Gradition की तैयारी की जा रही है, Office को Computerize कराया गया है, Library Computerize हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को अनेक बार विश्वविद्यालय द्वारा Gold Medal प्राप्त होना, विभिन्न खेलों में सिल्वर व गोल्ड मेडल प्राप्त होना, सत्येन्द्र नाथ बोस NIT सिल्वर समर इंटर्नशिप प्रोग्राम में M.Sc. Phy के तीन छात्रों का चयन, कौशल विकास एवं उद्योग जगत से जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजाज फिनसर्व एवं सेन्टम फाउन्डेशन से दो महत्वपूर्ण AMU पर हस्ताक्षर, विभिन्न कम्पनियों द्वारा समय समय पर छात्र-छात्राओंका Placement में चयन होना महाविद्यालय के लिये गौरव पूर्ण उपलब्धि सभी के सहयोग से सम्भव है। इस हेतु सभी बधाई व धन्यवाद के पात्र है।

28 सितम्बर 1998 को मात्र 78 छात्र-छात्राओं से दो कोर्सेज B.Sc. PCM व ZBC से प्रारम्भ होकर 27 वर्षों में अब में अब 21 प्रकार के विभिन्न कोर्सेज में 2700 छात्र-छात्रायें न केवल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस पर नमन करते हुये स्मृतियों से विराम देना चाहूँगा।

COURSES

B.Sc. Bio Technology*
B.Sc (PCM/ZBC) | B.Com | B.A.
B.Ed. | B.B.A. | B.Sc. (Home Sc.)
B.Com (Hons.) | B.C.A. | P.G.D.C.A.
M.Com. M.A. (Education, Geography, English, Political Science)
M.Sc. (Physics, Chemistry, Zoology, Botany, Maths)

ACHIEVED KEY FEATURES
- Bus Facility Available
- Placement Assistance
- Games & Sports Facility
- Well Equipped Lab & Library
- Highly Qualified Staff
- NSS & Rover Ranger
- Book Bank Facility

Scholarships worth Rs. One Lakh Every Year

Selected Students in Placement Fair 2025

Pinku Yadav
Dabur Ayurveda

Anushka Sharma
SBI Credit Card

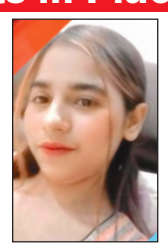
Mantasha Khan
SBI Credit Card

Faraz Ahmad
Indian Ayurveda

Manas Gupta
Axis Bank

1st Self Finance College in Bareilly Region

WHERE THOUGHTS ARE DEVELOPED TO SUCCESS

CAMPUS : 11 Km, Bareilly – Lucknow Highway Near Transport Nagar, Bareilly
Tel.: 9012937191, 9690002585

अमृत विचार
बरेली, सोमवार, 24 नवंबर 2025
बरेली देहात

इमामबाड़ा खुर्द में मजलिस-ए अजा शुरू

संवाददाता, सेंथल

सेंथल में मजलिस को खिताब करते मौलाना सदफ जौनपुरी ● अमृत विचार

अमृत विचार : रविवार से इमामबाड़ा खुर्द में इदारे करवाने जहरा के नेतृत्व में हजरत मोहम्मद साहब की बेटी शहजादी फातिमा जहरा की शहादत की याद में तीन दिवसीय मजलिस-ए-अजा का सिलसिला शुरू हो गया। पहली मजलिस को मौलाना तंजीम हुसैन जैदी, दूसरी मजलिस को मौलाना आजम खान सुल्तानपुरी तीसरी मजलिस को मौलाना गुलाम हुसैन सदफ जौनपुरी ने खिताब किया। मजलिस के बाद अंजुमन हुसैनिया, अंजुमन जुल्फिकारे हैदरी ने नौहा पड़ा। इदारे के सदस्य शारिफ जैदी ने बताया सोमवार को पहली मजलिस मौलाना कुमैल अब्बास अकबरपुर, दूसरी मजलिस को मौलाना आबिद रिजवी फतेहपुरी मौलाना अब्बास रजा नय्यर जलालपुरी खिताब करेंगे ।

बेकाबू ई-रिक्शा बने खतरा, प्रशासन बेखबर

शेरगढ़ कस्बे की सड़कों पर जहां-तहां चल रहे ई रिक्शा, यातायात माह समाप्त होने में छह दिन बचे

संवाददाता, शेरगढ़

कोई नियंत्रण नहीं होने से बेखौफ होकर सड़क पर चलते ई रिक्शा। ● अमृत विचार

कस्बे में नाले पर लगी दुकानें सुचारु आवागमन के लिए बाधा बनी हैं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कस्बे की सड़कों पर बेतरतीब रफ्तार से दौड़ रहे ई-रिक्शा लोगों की जान पर भारी पड़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग स्थिति सुधारने की बजाय खामोश नजर आते हैं। नगर पंचायत प्रशासन के पास न तो ई-रिक्शा की कोई सूची है और न ही पंजीकरण से संबंधित कोई रिकॉर्ड। इस लापरवाही ने कस्बे की यातायात व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

ई-रिक्शा की मनमानी और तेज रफ्तार के कारण हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में रम्पुरा–बैरमनगर संपर्क मार्ग पर चावल लदा ई-रिक्शा पलटने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इससे पहले भी कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

शेरगढ़–शाही और शेरगढ़–बहेड़ी मार्ग पर ई-रिक्शा की अव्यवस्थित आवाजाही ने ट्रैफिक व्यवस्था को पंगु कर दिया है। स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी अनुशासनहीन ई-रिक्शा चालक अक्सर स्कूली बच्चों को समय पर विद्यालय नहीं पहुंचा पाते। कई बार ओवरलोडिंग और गलत रास्तों के कारण अभिभावक चिंतित रहते हैं। ई-रिक्शा संचालन पर नियंत्रण के अभाव ने बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

पार्किंग और पंजीकरण पर हांफता प्रशासन

नगर पंचायत के पास पार्किंग के लिए न जगह है और न कोई व्यवस्था। हर बार वही जवाब—"जगह तलाश की जा रही है।" ई-रिक्शा कितने हैं, ऑटो कितने हैं, इसका कोई रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं है।

अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह के अनुसार, ई-रिक्शा पंजीकरण परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन का कार्य है। वहीं नगर पंचायत लोगों को जागरूक करने और अतिक्रमण हटाने का प्रयास कर रही है।

मुख्य बाजार पर अतिक्रमण की चोट

शाही–बहेड़ी मार्ग पर नाले के ऊपर दुकानों का निर्माण कर लिया गया है, जिससे सड़क बेहद संकरी हो गई है। मुख्य बाजार रोजाना जाम की मार झेल रहा है। अतिक्रमण की वजह से कुछ दिन पहले एक ठेला ट्रक की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया और विक्रेता घायल हो गया। नगर पंचायत द्वारा चलाया गया अतिक्रमण अभियान सिर्फ औपचारिकता साबित हुआ, क्योंकि प्रभावशाली लोगों को छुआ तक नहीं गया।

यातायात माह फेल, ई-रिक्शा बेखौफ दौड़ रहे

1 नवंबर से शुरू हुआ यातायात माह खत्म होने को है, लेकिन कस्बे में इसका कोई असर नजर नहीं आता। बाजार रोड, टंकी चौराहा, अस्पताल बाईपास तिराहा, टांडा तिराहा, कांवर रोड समेत जगह-जगह ई-रिक्शा बेधड़क दौड़ रहे हैं। ओवरलोड वाहन भी बेहिचक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

21 दिन पूर्व हादसे में मौत के मामले में रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : आंवला भमोरा रोड पर 21 दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी। जबकि बाइक के पीछे बैठे मृतक के मामा घायल हो गये थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 8319/533सी0(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 13.11.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लोनिवि, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 26.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (Road Work)
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	जनपद पीलीभीत में धर्मार्थ योजनान्तर्गत लिलहर षिवमन्दिर रोड से बिलसण्डा बमरौली तिल्ली करेली मार्ग का चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य।	265.00	6.60	271.60	15.58	2714.00	12 माह	ए0
2	मिघौना मार्ग से ढकवारा सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	56.00	4.20	60.20	5.00	2714.00	06 माह	ए0, बी0 सी0
3	गांव ईटगांव बमरौली मार्ग पर गांव रामपुर अमृत के पास गांव मवैया तक नवनिर्माण कार्य।	142.00	9.00	151.00	9.55	2714.00	09 माह	ए0, बी0

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस0के0जैन)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-241054 दिनांक 21.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

चार माह बाद पुलिस ने दर्ज की ट्रक चोरी की रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र में सड़क किनारे खराब खड़े ट्रक को चार माह पूर्व अज्ञात चोरों द्वारा चोरी हुए ट्रक की रिपोर्ट पुलिस ने रविवार को दर्ज की है। ट्रक 28 जुलाई की सुबहचोरी हुआ था।

मुरारपुर खानपुर (थाना भोजीपुरा) निवासी काशिब खान 28 जुलाई को धौराटांडा से पीलीभीत की ओर माल की तलाश में जा रहे थे। इसी दौरान सुबह धौरेरा के पास ट्रक खराब हो गया। ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर काशिब खान ट्रक के शीशे ऊपर चढ़ाकर मिस्त्री बुलाने के लिए नवाबगंज कस्बे की ओर चले गए। लौटने पर ट्रक गायब था।

राष्ट्रीय यूनिटी मार्च में शामिल होंगे यशवंत

कार्यालय संवाददाता, मीरगंज

यशवंत।

अमृत विचार : वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में राष्ट्रीय पदयात्रा यूनिटी मार्च का आयोजन करमसाद (गुजरात) से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया (गुजरात) तक किया जा रहा है।

इसमें देशभर से युवाओं के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसी क्रम में गांव सिल्लापुर के प्रधान और भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री यशवंत चौधरी का चयन राष्ट्रीय पदयात्रा में प्रतिभाग करेंगे। बरेली से युवामोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री रुद्रा लक्ष्मीकांत अवस्थी, अमित उपाध्याय जिला कोषाध्यक्ष अंकुश राज गुप्ता इस पदयात्रा में प्रतिभाग करेंगे।

सभी जिलों से चयनित युवा 25 नवम्बर तक जयपुर में एकत्रित होंगे और सभी युवा 26 की सुबह तय मार्गों से गुजरात के लिए निकलेगें जो 29 को गुजरात पहुंचेगे।

400 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भमोरा, अमृत विचार : वाहन चेकिंग के दौरान आंवला भमोरा रोड पर पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 400 ग्राम अफीम बरामद हुई है। आंवला- भमोरा मार्ग पर पुलिस ने मुखबिर के इशारे पर बाइक सवार लोगों को रोकने इशारा किया तो वह भागने की कोशिश करने लगे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। एक ने अपना नाम अवनीश निवासी बुधू पुरा थाना विनावर, दूसरे ने ओमेंद्र निवासी भरताना भमोरा हाल निवासी रामनगला थाना आंवला बताया। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया ।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बरेली।
कार्यालय का पता :–विकास भवन, बरेली।
(ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा)

पत्रांक :–2324 /ग्रा0अ0वि0/निविदा/2025–26/दिनांक :– 12.11.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है :–

1. तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण :–

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	ग्राम दियोरनिया में मुख्य मार्ग पर "स्वण बाबूजी कल्याण सिंह लोधी स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
02	बरेली	नगर पचायत फतेहगंज पूर्वी में एनएच–30 पर "भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	21.318	42700.00	2354.00	03 माह
03	बरेली	फरीदपुर साहूकारा मोड़ पर "महाराजा अग्रसेन द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
04	बरेली	ग्राम पहलऊ में भुता मोड़ पर "भगवान महर्षि वाल्मीकि द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
05	बरेली	ग्राम सिसैया में गुरुद्वारे के मुख्य द्वार पर "वीर योद्धा लखीशाह बंजारा स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
06	बरेली	ग्राम पचौमी में मंदिर के पास "पंचेश्वर नाथ महाराज द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
07	बरेली	ग्राम नवादावन में "लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
08	बरेली	ग्राम पढेरा से कादरगंज मार्ग पर "शहीद आलोक पाठक द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
09	बरेली	फरीदपुर–बरेली मुख्य मार्ग पर "महाराणा प्रताप स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
10	बरेली	ग्राम उमेदपुर भुता में उदयपुर मोड़ पर "सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
11	बरेली	एनएच–30 पर स्थित मुखर्जी पेट्रोल पम्प के सामने "भगवान महर्षि कश्यप द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
12	बरेली	ग्राम धीरपुर में मुख्य मार्ग पर "बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
13	बरेली	ग्राम टिसुआ में मुख्य मार्ग पर "सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
14	बरेली	ग्राम पंचायत गंगापुर डभौरा में "संत गाडगे महाराज स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
15	बरेली	फरीदपुर स्टेशन रोड पर "कैप्टन समीर सिंह स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
16	बरेली	ग्राम रजऊ के पास एन0एच0 30 पर "पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	21.390	42800.00	2354.00	03 माह
17	बरेली	ग्राम पऊनगला से बुधौली मार्ग पर "स्वर्गीय देवराज सिंह राजन बाबू स्मृति द्वार का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	10.695	21400.00	854.00	03 माह
18	बरेली	ग्राम बरगवां मार्ग पर "वीरांगना झलकारी बाई स्मृति द्वार" का निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	10.690	21400.00	854.00	03 माह
19	बरेली	ग्राम मझौआ में एक नग बारात घर का निर्माण कार्य। (वि0नि0–रामनगर)	22.800	45600.00	2354.00	03 माह
20	बरेली	ग्राम गनेशपुर में एक नग बारात घर का निर्माण कार्य। (वि0नि0–रामनगर)	22.800	45600.00	2354.00	03 माह
21	बरेली	ग्राम खिरिया गुलेली में एक नग बारात घर का निर्माण कार्य। (वि0नि0–रामनगर)	22.800	21400.00	2354.00	03 माह

2ण आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 25.11.2025
3ण आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 24.12.2025 मध्याहन 12ण00 वजे तक
4ण आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 24.12.2025, अपरान्ह 12ण30 वजे तक
5ण अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।
अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।
नोट :–क्रमांक–01 से क्रमांक–18 तक की निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–बरेली।

UP-241073 दिनांक 21.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 8322/7निविदा(सी0डी0–2)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 13.11.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लोनिवि, बरेली के के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 26.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (Road Work)
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	जनपद बदायूँ में हरगनपुर से पीतम नगर प्रीतम नगला मार्ग नव निर्माण कार्य।	111.00	6.80	117.80	7.90	2714.00	12 माह	ए0, बी0
2	जनपद बदायूँ में घौंसपुर से ब्योर तक मार्ग का नव निर्माण कार्य।	86.80	5.00	91.80	6.60	2714.00	06 माह	ए0, बी0
3	जनपद बदायूँ में ग्राम बरातेगदार से रजलामई तक मार्ग का नव निर्माण कार्य।	122.00	8.40	130.40	8.55	2714.00	12 माह	ए0, बी0

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-241053 दिनांक 21.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5784/ई–टेण्डर/25–26 दिनांक 07.11.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12..2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत (लाख रू0) कुल अनुमानित लागत	निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भिटौरा शेरगढ़ बहेडी मार्ग (प्र0जि0मार्ग) के कि0मी0 19, 20, 21 ,22, 23, 26, 27 व 28 में थर्मोप्लास्टिक पेन्ट का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	11.50	1.15	856.00	एक माह	ए (रोड साईनेज कार्य)
2	भिटौरा बहेड़ी(प्र0जि0मार्ग) के कि0मी0 29 से 42(400) तक में थर्मोप्लास्टिक पेन्ट का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	19.90	1.99	944.00	एक माह	ए (रोड साईनेज कार्य)
3	बल्लिया शीशगढ़ बहेड़ी रूद्रपुर मार्ग (प्र0जि0मार्ग) के कि0मी0 40 से 47(600) तक में थर्मोप्लास्टिक पेन्ट का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	11.75	1.18	856.00	एक माह	ए (रोड साईनेज कार्य)
4	नबावगंज बीजामऊ कटैया कैमुआ मार्ग के केसरपुर (मटकापुर तक) मार्ग (अ0जि0 मार्ग) 19(700), 20, 21, 22, 23(300), 24 तक में थर्मोप्लास्टिक पेन्ट का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	9.27	0.93	856.00	एक माह	ए (रोड साईनेज कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली

UP-241093 दिनांक 21.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आसमान से गिरी बर्फ की सिल्ली

बिल्सी, अमृत विचार : साफ मौसम में अचानक ईंट भट्ठा पर आसमान से बर्फ की सिल्ली गिरने से अफरा तफरी मच गई। वहां पर काम करने वाले मजदूर और उनका परिवार बाल बाल बच गया। बर्फ गिरने की सूचना पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। जानकारी होने पर एसडीएम ने भी जांच के लिए मौके पर पुलिस को भेज दिया। नगर के मोहल्ला संख्या आठ स्थित एक ईंट भट्ठे पर रविवार सुबह अचानक आसमान से एक बर्फ की सिल्ली आकर जमीन पर गिरी। हादसे के दौरान वहां काम कर रहा मजदूर और उसका परिवार बाल-बाल बच गया। तहसील क्षेत्र के गांव दिधौनी निवासी वीर सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ सुबह करीब नौ बजे ईंट मिट्टी से कच्ची ईंट बनाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाके के साथ बर्फ की एक बड़ी सिल्ली उनके पास आकर गिरी। सिल्ली गिरते ही आसपास काम कर रही नंदनी, सोमेंद्र, काजल, पूनम और संगीता घबरा गईं। गनीमत रही कि इस हादसा में किसी के चोट नहीं लगी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए।

स्टुडेंट ऑफ द ईयर वालीबॉल प्रतियोगिता शुरू

ट्राफी और मेडल पहने विजेता टीम के साथ मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : रविवार को खान स्टेडियम में स्टुडेंट ऑफ द ईयर बॉलीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ हाजी अफशन खान ने फीता काटकर किया।

जिसमें 5 टीमों ने भाग लिया। फाईनल मैच गुरप्रीत सिंह की टीम किंग्स पंजाब एवं असद खान की टीम जीएनए मिलक के बीच खेला गया। इसमें गुरुप्रीत सिंह की टीम किंग्स पंजाब ने 21-20 से मुकाबला जीता। विजेता टीम को हाजी अफशन खान ने 2100 और अन्य टीम को 1100 रु. की नगद धनराशि देकर सम्मानित किया। मोहल्ला खानपुरा के सभासद फराज बेग और अरशद खान उर्फ वसीम ने जीतने वाली टीम को 1000 और रनर अप टीम को 500 रू० देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का संचालन नसीमुल हसन खां, खुर्रम, सोहेल खान, रिहान ने किया। रैफरी शोभित पंडित एवं रिहान रहे।

धमाका सुन तेंदुए ने लगाई छलांग, कुएं में गिरा

खुटार, अमृत विचार : खुटार के सौफरी गांव में रविवार सुबह गन्ने की छिलाई के दौरान खेत में बैठा तेंदुआ दहाड़ मारकर किसानों पर हमलावर हो गया। किसानों ने गंधक पोटाश के मिश्रण का धमाका किया तो तेंदुआ छलांग लगाते हुए भागा, लेकिन कुंए में गिर गया। कुंए में गिरे तेंदुआ को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची खुटार पुलिस और वन विभाग की टीम ने लोगों की मदद से जाल के माध्यम से तेंदुआ को कुंए से बाहर निकाला और मैलानी वन रेंज कार्यालय भेज दिया।

सड़क पर नाले का पानी भरने से परेशानी

संवाददाता, आंवला

गांव के पैदल राहगीरों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

अमृत विचार : टांडा से पडुआ गांव के सडक मार्ग पर नाले का पानी बहने से सडक टूट रही है। जलभराव से राहगीरों का निकलना दूभर हो रहा है।

स्थानीय निवासी हरेंद्र वर्मा, श्याम बिहारी, प्रेमपाल, सोनू वर्मा, वरुण, मुकेश राजपूत, लालाराम, योगेश, राजू, हेमराज, रोशन लाल आदि लोगों ने बताया कि टांडा होकर पडूआ, देवपुर, बदायूं के गांव असिर्स, बरखिन आदि गांव के लोगों का आवागमन है। टांडा गांव के समीप सड़क के ऊपर से गांव के नाले का पानी काफी समय से बह रहा है। जिससे सडक पर हर समय जलभराव रहता है। इस से बाइक सवारों और पैदल आने जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पडता है। जलभराव से स्कूली बच्चे ज्यादा परेशान हैं कई जगहों पर वे गिरकर घायल हो चुकेहैं।

तमाम गांवों के ग्रामीण इस मार्ग से गुजरते हैं और वह इस समस्या से परेशान है। हर रोज दो तीन आदमी इस पानी में गिरकर चोटिल होते हैं। स्कूली बच्चे तो हर रोज इसी गंदे पानी से होकर गुजरते हैं लेकिन किसी जिम्मेदार ने इस समस्या से निजात दिलाने का प्रयास नहीं किया है। ग्रामीणों में इस बात का रोष है।

गांव निवासी भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि गांव के नाले का पानी सडक किनारे की खाइयों के रास्ते आगे जाता था। कुछ किसानों ने सडक किनारे की खाइयों को पाटकर अपने खेतों में मिला लिया है। जिससे पानी आगे नहीं जा पा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 कार्यक्रम में जनपद-बाराबंकी

प्रगति की ओर अग्रसर

अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उद्‌देश्यः—

- समुदाय को स्वच्छता सुविधाओं के प्रति उनके उत्तरदायित्व को ग्रहण कराते हुए जागरूक बनाना तथा उसका व्यवस्थित रखरखाव कराना।
- सभी परिवारों का शौचालय निर्माण कराना एवं परिवार के सभी सदस्यों द्वारा शौचालय का प्रयोग कराना तथा खुले में शौच की प्रथा को समाप्त कराना।
- सभी विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर शौचालयों एवं मूत्रालयों में हाथ धोने की सुविधायें उपलब्ध कराना।
- अस्वच्छ वातावरण एवं गंदे पानी से होने वाले रोगों की रोकथाम कर नियन्त्रित कराना।
- ग्रामीण समुदाय के जीवन स्तर/शैली में गुणात्मक सुधार लाना।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वितीय फेज के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में स्वच्छता से सम्बन्धित कूड़ा—करकट निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

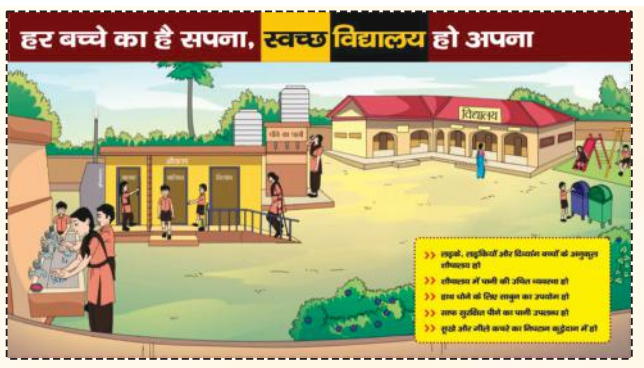

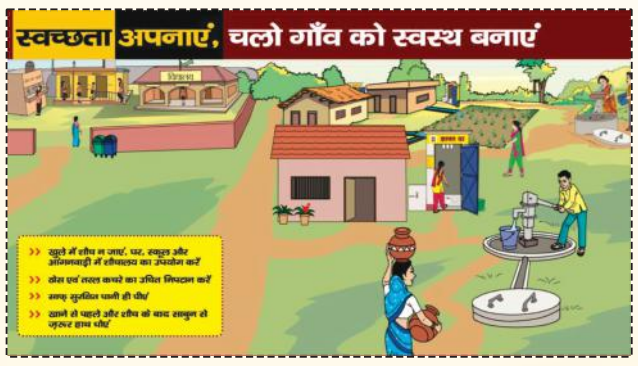

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत जनपद की उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2022–23 में 5000 से अधिक जनसंख्या वाली 77 ग्राम पंचायतों में कूड़ा–करकट के निस्तारण हेतु आर0आर0सी0 सेन्टरों का निर्माण पूर्ण कराकर ग्राम पंचायतों द्वारा कूड़े का एकत्रीकरण करते हुए सूखा कूड़े कूड़ा और गीले कूड़े को पृथक–पृथक करते हुए कूड़े के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में ग्रे–वाटर के प्रबन्धन हेतु सोकपिट, लीचपिट, फिल्टर चेम्बर एवं सिल्ट कैचर का निर्माण कराया गया है। साथ ही साथ ग्राम पंचायतों में डब्ल्यू0एस0पी0 का निर्माण कराकर ग्राम पंचायतों में घरों से निकलने वाले दूषित जल को स्वच्छ जल के रूप में परिवर्तित कर कृषि कार्य हेतु उपयोग में लाया जा रहा है, इसके साथ ही साथ ग्राम पंचायतों में सामुदायिक घूर गड्ढ़े एवं खाद गड्ढ़े व नाडेफ का निर्माण कराकर सड़ने गलने वाले कूड़े एवं गोबर से खाद बनाकर ग्राम पंचायतों की स्वयं की आय में वृद्धि का कार्य किया जा रहा है।

मेरा कूड़ा, मेरी जिम्मेदारी।

बाराबंकी ने यह ठाना है, खुले में शौच न जाना है।

जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेन्ट कमेटी/जिला स्वच्छता समिति, बाराबंकी

(नीतेश भोंडेले)
सदस्य सचिव
जिला पंचायतराज अधिकारी
बाराबंकी

(अन्ना सुदन)
उपाध्यक्ष
मुख्य विकास अधिकारी
बाराबंकी

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

(शशांक त्रिपाठी)
अध्यक्ष
जिलाधिकारी
बाराबंकी

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 24 नवंबर, 2025

राज्यपाल बिल को अनिश्चितकाल तक रोक नहीं सकते, बस समय में ढील संभव

न्यायमूर्ति गवई बोले-समयसीमा की व्यवस्था समाप्त करने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय संतुलित फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने रविवार को कहा कि विधेयकों की मंजूरी के वास्ते राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा की व्यवस्था को समाप्त करने का उच्चतम न्यायालय का निर्णय एक संतुलित फैसला है, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता, लेकिन राज्यपाल भी विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोककर नहीं रख सकते।

अपने सरकारी आवास पर मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि संविधान शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत पर आधारित है और जहां समय-सीमा का उल्लेख नहीं है, वहां अदालत अपने स्तर पर समय-सीमा तय नहीं कर सकती। न्यायमूर्ति 23 नवंबर (रविवार) को सेवानिवृत हो रहे हैं, जबकि शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में उनका आखिरी कार्यदिवस था।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हमने न केवल समयसीमा हटाई है, बल्कि यह कहकर इसे संतुलित भी किया है कि राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते। विधेयकों पर राज्यपालों की मंजूरी को लेकर समयसीमा हटाये जाने को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा कि संविधान अदालत को उस स्थिति में समयसीमा तय करने की अनुमति नहीं देता जहां कोई समयसीमा मौजूद है ही नहीं, लेकिन हमने कहा है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक पर निर्णय नहीं टाल सकते। अत्यधिक विलंब की स्थिति में न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है।

राष्ट्रपति द्वारा इस विषय पर परामर्श मांगे जाने पर, प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अपनी सर्वसम्मति वाली राय में 20 नवंबर को कहा था कि राज्यपालों द्वारा अनिश्चितकालीन विलंब की सीमित न्यायिक समीक्षा का विकल्प खुला रहेगा।

ये सोच गलत कि सरकार के खिलाफ फैसला देने पर ही न्यायाधीश स्वतंत्र होता है : गवई

नई दिल्ली, एजेंसी : निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को इस आम धारणा को गलत बताकर खारिज कर दिया कि न्यायाधीश को तब तक स्वतंत्र नहीं माना जा सकता, जब तक वह सरकार के खिलाफ फैसला न सुनाए। कार्यकाल के अंतिम दिन अपने आधिकारिक आवास पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, जब तक आप सरकार के खिलाफ फैसला नहीं करते, आप स्वतंत्र न्यायाधीश नहीं हैं... यह सही नहीं है। आप यह तय नहीं करते कि मुकदमा दायर करने वाली सरकार है या आम नागरिक। आप सामने मौजूद दस्तावेजों के हिसाब से फैसला करते हैं। आज के समय में, किसी न्यायाधीश को स्वतंत्र तभी कहा जाता है, जब फैसला सरकार के खिलाफ दिया गया हो। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में अवसंरचना के विकास के लिए हमें सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे पास पैसे की शक्ति नहीं है। इसलिए, कभी-कभी टकराव हो सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि लगातार टकराव की जरूरत है, इससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। केंद्र के सहयोग का जिक्र करते हुए गवई ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान सरकार ने कॉलेजियम की ओर से सुझाए गए सभी नामों को मंजूरी दी। विभिन्न उच्च न्यायालयों में लगभग 107 न्यायाधीश नियुक्त किए गए। मैंने बंबई उच्च न्यायालय को 14 और मध्य प्रदेश को 12 न्यायाधीश दिए।" न्यायमूर्ति गवई ने यह भी कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालयों के 12 मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की और यह सुनिश्चित किया कि बंबई उच्च न्यायालय को 45-50 साल के युवा न्यायाधीश मिलें, "जो ज्यादा समय तक काम कर पाएं।" प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर दो दशक से अधिक समय तक उन पर किसी भी सरकार का दबाव नहीं रहा। वायु प्रदूषण को लेकर अदालत के आदेशों के कम से कम असर पर उन्होंने कहा कि राज्य और उसके प्राधिकारियों को इस समस्या से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान ढूंढने होंगे। उन्होंने पटाखों पर प्रतिबंध जैसे अदालती आदेशों को ठीक ढंग से लागू न करने का भी जिक्र किया।

एससी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने का समर्थन

नई दिल्ली। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया, अनुसूचित जाति (एससी) कोटा से संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया और शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया। 52वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संस्था को पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ छोड़ रहे हैं तथा सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने का संकल्प दोहराया। वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा केजी बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। गवई ने कहा, मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा।

बनी रहनी चाहिए कॉलेजियम प्रणाली

न्यायमूर्ति गवई ने यशवंत वर्मा मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह मुद्दा फिलहाल संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है। न्यायमूर्ति वर्मा मार्च में राष्ट्रीय राजधानी स्थित अपने आवास पर आग लगने की घटना के बाद विवादों में आ गए थे। उस समय वह दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। आग लगने की घटना के बाद उनके आवास से नकदी से भरी कई जली हुई बोरियां कथित तौर पर बरामद हुई थीं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए यह महत्वपूर्ण है और इसे सुनिश्चित करने के लिए न्यायाधीशों द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली बनी रहनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

यौन उपचार कराने में इंजीनियर ने गंवाए 48 लाख रुपये

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने झोलाछाप डॉक्टर से यौन उपचार कराने में कथित तौर पर 48 लाख रुपये गंवा दिए और संभवतः दवा के कारण उसकी किडनी को भी नुकसान पहुंचा। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शिवमोग्गा निवासी एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की शिकायत के आधार पर, शनिवार को ज्ञानभारती पुलिस थाने में एक झोलाछाप डॉक्टर और एक मेडिकल स्टोर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वे मामले के संबंध में आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने शुरुआत में यौन स्वास्थ्य समस्याओं के लिए केंगेरी के एक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में परामर्श लिया था, लेकिन तीन मई को उसने शहर में एक तंबू देखा, जहां एक विज्ञापन लगा था, जिसमें यौन समस्याओं का त्वरित इलाज करने का दावा किया गया था। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित सॉफ्टवेयर इंजीनियर वहां गया और विजय गुरुजी नामक एक व्यक्ति से मिला, जिसने आयुर्वेदिक उपचार के माध्यम से उसकी समस्या का स्थायी समाधान करने का आश्वासन दिया। विजय गुरुजी ने कथित तौर पर उसे देवराज बूटी नामक एक काढ़ा दिया, जिसके बारे में उसने दावा किया कि यह हरिद्वार से लाया गया है और यशवंतपुर की एक आयुर्वेदिक दुकान पर उपलब्ध है।

झारखंड में पैंगोलिन के शल्क, बंदूक बरामद

लातेहार। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) और पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) की एक संयुक्त टीम ने झारखंड के लातेहार में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ अभियान के दौरान एक महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया। अभियान के तहत टीम ने पिछले दो दिनों में महुआडांड़ और गारू थाना क्षेत्रों में छापेमारी की। पीटीआर के उपनिदेशक प्रजेश कांत जेना ने कहा कि हमने तीन देसी बंदूक, पैंगोलिन के 4.3 किलो शल्क, वन्यजीवों की हड्डियों का चूर्ण और मोर के पैर जब्त किए हैं।

पंजाब की सीमा पर ड्रोन, हेरोइन बरामद

जालंधर। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक ड्रोन और हेरोइन बरामद की। बीएसएफ के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि खुफिया जानकारी पर आधारित एक ऑपरेशन में जवानों ने गांव- खेमकरण तरनतारन के पास खेत में छिपाकर रखा गया एक ड्रोन डीजेआई माविक 3 क्लासिक बरामद किया। एक और ऑपरेशन बीएसएफ इंटेलिजेंस विंग की खास जानकारी के आधार पर सतर्क जवानों ने शनिवार को अमृतसर के मोड़ गांव के इलाके से हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया।

शराब और डीएमएफ घोटालों की जांच के तहत 19 जगहों पर छापेमारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा ने रविवार को पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सामने आए शराब और जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) घोटालों के संबंध में 19 स्थानों पर तलाशी ली। एसीबी/ईओडब्ल्यू के अधिकारी ने बताया कि शराब घोटाला मामले में आठ जगहों पर तलाशी ली गई, जिनमें बिलासपुर जिले में चार, रायपुर में दो और दुर्ग व बस्तर में एक-एक जगह शामिल है।

उन्होंने बताया कि ये परिसर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों अनिल टुटेजा और निरंजन दास के रिश्तेदारों से जुड़े हैं, जिन्हें शराब घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।

जल उत्सव

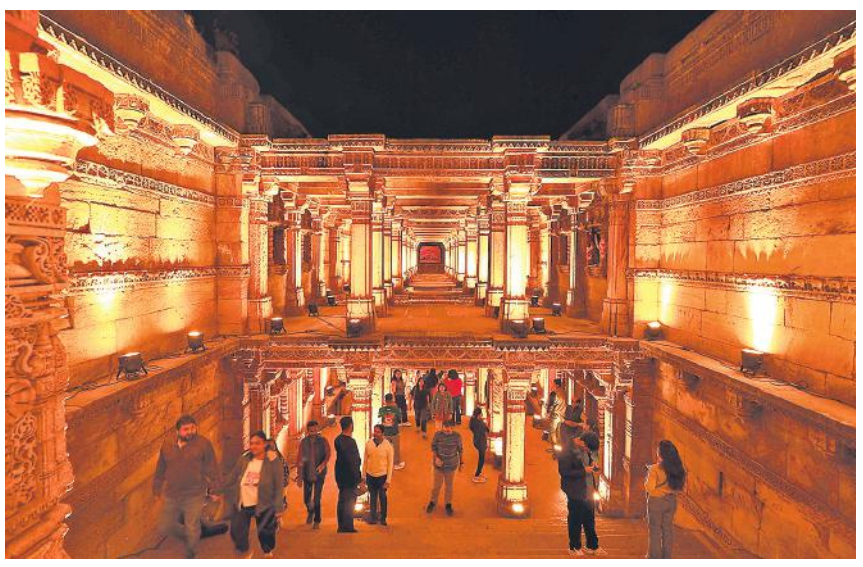

गुजरात के गांधीनगर जिले में रविवार को विश्व धरोहर सप्ताह के तहत जल महोत्सव के दौरान रोशनी से जगमगाते अडालज बावड़ी को देखने लोग। ● अमृत विचार

एक दिन भारत में शामिल हो सकता है सिंध : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

● सिंधी समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोले रक्षामंत्री

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विभाजन के बावजूद सिंध के भारत के साथ सभ्यतागत संबंध को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के शब्दों को याद करते हुए रविवार को कहा कि सीमाएं बदल सकती हैं और सिंध फिर भारत में शामिल हो सकता है। रक्षामंत्री ने सिंधी समुदाय द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आडवाणी जी ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि सिंधी हिंदू, विशेषकर उनकी पीढ़ी के लोग, अब भी सिंध को भारत से अलग करने की बात को स्वीकार नहीं कर पाए हैं।

पाकिस्तान का निर्माण 1947 में तत्कालीन भारत के विभाजन के परिणामस्वरूप हुआ था, और सिंधु नदी के पास का सिंध क्षेत्र तब से पाकिस्तान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि केवल सिंध में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में हिंदू सिंधु नदी को पवित्र मानते थे। सिंध में कई मुसलमान भी मानते थे कि सिंधु नदी का पानी मक्का के आब-ए-जमजम (सबसे पवित्र जल) से कम पवित्र नहीं है। सिंह ने कहा कि यह आडवाणी जी का कथन है। आज सिंध की भूमि भले भारत का हिस्सा नहीं है, लेकिन सभ्यता की दृष्टि से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा।

जहां तक भूमि का प्रश्न है, सीमाएं बदल सकती हैं। कौन जानता है, कल सिंध भारत में वापस आ जाए। सिंध के हमारे लोग, जो सिंधु नदी को पवित्र मानते हैं, हमेशा हमारे अपने रहेंगे। चाहे वे कहीं भी रहें, वे हमेशा हमारे ही रहेंगे। सिंह ने हालांकि उस पुस्तक का नाम नहीं बताया, जिसका वह उल्लेख कर रहे थे। देश के उपप्रधानमंत्री रहे आडवाणी ने 2017 में दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था, मेरा मानना है कि सिंध के बिना भारत अधूरा लगता है।

समुदाय की पहचान से जुड़ा है सिंध प्रांत

आडवाणी का जन्म आठ नवंबर 1927 को सिंध प्रांत (अब पाकिस्तान में) की राजधानी कराची में हुआ था। आडवाणी ने इस बात पर दुख जताया था कि उनका जन्मस्थान अब भारत का हिस्सा नहीं है। राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि विभाजन के बाद सिंधु नदी का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान में चला गया और पूरा सिंध प्रांत पाकिस्तान में है। रक्षा मंत्री ने कहा कि लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं है कि हमारे लिए सिंधु, सिंध और सिंधी का महत्व कम हो गया है। इसका आज भी उतना ही महत्व है जितना हजारों साल पहले था। उन्होंने कहा कि सिंध शब्द भारत और सिंधी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा है।

कोयला माफिया पर कार्रवाई में 14 करोड़ नकदी और आभूषण मिले

कोलकाता, एजेंसी

● एजेंसी ने जमीन बिक्री-खरीद के पेपर और डिजिटल डिवाइस को भी किया जब्त

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पश्चिम बंगाल और झारखंड में कोयला माफिया के खिलाफ कार्रवाई में 14 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और आभूषण मिले हैं।

ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां कोयला तस्करी से जुड़ी हैं। एजेंसी ने जमीन की बिक्री, खरीद के एग्रीमेंट पेपर्स और कई डिजिटल डिवाइस तथा इन धंधों के प्रमोटरों द्वारा नियंत्रित की जाने वाली इकाई के खाते भी जब्त किए। कोयले के बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत शुक्रवार को दोनों राज्यों में 44 जगहों पर छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए। अधिकारी ने दावा किया कि झारखंड के धनबाद और दुमका में 20 जगहें मुख्य रूप से लाल बहादुर सिंह, अनिल गोयल, संजय खेमका, अमर मंडल, उनकी कंपनियों/इकाइयों और उनसे जुड़े लोगों से जुड़ी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता में 24 जगहें छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए। पश्चिम बंगाल में नरेंद्र खरका, कृष्ण मुरारी कयाल, युधिष्ठिर घोष, राज किशोर यादव, लोकेश सिंह, चिन्मय मंडल, नीरद बरन मंडल और दूसरों से जुड़े अलग-अलग आवासीय जगहों, कार्यालयों, गैर-कानूनी टोल कलेक्शन बूथ और कोक प्लांट में तलाशी ली गई।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ ईडी के 100 से अधिक अधिकारी तलाशी में शामिल थे। ईडी की जांच पश्चिम बंगाल और झारखंड पुलिस द्वारा गैर-कानूनी कोयला तस्करी के मामले में दर्ज कई प्राथमिकी पर आधारित है, जो मुख्य रूप से दोनों राज्यों के बीच चल रही है।

शीतकालीन सत्र में नहीं लाएंगे चंडीगढ़ विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उपजे राजनीतिक विवाद को देखते हुए लिया निर्णय

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। इसका उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना नहीं है।

लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में एक दिसंबर से शुरू होने वाले सत्र के लिए 10 विधेयकों की अनंतिम सूची में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2025 को शामिल किए जाने के एक दिन बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया। चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने संबंधी प्रस्ताव वाले इस विधेयक पर पंजाब के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है। मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा।

कानून बनाने की अनुमति का नेताओं ने किया विरोध

चंडीगढ़। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता हरसिमरत कौर बादल और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने उस संविधान संशोधन विधेयक का रविवार को विरोध किया, जिसमें राष्ट्रपति को चंडीगढ़ के लिए सीधे नियम-कानून बनाने का अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में सत्ताधारी आप, कांग्रेस और शिअद ने भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सरकार पर चंडीगढ़ को पंजाब से छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने इसे पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला करार दिया। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, केंद्र सरकार चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। संघीय ढांचे की धज्जियां उड़ाकर पंजाबियों के हक छीनने की यह मानसिकता बेहद खतरनाक है। शिअद सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने दावा किया कि इस कदम से पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार खो देगा। उन्होंने कहा, शिरोमणि अकाली दल इस शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे विधेयक का कड़ा विरोध करता है। इस संशोधन से चंडीगढ़ एक राज्य बन जाएगा और पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार पूरी तरह से खो देगा।

दिल्ली प्रदूषण : प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर किया पेपर स्प्रे

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण के विरोध में इंडिया गेट पर प्रदर्शन कर रहे कुछ प्रदर्शनकारियों ने रविवार को आंदोलनस्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर कथित रूप से काली मिर्च का छिड़काव (पेपर स्प्रे) किया। अधिकारियों ने बताया कि पेपर स्प्रे एक गैर-घातक रसायन है, जिसका उपयोग आत्मरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए किया जाता है। इससे आंखों और श्वसन प्रणाली में तीव्र जलन होती है।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना में तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए और उनका राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी इंडिया गेट के पास इकट्ठा हुए थे और दिल्ली की बेहद खराब वायु गुणवत्ता को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे थे। बाद में पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारी सी-हेक्सागन में घुस गए और अवरोधक पार करने की कोशिश की।

अमेरिका का वीजा न मिलने पर महिला डॉक्टर ने जान दी

अमरावती/हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की रहने वाली 38-वर्षीय एक महिला चिकित्सक ने अमेरिका का वीजा नहीं मिलने से अवसाद में आकर हैदराबाद स्थित अपने फ्लैट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार को उस वक्त सामने आई जब शहर के दूसरे इलाके में रहने वाले उसके परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खटखटाने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर दरवाजा तोड़ा और उसे मृत पाया।

पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान रोहिणी के तौर पर की गई है और जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो उसकी घरेलू सहायिका ने ही उसके परिवार को इसकी सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। अधिकारी ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि संदेह है कि रोहिणी ने शुक्रवार रात नींद की गोलियां खा ली या खुद को इंजेक्शन लगा लिया। उन्होंने बताया कि मौत का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। अधिकारी ने बताया कि घर से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा है कि वह अवसाद में थी और इसमें वीजा आवेदन खारिज होने का भी जिक्र है।

● आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की रहने वाली थी चिकित्सक

नया आतंकवाद | अधिकारियों ने आतंकवाद में आए बदलाव पर जताई गहरी चिंता

छह वर्ष से बनाए जा रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी

● उच्च शिक्षित पेशेवरों को डिजिटल माध्यमों से देश के बाहर बैठे आतंकवादी कर रहे तैयार

लाल किले के पास 10 नवंबर को चलती कार में हुए बम विस्फोट के साथ सामने आए 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉक्टरों का कट्टरपंथ की ओर झुकाव 2019 से ही सोशल मीडिया के जरिये शुरू हो गया था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच से सीमा पार आतंकवाद की रणनीति में ऐसे बदलाव का संकेत मिला है, जो काफी चिंताजनक है। इस रणनीति के तहत पाकिस्तान और दुनिया के अन्य हिस्सों में बैठे आतंकी आकाओं द्वारा उच्च शिक्षित पेशेवरों को पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों का सहारा लेकर आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों (डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर-उन-नबी) को शुरू में सीमा पार के आकाओं ने फेसबुक और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय पाया था। ऐसे लोगों को टेलीग्राम पर निजी ग्रुप में जोड़ा गया और यहीं से उन्हें बरगलाना शुरू किया गया। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने हमलों को अंजाम देने के लिए संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बनाने का तरीका सीखने के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल किया। विश्लेषण किए गए डिजिटल फुटप्रिंट से पता चला कि इनके मुख्य संचालक उकासा, फैजान और हाशमी हैं। ये तीनों भारत के बाहर से अपनी गतिविधियां चला रहे थे और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़ी जानकारियों में अक्सर इनके नाम सामने आते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे संघर्ष क्षेत्रों में आतंकवादी समूहों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन बाद में उनके आकाओं ने उन्हें भारत में रहने और भीतरी इलाकों में विस्फोट करने को कहा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ इस सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। 2018 के बाद से, सोशल मीडिया पर कट्टरपंथ फैलाने के तरीके में आतंकवादी समूहों द्वारा रणनीतिक बदलाव देखा गया है।

पुलिस से मौलवी ने कहा- डॉक्टरों से किराया दिलाओ

नई दिल्ली/श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए हरियाणा के मौलवी का ध्यान गिरफ्तार डॉक्टरों द्वारा बकाया किराए पर केंद्रित है। हरियाणा के मेवात के मौलवी इश्तियाक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद के अल फलाह विवि के बाहर स्थित उनके किराए के आवास से अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम क्लोरेट और सल्फर सहित 2,500 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद होने के बाद हिरासत में लिया था। विवि से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई ने इश्तियाक का नाम बताया था। अधिकारियों के अनुसार, इश्तियाक ने दावा किया कि गनई और उमर ने उससे संपर्क किया तथा उसे घर पर उर्वरक जैसी चीजें रखने को कहा था, जिसके एवज में 2500 रुपये मासिक किराया देने का वादा किया गया था। इश्तियाक को स्थिति की गंभीरता की चिंता नहीं थी तथा उसकी चिंता गनई और उमर द्वारा छह महीनों से नहीं दिए किराये को लेकर थी।

अल-फलाह विवि से जुड़े मदनी के बयान पर विवाद भाजपा बोली- आतंकी बचाओ जमात हुई सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी

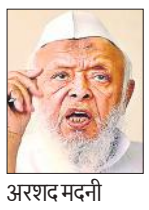

अरशद मदनी

शहजाद पूनावाला

दिल्ली विस्फोट मामले से जुड़े अल फलाह विवि का जिक्र करके मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाने से संबंधित जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के प्रमुख अरशद मदनी के बयान पर विवाद पैदा हो गया है। भाजपा ने मदनी पर कहा कि आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है।

मदनी ने दावा किया कि जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क का मेयर जबकि एक खान लंदन का मेयर चुना जा सकता है, लेकिन भारत में कोई मुसलमान विवि का कुलपति नहीं बन सकता। उन्होंने शनिवार को जमीयत मुख्यालय में एक पत्र में कहा, दुनिया सोचती है कि मुसलमान अपाहिज और खत्म हो गए हैं। मैं ऐसा नहीं मानता। आज, एक मुसलमान ममदानी, न्यूयॉर्क का मेयर बन सकता है, एक खान लंदन का मेयर बन सकता है, जबकि भारत में, कोई भी विवि का कुलपति नहीं बन सकता। और अगर कोई ऐसा करता है, तो उसे जेल भेज दिया जाएगा, जैसे आजम खान।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि वोट बैंक के नाम पर, तुष्टिकरण के भाईजान और आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है। अरशद मदनी, मेयर की बात छोड़िए, इस देश ने मुसलमानों को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश, गृह मंत्री बनते देखा है। सबसे बड़े कलाकार और उद्योगपति भी मुस्लिम रहे हैं। जब कोई आतंकी घटना होती है, तो जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता, वे धर्म के आधार पर आतंकियों का साथ देने लगते हैं।

आतंक के चिकित्सक के पीछे चालबाज चिकित्सक

पूनावाला ने कहा, आतंकवाद के चिकित्सक के पीछे आतंकवाद के चालबाज चिकित्सक हैं। और ये चालबाज चिकित्सक सिर्फ अरशद मदनी ही नहीं हैं, बल्कि पी. चिदंबरम जैसे दूसरे लोग भी हैं, जिन्होंने कहा था कि हालात ही आतंकवादी बनाते हैं। हुसैन दलवई ने कहा है कि वे अन्याय के शिकार हुए। इमरान मसूद उन्हें भटके हुए युवा कहते हैं, महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी भी इस्लामोफोबिया कार्ड खेलते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया, जब आतंकी पकड़ा जाता है, तो वे राष्ट्रीय के बजाय वोट बैंक नीति को तरजीह देते हैं और आतंकवाद का बचाव करते हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

खानकाह-ए-नियाजिया : सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास का केंद्र

बरेली की खानकाह-ए-नियाजिया को दुनिया में सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। खानकाह में मुस्लिमों के अलावा हिंदू भी बड़ी संख्या में आते हैं, इस तरह यह खानकाह हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक भी है। यहां किसी से नहीं पूछा जाता है कि आप किस धर्म-जाति के हैं या कहां से आए हैं। दरगाह मोहब्बत, इंसानियत, सुकून और खिदमत का पैगाम देती है। सूफी संगीत से जुड़े तमाम नामचीन फनकारों के खास जुड़ाव ने भी खानकाह को अलग पहचान दी है।

हजरत शाह नियाज अहमद के सिलसिले से वजूद में आई इस खानकाह का इतिहास करीब ढाई सौ साल पुराना है। सिलसिला-ए-नियाजिया किताब में खानकाह के उस शुरुआती दौर का जिक्र किया गया है, जब हजरत शाह नियाज अहमद बरेली आए थे। उस वक्त बरेली में हाफिज रहमत खां हाकिम थे। हजरत शाह नियाज अहमद ने बिहारीपुर में एक मकान किराये पर लिया और करीब की मस्जिद में देहली की तर्ज पर पढ़ाने लगे। बरेली आने से पहले उनकी शोहरत यहां पहुंच चुकी थी। सैकड़ों लोग उनके दर पर हाजिरी देने लगे। वह अवाम की दिक्कतें हल करने लगे। कुछ ही समय में खानकाह से कौम-मिल्लत, जाति-धर्म से अलग मोहब्बत-नेकी का संदेश निकलने लगा। यह कौमी एकता का घर बन गया।

आज जिस जगह हजरत शाह नियाज अहमद की खानकाह है, उसका नाम खोजी मोहल्ला था जो अब बदलकर ख्वाजा कुतुब हो गया है। यहीं उन्होंने खानकाह और मकान बनाया। देश-दुनिया के लोग यहां आने लगे। खानकाह की अहमियत इसलिए भी है, क्योंकि यहां ख्वाजा गरीब नवाज के रूहानी जानशीन हजरत शाह नियाज बेनियाज की दरगाह भी है। खानकाह में हर साल मन्नतों के चिराग रोशन करने की पुरानी परंपरा है। इसमें हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं। जश्न-ए-चिरागा में शामिल होने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं। यहां हर रोज अलग-अलग धर्मों के सैकड़ों अकीदतमंद हाजिरी लगाते हैं। खानकाह के मौजूदा सज्जानशीन हजरत मेहंदी मियां ने पुरानी रवायतों को बरकरार रखा है।

हजरत के कलाम पढ़कर शोहरत की बुलंदियों तक पहुंचे कई फनकार

खानकाह-ए-नियाजिया से तमाम नामचीन फनकार का जुड़ाव है। काफी हर साल यहां हाजिरी लगाने भी आते हैं। खानकाह से बड़े-बड़े संगीतकारों, शायरों और कव्वालों को भी सम्मान हासिल हुआ। शास्त्रीय संगीत में वर्ष 1957 में पद्म भूषण सम्मान पाने वाले रामपुर-सहसवान घराने के उस्ताद मुश्ताक हुसैन खां खानकाह के मुरीद थे। खानकाह के मुरीदों में इसके अलावा उस्ताद राशिद खां, पंडित बिरजू महाराज, सारंगी वादक उस्ताद सुल्तान खां जैसे कई और बड़े फनकारों का नाम शामिल हैं, जिन्हें पद्म भूषण मिल चुका है। तबदला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, विलायत खां, संगीतकारों में एआर रहमान, सलीम सुलेमान, मशहूर शायर वसीम बरेलवी, मुन्नबराना, राहत इंदौरी, कव्वालों में उस्ताद मुराबारक, जाफर बदायूंनी, अजीज नाजा, साबरी ब्रदर्स जायपुर वालों का भी किसी वक्त में खानकाह से जुड़ाव रहा है। हजरत शाह नियाज अहमद की शायरी की कोई मिसाल नहीं है। उन्होंने शायरी के साथ अलग-अलग विषयों पर तमाम किताबें लिखीं। रामपुर निवासी मशहूर कव्वाल शाहिद शमी नियाजी बताते हैं कि गुलाम फरीद साबरी, उस्ताद नुसरत फतेह अली, पाकिस्तानी गायक आबिदा परवीन समेत तमाम फनकारों ने हजरत शाह नियाज अहमद के कलाम पढ़कर शोहरत पाई। लगभग सभी बड़े फनकार यहां अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। शमी नियाजी भी 32 मुल्कों में अपनी कव्वाली का जादू बिखेर चुके हैं। कई फिल्मों में आवाज दे चुके हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। वह भी खानकाह से जुड़े हैं।

शाह नियाज अहमद की गजल

इश्क़ में तेरे कोह-ए-ग़म सर पे लिया जो हो सो हो, ऐश-ओ-निशात-ए-ज़िंदगी छोड़ दिया जो हो सो हो।

अक़्ल के मदरसे से हो इश्क़ के मय-कदा में आ, जाम-ए-फ़ना व बे-ख़ुदी अब तो पिया जो हो सो हो।

लाग की आग लग उठी पम्बा तरह सा जल गया, रख़्त-ए-वजूद जान-ओ-तन कुछ न बचा जो हो सो हो।

हिज्र की सब मुसीबतें अर्ज़ कीं उस के रू-ब-रू, नाज़-ओ-अदा से मुस्कुरा कहने लगा जो हो सो हो।

दुनिया के नेक-ओ-बद से काम हम को 'नियाज़' कुछ नहीं, आप से जो गुज़र गया फिर उसे क्या जो हो सो हो।

जारा वारसी : चमची के किरदार से मिली पहचान अब फिल्मों की ओर बढ़े कदम

बरेली की जारा वारसी मायानगरी मुंबई में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रही हैं। एंड टीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में उनके चमची के किरदार उन्हें मशहूर बनाया जिसके बाद उन्होंने यशराज फिल्म्स बैनर की मंडला मर्डर्स वेब सीरीज में भी अपने काम का लोहा मनवाया। टेलीविजन से अब वह बॉलीवुड की ओर कदम बढ़ा रही हैं। जल्द वह एक फिल्म में नजर आएंगी।

डेलापीर इलाके में रहने वाले जारा के पिता बिट्टन अली एक पेट्रोल पंप के मैनेजर हैं। उनके चार बच्चों में जारा सबसे छोटी हैं। बिट्टन अली के अनुसार जारा को पांच साल की उम्र से ही डांस का शौक था। शहर के रोटरी क्लब दशहरा मेले समेत कई मंचों पर डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही हैं। बेस्ट डांसर के कई अवार्ड भी जीते हैं। लैला ओ लैला..गाने पर उनका डांस अब भी यादगार है। फ्यूचर कॉलेज में हुए एक कार्यक्रम में जारा के इसी गाने पर डांस के दौरान कॉमेडी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में हप्पू सिंह दरोगा का किरदार निभाने वाले योगेश त्रिपाठी ने जारा की तारीफ की थी। जारा की कक्षा तीन तक की पढ़ाई हार्टमन स्कूल में हुई। उसी वक्त 'यूपी के सुपरस्टार की तलाश' चल रही थी। जारा ने पिता के साथ लखनऊ में ऑडिशन दिया। जज की भूमिका में अभिनेता योगेश त्रिपाठी थे, जिनसे उन्हें पहले ही शाबासी मिल चुकी थी। दूसरे जज 'भाभी जी घर पर हैं' में टिल्लू का किरदार निभाने वाले सलीम जैदी थे। ऑडिशन के दौरान जारा ने लैला ओ लैला गाने पर डांस किया तो वहां भी छा गईं। इसके बाद एक्टिंग का भी ऑडिशन दिया और सलेक्शन होने के साथ उन्हें हप्पू की उलटन पलटन में चमची का रोल मिल गया। जारा ने चमची के किरदार में ऐसी जान डाली कि दर्शकों के दिल में उतर गईं। बिट्टन अली के मुताबिक जारा इस वक्त वह मुंबई में अपनी मौसी के साथ रहती हैं जहां अदाकारी के साथ कक्षा नौ में पढ़ भी रही हैं। फोन पर हुई बातचीत में जारा ने बताया कि यहां तक पहुंचने का सफर कोई आसान नहीं है, तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए सबसे अच्छी बात है कि मुझे परिवार का पूरा सपोर्ट मिला। जारा ने बताया, सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक उनका स्कूल होता है। घर आने के बाद शाम को शूटिंग का शेड्यूल रहता है। शूटिंग पर जाते हुए किताबें साथ ले जाती हैं, जब भी मौका मिलता है तो पढ़ाई करती हैं। जारा ने बताया, जल्द वहएक फिल्म में आ रही हैं। दो बड़े विज्ञापन भी कर रही हैं। कुछ और बड़े प्रोजेक्ट हैं, उनसे जुड़ी हैं।

शाहरुख की मां चाहती थीं दिलीप कुमार की तरह सफल हो बेटा

खानकाह-ए-नियाजिया के खानवादा मो. रजा राजी नियाजी कहते हैं कि खानकाह में इंसानियत की भलाई के लिए काम किया जाता है। यहां के बुजुर्ग खुले विचारों के हैं। जर्मन, कनाडा, अमेरिका समेत तमाम देशों के नुमाइंदे यहां आते रहते हैं। देश-दुनिया के लोगों का यहां से जुड़ाव है। इनमें फिल्मी हस्तियां और बड़े फनकार भी शामिल हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मां भी यहां की मुरीद थीं। वह चाहती थीं कि उनका बेटा दिलीप कुमार की तरह सफल हो और बड़े मुकाम पर पहुंचे।

पारस अरोड़ा : पायलट बनना चाहते थे पर उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में

■ बरेली के जो लोग टेलीविजन और फिल्मों में चमके, उनमें एक नाम पारस अरोड़ा का भी है। पारस ने होश संभालने के बाद पायलट बनना चाहा था लेकिन उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में। अब वे टेलीविजन के कामयाब चेहरों में शामिल हैं और फिल्मों में एक ऐसी भूमिका की तलाश में हैं जो बॉलीवुड में भी उन्हें पहचान दिला दे।

पारस का जन्म 10 जनवरी 1994 को एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शहर के हांडा पब्लिक स्कूल में ग्रहण की, स्कूल से निकलकर वह कॉलेज भी नहीं पहुंचे कि 2006 में टीवी धारावाहिक 'रावण' में उन्हें युवा राम की भूमिका के साथ ब्रेक मिल गया। इस भूमिका ने उनके लिए टेलीविजन के कई धारावाहिक में काम मिलने का रास्ता खोल दिया। 'रावण' के बाद उन्होंने 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका अदा की। इसके बाद 'वीर शिवाजी' में छत्रपति शिवाजी महाराज, 'महाभारत' में अभिमन्यु, और 'उड़ान सपनों की' में विवान राजवंशी की भूमिका निभाई। टीवी धारावाहिकों में काम करते हुए उन्हें कुछ फिल्मों में भी मौका मिला। इनमें प्रमुख रूप से 2009 में 'लेट्स डांस', 2013 में 'रज्जो' और 2018 में 'कप्तान नवाब' शामिल हैं।

कृतिका कामरा : टेलीविजन में मिला मौका फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा

■ कृतिका कामरा का नाम टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री के तौर पर जाना जाता है। बरेली में 25 अक्टूबर 1988 को पैदा हुई कृतिका के पिता रवि कामरा डेंटिस्ट हैं। हालांकि कृतिका के बचपन का ज्यादातर समय मध्यप्रदेश और दिल्ली में गुजरा। उनकी शुरुआती शिक्षा भी मध्यप्रदेश के अशोकनगर और दिल्ली में दिल्ली पब्लिक स्कूल में हुई। शुरुआती पढ़ाई के बाद उन्होंने उन्होंने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी दिल्ली में दाखिला लिया, मगर इसी दौरान उन्हें वर्ष 2007 में टीवी शो 'यहां के हम सिकंदर, में काम करने के मौका मिला जिसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। टेलीविजन में शुरुआत के बाद कृतिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 2009 में चर्चित टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही के किरदार से लोकप्रिय हुईं। इसके बाद 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्टर्स', 'प्रेमियर पटरोल' जैसे कई शो में अभिनय किया। डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' और 'जरा नचके दिखा' में भी वह नजर आ चुकी हैं। कृतिका ने 2018 में फिल्म 'मित्रों' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें जैकी भगनानी उनके बतौर हीरो उनके साथ थे। इसके बाद उन्होंने वेब सीरीज 'तांडव', 'कौन बनेगा शेखावती', 'मुंबई मेरी जान', 'हश हश' जैसी वेब सीरीज में भी काम किया है।

रति अग्निहोत्री : मॉडलिंग से तमिल फिल्मों और फिर बॉलीवुड तक का सफर

रति अग्निहोत्री वो नाम है जिसने बरेली की धरती पर जन्म लेने के बाद बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कामयाबी हासिल की। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को शहर के एक पंजाबी परिवार में हुआ था। मात्र 10 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग करियर शुरू किया, ठीक इसी समय उनके पिता रूपकिशन अग्निहोत्री और मां राधिका के साथ पूरा परिवार बरेली से मद्रास चला गया था, जहां 1979 में स्कूल के एक नाटक में भाग लेते हुए रति अग्निहोत्री पर दक्षिण के प्रसिद्ध निर्देशक भारती राजा की नजर पड़ी और उन्होंने उन्हें अपनी तमिल फिल्म 'पुथिया वार्पुकल' के लिए चुन लिया। रति ने इसके बाद मद्रास में ही रहते हुए करीब दो साल के भीतर तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की लगभग 15 फिल्मों में काम किया और स्टारडम हासिल किया।

एक दूजे के लिए' ने बॉलीवुड में बनाया सुपरहिट

हिंदी फिल्मों में रति अग्निहोत्री ने अपनी पहचान 1981 में आई 'एक दूजे के लिए' से कायम की। कमल हासन के साथ इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में सुपरहिट बना दिया, इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्म फेयर नामांकन भी मिला। रति अग्निहोत्री ने इसके बाद 'कुली', 'तवायफ', 'फर्ज और कानून', 'आप के साथ', 'हुकूमत', 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' जैसी कई और बड़ी फिल्मों में काम किया। रति का परिवार चूंकि उनके बचपन में ही बरेली से चला गया था और फिर कभी वापस नहीं लौटा, इसलिए उनके बारे में यहां के कम ही लोग जानते हैं।

पाटनी ने पायलट बनना चाहा था मगर मॉडलिंग के शौक ने बदल दी दिशा

प्रियंका चोपड़ा के बाद दिशा पाटनी दूसरी शख्सियत हैं जिन्होंने बरेली से बॉलीवुड तक का सफर किया है और एक कामयाब अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। बरेली में ही 13 जून 1992 को जन्मी दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस के अफसर थे जो अब रिटायर हो चुके हैं। उनका परिवार अब भी शहर के चौपुला चौराहे के पास रहता है। दिशा ने यहां बीबीएल स्कूल में शुरुआती पढ़ाई की जिसके बाद लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। बड़ी बहन खुशबू जो सेना में मेजर रही हैं, उन्हीं की तरह बचपन में दिशा का भी सपना वायु सेना का पायलट बनने का था, लेकिन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग करने का शौक लगा, 2013 में की गई मॉडलिंग की शुरुआत उन्हें फिल्मों में अभिनय की ओर ले गई। दिशा ने 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से अभिनय की शुरुआत की, इसमें वे वरुण तेज के साथ नजर आई थीं।

फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' ने दिशा को बॉलीवुड में किया स्थापित

तेलगू फिल्म 'लोफर' से शुरुआत करने के बाद अगले ही साल दिशा को 2016 में हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' में काम करने का ऑफर मिला। इसमें उन्हें धोनी की प्रेमिका प्रियंका झा का किरदार निभाना था, सुपर हिट हुई फिल्म की इस भूमिका ने उन्हें बड़ी पहचान दी। बॉलीवुड में इस फिल्म से डेब्यू करने के बाद दिशा को एक के बाद एक कई फिल्मों में काम मिला। 2017 में 'कुंग फू योगा', 2018 में 'बागी 2', 2019 में 'भारत', 'मलंग' और 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया जो हिट रहीं। दिशा ने अभिनय के साथ फिटनेस के लिए भी काफी पहचान बनाई। वह मॉडलिंग में भी बहुत सक्रिय रहीं और कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन किए हैं। दिशा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने मुंबई में केवल 500 रुपये लेकर शुरुआत की और कड़ी मेहनत कर बॉलीवुड में पहचान बनाई।

मॉडलिंग के लिए छोड़ दी इंजीनियरिंग की पढ़ाई

दिशा ने मॉडलिंग उस वक्त शुरू की थी जब वे लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग के लिए लगातार अवसर मिलने शुरू हुए तो उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और मुंबई चली गईं ताकि मॉडलिंग के करियर में खुद को अच्छी तरह स्थापित कर सकें। दिशा के अनुसार, स्कूल के दिनों में उन्हें अपने लुक्स पर ज्यादा ध्यान नहीं था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को डेवलप करना शुरू किया। पिता जगदीश सिंह पाटनी और बहन खुशबू पाटनी ने उनका भरपूर साथ दिया। 2013 में ही दिशा ने 'पॉन्ड्स फेमिना मिस इंडिया' प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पहली रनरअप का खिताब जीता, इसी के बाद उनका मॉडलिंग और अभिनय का सफर शुरू हुआ।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

अमृत विचार

सोमवार, 24 नवंबर 2025

हर कोई मशहूर नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई महान हो सकता है, क्योंकि महानता सद्कर्मों से तय होती है।

–**मार्टिन लूथर किंग,** सिविल राइट्स एक्टिविस्ट

सार्थक संबोधन

अफ्रीका में सोवेटो टाउनशिप के पास जहां नेल्सन मंडेला का घर था, पहली बार आयोजित हो रहा जी-20 शिखर सम्मेलन ट्रंप के प्रखर विरोध के चलते ही नहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके दो सत्रों में दिए गए संबोधनों के कारण भी चर्चा में है। ये न केवल अत्यंत अर्थवान थे, बल्कि उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि आज भारत वैश्विक विमर्श को दिशा देने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने पुराने विकास मॉडल पर पुनर्विचार की जो अपील की वह अत्यंत दूरदर्शी और व्यावहारिक तथा समयोचित है। दशकों से चल रहे विकास के फार्मूले अत्यधिक खपत, संसाधनों के भीषण दोहन तथा प्रकृति के प्रति उदासीनता से भरे हैं, जिन्होंने वैश्विक असमानता बढ़ाई है। पुराने मॉडल के हिसाब से चलें तो विकसित देशों की आर्थिक वृद्धि अक्सर विकासशील दुनिया के संसाधनों की कीमत पर होती है। इस असंतुलित मॉडल को बदलना अनिवार्य है, क्योंकि वर्तमान संकट- जलवायु से लेकर खाद्य असुरक्षा तक सभी इसी विफल दर्शन का परिणाम हैं। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनाव, खाद्य-ऊर्जा असुरक्षा और जलवायु जोखिम पर भारत का दृष्टिकोण बहुत प्रभावी तरीके से रखा।

उल्लेखनीय बात यह कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि उनकी वैश्विक विभाजन को पाटने और मल्टीलेटरलिज़्म को नया स्वरूप देने की आवश्यकता पर सहमत दिखे। उन्होंने माना कि भारत उभरती दुनिया और विकसित देशों के बीच एक भरोसेमंद सेतु की भूमिका निभा सकता है। मोदी द्वारा श्री अन्न यानी मोटे अनाज, जलवायु परिवर्तन, जी–20 सेटेलाइट डेटा पार्टनरशिप एवं डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर जो बातें कहीं वह जी–20 के लिए अत्यंत समीचीन मुद्दे हैं। कृषि, स्वास्थ्य, और आपदा प्रबंधन विश्वभर में चुनौतीग्रस्त हैं। ऐसे में मोटा अनाज पोषण, खाद्य सुरक्षा और जलवायु-सहिष्णु कृषि मॉडल का वास्तविक विकल्प है। इसी प्रकार, आपदाओं के पूर्वानुमान और प्रबंधन में सेटेलाइट डेटा की साझेदारी ऐसी पहल है जो विकासशील देशों को तकनीकी निर्भरता से मुक्त कर देगी। मोदी ने वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, ड्रग–टेरर नेक्सस के खिलाफ कार्रवाई और अफ्रीकी कौशल को बढ़ावा देने जैसी बातें उठाईं। पारंपरिक ज्ञान, विशेषकर भारत और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों का, आज सतत विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा में अत्यधिक उपयोगी हो सकता है। वहीं, ड्रग-टेरर नेटवर्क पर चोट करने से आतंकवाद की फंडिंग स्वतः कमजोर होती है, क्योंकि वैश्विक आतंकवाद का बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों की तस्करी पर निर्भर करता है। भारत ने पहली बार इस विषय को जी–20 जैसी आर्थिक मंच पर प्रमुखता से उठाकर इसकी सामरिक महत्ता को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल मुद्दों को उठाया, बल्कि समाधान-उन्मुख दृष्टि भी प्रस्तुत की। भारत ने यह संदेश दिया कि वह केवल एक उभरती शक्ति नहीं, बल्कि समाधान-प्रदाता देश है, इसलिए जी-20 में भारत की भूमिका को मजबूत, संतुलित और वैश्विक सहमति निर्माण में निर्णायक माना जाना चाहिए। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद जी-20 के देशों के रुख से लगता है कि सम्मेलन के प्रतिफलन पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रसंगवश

तेजस हादसा और मेक इन इंडिया की साख

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की जांच के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयर शो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था, परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया?

दुबई एयर शो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं, परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सेकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा, क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है।

दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है, हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थीं, लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

लेबर रिफॉर्म कानून बन जाना ही काफी नहीं

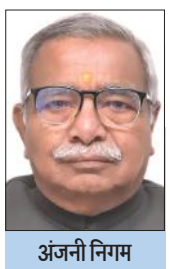

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर से चार श्रम संहिताएं लागू करते हुए इसे भारत के कार्यबल के लिए नए युग का शुभारंभ बताया है। चार लेबर कोड को लागू करते ही पहले के 29 श्रम कानून खत्म हो गए हैं और उनकी जगह एक एकीकृत और सरल कानूनी ढांचा काम करेगा। सरकार का दावा है कि मजदूरी पर कोड (2019), इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड (2020), सोशल सिक्योरिटी पर कोड (2020) तथा ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (OSHWC) कोड (2020) से भारत के लेबर गवर्नेंस को मॉडर्न बनाया जा सकेगा। सरकार ने इसे आत्मनिर्भर भारत के लिए रिफॉर्म बताया है, जैसा सितंबर के महीने में जीएसटी की नई दरें लागू करते समय कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ये कोड श्रमिक भाई-बहनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि नया फ्रेमवर्क दशकों पुराने लेबर नियमों को आसान बनाएगा। इन कानूनों से भारत का लेबर इकोसिस्टम, दुनिया की सबसे अच्छी प्रैक्टिस करने वाला बनेगा। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि यह बदलाव रोजगार पैदा करने में मदद करेगा।

इन कोड को लागू करने के साथ ही मोदी सरकार की सात गारंटी भी बताई गई हैं, जिन पर गौर करने की आवश्यकता है। इन गारंटियों में पहली गारंटी न्यूनतम और समय पर वेतन की है, लेकिन वास्तविकता इन कानूनों का अनुपालन कराने वाला विभाग अधिक जानता है। न्यूनतम वेतन को लेकर ही देश भर में लाखों मुकदमे श्रम विभाग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक चल रहे हैं, जिनसे सरकार अनभिज्ञ नहीं है।

दूसरी गारंटी नियुक्ति पत्र देने की कही गई है, लेकिन जो कंपनियां आउट सोर्सिंग या ठेके पर तैनाती करती हैं, उन पर किस तरह से अंकुश लगाया जा सकेगा यह नहीं बताया गया है। वर्तमान ही नहीं पहले की सरकारें भी महिलाओं की समानता की बात करती रही हैं, लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या आज भी महिलाओं को समानता मिल सकी है। श्रम विभाग का इंस्पेक्टर कैसे पता लगा सकेगा कि संस्थान महिला श्रमिकों को समान अवसर और समान वेतन दे रहे हैं। प्रथम तो महिला ही नहीं बहुत से पुरुष श्रमिक भी संस्था के रोल पर नहीं होते हैं, फिर उन्हें अपनी नौकरी जाने का डर सताता है, जिसके चलते वे शिकायत भी नहीं कर पाते हैं। जहां तक श्रम विभाग के निरीक्षण की बात है, तो वो लोग प्रबंधन के कमरे में जाकर जांच पूरी कर लेते हैं और कुछ श्रमिकों को प्रबंधक के सामने बुलाकर बयान भी ले लेते हैं।

सरकार ने चौथी गारंटी सामाजिक सुरक्षा बताई है, जो बिना नियुक्ति पत्र के लागू ही नहीं होती। सामाजिक सुरक्षा के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और कर्मचारी राज्य बीमा निगम जैसी संस्थाएं हैं, जिनके संगठित भ्रष्टाचार पिछले कुछ महीनों में उजागर हो चुके हैं कि किस तरह ये विभाग मालिकों से मिल कर कर्मचारियों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चला रहे थे।

पांचवीं गारंटी में कहा गया है कि निश्चित अवधि की एक वर्ष की नौकरी के बाद ग्रेच्युटी दी जाएगी। इस नियम के बनते ही अब कंपनियां दो या तीन वर्ष का कांट्रेक्ट करने के बजाए 11 महीने का ही करेंगे, ताकि ग्रेच्युटी देने की नौबत ही न आने पाए। कंपनियों ने दो या तीन वर्ष भी इसीलिए किया था, क्योंकि तब ग्रेच्युटी का नियम पांच वर्ष की नौकरी का था। मोदी सरकार की छठी गारंटी निशुल्क स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने के संबंध में है, जो कभी नहीं होती है। बहुत कम कंपनियां ही अपने कर्मचारियों का ग्रुप इंश्योरेंस कराती हैं और पैसा देकर डॉक्टरों की टीम बुलाकर जांच कराना शायद उनकी डिक्शनरी में ही नहीं है।

सातवीं और अंतिम गारंटी जोखिम भरे कामों में 100% स्वास्थ्य सुरक्षा देने की है। असंठित क्षेत्र में लाखों मज़दूर ऐसी स्थितियों में काम करते हैं और कुछ अनहोनी होने पर संस्था पल्ला झाड़ने की कोशिश करती है, परिजनों को मुआवजा पाने को धरना-प्रदर्शन करना पड़ता है।

श्रमिक संगठनों ने इसके लागू होने के साथ ही यह कह कर विरोध करना शुरू कर दिया है कि सरकार इन चार लेबर कोड के जरिए मजदूर वर्ग को कमजोर और असंगठित बना कर उनके संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के फेडरेशन ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर 'विरोध दिवस' मनाने की घोषणा की है। श्रम संघों का मानना है कि ये कोड वास्तव में कारपोरेट सेक्टर के हितों का ध्यान रखते हुए बनाए गए हैं, 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के नाम पर श्रमिकों पर आधुनिक गुलामी थोपने की कोशिश की जा रही है, इन नियमों से कर्मचारियों को कांट्रैक्ट और असंगठित ढांचे की तरफ धकेला जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

श्रम संगठनों का विरोध कुछ हद तक गलत भी नहीं लगता, क्योंकि उनका कहना है इसमें छंटनी से संबंधित प्रावधान अस्पष्ट हैं, जिसका लाभ लेते हुए सेवायोजक छंटनी करेंगे। सभी जानते हैं बीते साल भर में कई बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है। छंटनी के साथ ही बंदी या लेऑफ के लिए अनिवार्य सरकारी अनुमति की सीमा बढ़ा दी गई है। जहां पहले 100 या अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को सरकार से अनुमति लेनी होती थी, वहीं अब इस सीमा को बढ़ा कर 300 श्रमिक कर दिया गया है। इतना ही नहीं कारखानों में काम का समय नौ घंटे से बढ़ा कर 12 घंटे कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए आम जनता से भी आह्वान किया है कि वे सरकार की इन नीतियों के खिलाफ व्यापक एकजुटता दिखाते हुए 26 नवंबर को होने वाले विरोध में शामिल हों।

कानून बना देना एक काम है और उसे लागू करना दूसरा। लेबर रिफार्म कानून के कई नियम अच्छे हैं। अहम यह है कि इसे लागू कैसे किया जाएगा! दूसरी तरफ इसके कई प्राविधानों का विरोध भी शुरू हो गया है।

आमने

दुनिया के कई बड़े शहरों में मुसलमान मेयर बन सकते हैं, मगर भारत में किसी मुसलमान को विश्वविद्यालय का कुलपति बनने का मौका नहीं मिलता। कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, तो उसे आज़म खान जैसी सज़ा भुगतनी पड़ती है। –**मौलाना अरशद मदनी**

अध्यक्ष

जमीयत उलेमा-ए-हिंद

सामने

हमारे यहां के मुसलमान कई शहरों में मेयर बने हैं। भारत का मुसलमान राष्ट्रपति बन सकता है। मुख्य न्यायाधीश बन सकता है। क्रिकेट-हॉकी टीम का कप्तान बन सकता है। वायुसेना का प्रमुख बन सकता है। फिर भी मौलाना अरशद मदनी इस तरह के बयान दे रहे हैं।

–**शाहनवाज हुसैन**

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

जी-20: समावेशी व न्यायपूर्ण समाज की ओर दुनिया

अरविंद जयतिलक

लेखक

जटिल वैश्विक रणनीतिक-सामरिक गोलबंदी और दांव-पेचों के बीच दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 देशों का 20वां शिखर सम्मेलन समावेशी आर्थिक विकास, जलवायु, लचीलापन, स्वास्थ्य, आतंकवाद, सुरक्षित आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर केंद्रित रहा। इस सम्मेलन की थीम रही 'एकजुटता, समानता और स्थिरता'। सम्मेलन के तीन मुख्य सत्रों में 'समावेशी और स्थिर आर्थिक विकास', 'एक मजबूत दुनिया में जी-20 का योगदान' और 'सभी के लिए एक सही और न्यायपूर्ण भविष्य' पर चर्चा हुई। यह सम्मेलन सिर्फ इस मायने में ही महत्वपूर्ण नहीं है कि इसका आयोजन अफ्रीकी महाद्वीप में पहली बार हुआ है। बल्कि इस मायने में भी महत्वपूर्ण रही कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से यह सम्मेलन खरा उतरा है।

सम्मेलन के कुल 122 पैराग्राफ वाले दृष्टिकोण में यह साफ देखने को भी मिला है कि टकराव के बजाय सहमति पर मुहर लगी है, जो कि इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है। गौर करें तो सम्मेलन के दृष्टिकोण में मानवीय त्रासदी के लिए जिम्मेदार सुपर शक्तियों को उनकी कारगुजारियों पर परोक्ष रुप से कटाक्ष करते हुए अस्थिर होते वैश्विक अर्थव्यवस्था और संतुलन को लेकर गहरी चिंता जताई गई है। साथ ही इसके समाधान पर भी जोर दिया गया है। दुनिया के जिम्मेदार ताकतवर देशों से अपील की गई कि वे अपने उत्तरदायित्वों का भली-भांति निर्वहन करते हुए यूएन चार्टर के तहत क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करें। देखा भी जा रहा है कि दुनिया के तमाम देश युद्ध में उलझे हैं और परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है।

सम्मेलन के दृष्टिकोण पर नजर दौडाएं तो निम्न आय वाले देशों की गरीबी और असमानता पर विशेष फोकस करते हुए उससे निपटने पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप में पसरी गरीबी और भुखमरी से निपटने, आर्थिक असमानता दूर करने और बुनियादी जरूरतें पूरा करने पर बल दिया गया है। कहा गया है कि 600 मिलियन अफ्रीकी लोगों तक बिजली की पहुंच नहीं है। सम्मेलन बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि जी-20 और दुनिया के समर्थ देश अफ्रीकी महाद्वीप के पिछड़े देशों की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए कदम आगे बढ़ाएंगे।

सम्मेलन के दृटिकोण के जरिए विकासशील देशों के बिगड़ते हालात की ओर भी ध्यान खींचा गया है। इसमें कहा गया है कि घर में भोजन पकाने के ईंधन की कमी से तकरीबन दो मिलियन अफ्रीकी हर वर्ष जान गंवाते हैं। खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि 2024 में दुनिया के 720 मिलियन लोग भूख से जूझ रहे हैं। इसी तरह तकरीबन 2.6 बिलियन लोगों का संतुलित पोषक भोजन तक पहुंच नहीं है। गौर करें तो यह स्थिति एक स्वस्थ और समृद्ध विश्व के लिए ठीक नहीं है। अगर जी-20 के देश इस भीषण समस्या के समाधान में अपना सकारात्मक योगदान देते हैं तो ठीक है, वरना हालात पहले से भी बदतर होंगे। ऐसा इसलिए कि खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई) रिपोर्ट-2025 बताती है कि वर्ष 2024 में 63.8 करोड़ से 72 करोड़ लोग जो वैश्विक जनसंख्या का क्रमशः 7.8 और 8.8 प्रतिशत है, भूख का सामना करेंगे।

गौर करें तो संयुक्त राष्ट्र की 2024 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट भी बताती है कि दुनिया के 36 देशों में भूख का स्तर बेहद गंभीर है। इस नाते विश्व स्तर पर 2025 तक 673 मिलियन लोग भूख का अनुभव करेंगे, जो कि कुल जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत है। विडंबना यह कि एक ओर करोड़ों लोग भूख और कुपोषण से दम तोड़ रहे हैं, वहीं विश्व में हर साल लगभग 1.05 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है। यह कुल खाद्य उत्पादन का तकरीबन 19 प्रतिशत है। इसका मतलब यह हुआ कि दुनिया भर में हर दिन लगभग एक अरब से ज्यादा थालियां बर्बाद होती हैं।

अगर जी-20 के देश बर्बाद किए जा रहे अन्न को बचाने का रोडमैप तैयार करते हैं, तो निःसंदेह मानवता का कल्याण होगा। इसे ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुंबकम' (एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य) के अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी वैचारिक मानवीय सोच और दृढ़ता के लिए जाने जाते हैं। उसकी बानगी इस शिखर सम्मेलन में भी देखने को मिली। उन्होंने वैश्विक विकास के उद्देश्य से चार नई पहलों का प्रस्ताव रखा। यह पहल है- वैश्विक ज्ञान भंडार की स्थापना, अफ्रीका कौशल गुणक पहल, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और ड्रग-टेरर नेक्सस का मुकाबला करने की पहल। उन्होंने जी-20 देशों से आग्रह किया कि वे समावेशी और सतत विकास पर जोर दें, ताकि सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उन्होंने भारतीय मूल्यों और सभ्यागत संस्कारों को दुनिया के लिए मार्गदर्शक, कल्याणकारी और प्रेरणादायक कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण करेगा, जो कि टिकाऊ जीवन के समय-परिक्षणित मॉडल को प्रदर्शित करता है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से जी-20 सम्मेलन खरा उतरा है।

सोशल फोरम

आखिर कैसे दिखते थे महात्मा बुद्ध!

प्रवीण झा

लेखक

यूं तो बुद्ध की मूर्तियां आज दुनिया भर में हैं। यह ऐसी मूर्ति है, जो नास्तिकों के घर में भी मिल जाएंगी। नास्तिकों के देश नीदरलैंड के वेश्यालयों में बुद्ध की मूर्ति का जिक्र है, लेकिन ये छवियां बुद्ध के कितने करीब रही होंगी? जहां अन्य कई श्रमण बाल लंबे बढ़ा कर रखते थे, बुद्ध ने अपने बाल बहुत पहले ही मुंडवा लिए थे। अक्सर ऐसा करने वाले श्रमण बालों को खींच-खींच कर जड़ से उखाड़ लेते थे, लेकिन बुद्ध की पोटली में सुई-धागे के साथ एक धारदार चाकू का जिक्र आता है। संभव है कि इससे वह अपने सर को नियमित उस्तरा लगा कर रखते हों।

बुद्ध के वर्णनों में गोल चेहरा, मुंडा सर, पैनी आंखें, दुबला-पतला किंतु मजबूत शरीर, आकर्षक छवि और स्पष्ट वाणी दिखती है। हालांकि धूप में भटक-भटक कर उनका रंग समय के साथ सांवला पड़ गया और अन्य मनुष्यों की तरह उनका भी बुढ़ापा आया। उनके शिष्य और चचेरे भाई आनंद ने उनके विषय में लिखा है, 'उनके चेहरे में अब वह चमक नहीं रही। उस पर झुर्रियां आ गई हैं। हाथ-पैर झूल से गए हैं और रीढ़ सीधी नहीं रही।'

बुद्ध की सबसे विस्तृत छवि एक ब्राह्मण उत्तरा के शब्दों में मिलती है, जिनके गुरु ने उनके पास यह देखने भेजा था कि पता करिए, यह वाकई परम ज्ञानी हैं या नहीं। उन्होंने लौट कर बताया कि एक महापुरुष में जो बत्तीस भौतिक चिन्ह दिखने चाहिए, वह सभी उनके शरीर में दिखते हैं। उनके भोजन करने के विषय में उत्तरा कहते हैं, 'वह जब चावल खाते हैं, तो कटोरे को न ऊपर उठाते हैं, न नीचे रखते हैं, न ही अपनी तरफ झुकाते हैं। न बहुत अधिक खाते हैं, न बहुत कम। वह उसमें उतना ही रस डालते हैं कि उचित कौर बन जाए। वह इसे ठीक से चबा कर निगलते हैं। वह स्वाद लेकर खाते हैं, किंतु इस स्वाद का मोह नहीं रखते।'

बत्तीस भौतिक चिह्नों में लंबे कान, उंगलियों के मध्य कम स्थान, गज के समान मस्तक आदि वर्णित हैं। हालांकि कुछ वर्णनों में ऐसी अतिशयोक्ति नहीं मिलती और बुद्ध को देखने वाले उन्हें सामान्य पुरुषों जैसा ही बताते हैं, लेकिन उनके चेहरे में एक आकर्षक शांति दिखती है। इतना तो कयास लगाया जा सकता है कि बुद्ध की वाणी ऐसी होगी कि लोग उन्हें सुनने बैठ जाएं।

– फेसबुक वाल से

सामयिकी

मुस्लिम समाज का सेकुलर दलों से दरकता रिश्ता

मुस्लिम समाज और धर्मनिरपेक्ष दलों का प्यार और विश्वास का रिश्ता रहा है, किंतु इधर ये दल राजनीतिक हवा की मजबूरी में अल्पसंख्यकों को अपना फिक्स वोट मानकर इन्हें नजरअंदाज करने लगे और दलितों व बहुसंख्यक समाज को रिझाने की ज्यादा कोशिश करने लगे हैं। इस बात से नाखुश अकलियत एआईएमआईएम की तरफ रुख करने लगा है, ताकि उसके विश्वास के पारंपरिक दल डरें, घबराएं और अपने प्यार और विश्वास पर पुनः तवज्जो दें।

बिहार के पिछले दो विधानसभा चुनावों में ऐसा ही हुआ। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल को नजरंदाज कर मुसलमानों ने औवेसी की झोली में पांच सीटें डाल दीं, अन्य कई सीटों पर महागठबंधन और एआईएमआईएम में अकलियत के वोटों का बंटवारा हुआ और एनडीए को इसका सीधा लाभ मिला। दरअसल बिहार में महागठबंधन की हार के तमाम कारणों में मुस्लिम समाज की नाराजगी और इनके वोटों का बिखराव भी था।

नवेद शिकोह

वरिष्ठ पत्रकार

औवेसी महागठबंधन में आना चाहते थे और उन्होंने साफ कहा था कि उनकी पार्टी वोट कटवा या भाजपा की बी टीम के इल्ज़ाम से बरी होना चाहती है, इसलिए एआईएमआईएम गठबंधन के शीर्ष नेताओं के दरवाजे पर जाकर केवल छह सीटों की गुजारिश की थी, जबकि बिहार में पिछले चुनाव में एआईएमआईएम पांच सीट जीती थी। ओवैसी की इतनी गुजारिश और सफाई देने के बाद भी तेजस्वी यादव ने उन्हें एक भी सीट नहीं दी और कड़वे शब्द इस्तेमाल किए, ये बात मुस्लिम समाज को नागवार गुजरी।

मसला ये है कि मुसलमान चाहता है कि उनका समाज एकजुट होकर धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए जिन दलों का समर्थन करता रहा है, वो दल खुल कर मुस्लिम समाज के मुद्दों को उठाएं। टिकट, संगठन, सियासत और हुकुमत में पर्याप्त हिस्सेदारी मिले, लेकिन मुसलमानों के वोट लेने वाले दल भाजपा द्वारा लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों और ध्रुवीकरण के प्रयासों के हथियार कुंद करने के लिए मुसलमान शब्द से भी बचने लगे हैं। सियासी मजबूरी इस क़द्र हावी हो गई है कि समाजवादी पार्टी के पीडीए में मुस्लिम के बजाए अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

देश की आजादी और लोकतांत्रिक व्यवस्था के बाद से अधिकांश कालखंडों में मुस्लिम समाज धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन में आगे रहा है। समय-समय पर सपा और कांग्रेस जैसे दलों की तरफ अकलियत का झुकाव बढ़ा। मुस्लिम समाज इन दलों का सबसे बड़ा वोट बैंक बन गया। पिछले करीब दस-ग्यारह बरस से भाजपा ने ये माहौल जमा दिया कि सपा-कांग्रेस जैसे दल मुस्लिम तुष्टिकरण में अव्वल हैं। इनकी सत्ता में हिंदुओं को नजरंदाज किया जाता है। उनकी सरकारों में सनातनी सुरक्षित नहीं रहते।

अस्सी-बीस के खेल में ध्रुवीकरण भाजपा को खूब रास आया। तुष्टिकरण जैसे सबसे अधिक आरोप सह रही अखिलेश यादव की नई सपा ने मुस्लिम मामलात और मुद्दों से थोड़ी दूरी बना ली। यदि दो घटनाओं में कहीं दलित के साथ अन्याय हुआ और कहीं मुसलमान के साथ तो अखिलेश यादव ने दलित अन्याय मुद्दे को तो खूब उठाया पर मुस्लिम मामले में वो अधिक मुखर नहीं हुए। अखिलेश यादव की ऐसी राजनीतिक मजबूरी को समझते हुए बिहार में राजद मुखिया तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसा ही किया। दो राज्यों में नजरअंदाज किए जा रहे अल्पसंख्यक वर्ग ने झटका देते हुए एआईएमआईएम में दिलचस्पी दिखाई। ये झटका बिहार में महागठबंधन को करारी हार की तरफ ले गया। ये तस्वीर अब सपा मुखिया अखिलेश यादव को सताने लगी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कारें हमेशा से ही सिर्फ सफर का जरिया नहीं रही हैं, बल्कि समाज में स्टेटस सिंबल और पर्सनैलिटी का आईना भी रही हैं, लेकिन जब कार को सिर्फ ड्राइव करने भर का साधन न मानकर उसे अपनी जरूरत और लाइफस्टाइल के हिसाब से ढालने की चाहत जगी, तभी कस्टमाइजेशन की दुनिया का जन्म हुआ। कार निर्माताओं या शोरूम के साथ शुरू हुआ यह सिलसिला जहां सामान्य ग्राहक के लिए एसेसरीज के नाम पर एक बड़ा बाजार बन चुका है, वहीं अमीरों और सेलिब्रेटीज के लिए उनके शौक और शख्सियत की पहचान का हिस्सा है। आज कारों का कस्टमाइजेशन चाहत और पसंद से आगे बढ़कर पर्सनल ब्रांडिंग का प्रतीक जैसा बन चुका है। ऐसे में कस्टमाइजेशन के इस दौर में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'कार वही, पर पहचान सिर्फ आपकी।' जाहिर है, जो कार कल तक सिर्फ सफर का साधन थी, आज वह आपकी पहचान और पर्सनैलिटी का हिस्सा है। कस्टमाइजेशन अब लग्जरी नहीं, बल्कि पर्सनल ब्रांडिंग है। इलेक्ट्रिक कारों और सस्टेनेबल मटेरियल के साथ इसका अब नया दौर शुरू हो चुका है। एआई बेस्ड इंफोटेनमेंट और स्मार्ट सेफ्टी फीचर्स जल्दी ही कार को पर्सनल स्पेस तथा टेक्नोलॉजी का कॉम्बो बना देंगे। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

जब कार बन जाए आपकी खास पहचान

कस्टमाइज्ड कार की औसत लागत

- बेसिक मॉडिफिकेशन 2 से 5 लाख रुपये में कराया जा सकता है। इसमें अलॉय व्हील्स, बॉडी किट, सीट कवर, लाइटिंग जैसी चीजें शामिल रहती हैं।
- प्रीमियम कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च 10 से 30 लाख रुपये तक हो सकता है। इसमें नया इंटीरियर, कस्टम पेंट, एंटरटेनमेंट सिस्टम, लग्जरी सीटिंग जैसे बदलाव किए जा सकते हैं।
- हाई एंड कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च बढ़कर 50 लाख से 5 करोड़ तक पहुंच सकता है। इस तरह के बदलाव में बुलेटप्रूफिंग, एआई-इंटिग्रेटेड डैशबोर्ड, होम-थिएटर जैसी टेक्नोलॉजी, पूरी तरह नया बॉडी डिजाइन जैसी चीजों का चुनाव किया जाता है।

कस्टम कारों के हॉट फीचर्स

- 360 डिग्री रोटेटिंग रिक्लाइनर सीटें
- होम थिएटर तथा गेमिंग सेटअप
- मिनी फ्रिज और काफी मशीन
- स्मार्ट लाइटिंग व एआई असिस्टेंट
- कार्बन-फाइबर बॉडी किट
- इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड कन्वर्जन

सबसे महंगी कस्टमाइज कार है पूनावाला के पास

भारत की सबसे महंगी कस्टमाइज कार के मामले में योहान पूनावाला की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Bohemian Red) को गिना जाता है, जिसकी कीमत 22 करोड़ से ज्यादा है। इसमें सॉलिड गोल्ड स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी और इल्युमिनेटेड फ्रंट ग्रिल जैसे विशेष कस्टमाइजेशन किए गए हैं। देश की महंगी कस्टमाइज कारों में नीता अंबानी की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Rose Quartz) और मुकेश अंबानी की बुलेटप्रूफ रोल्स-रॉयस कलिनन भी शामिल हैं। इनके अलावा फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह ने भी अपनी कारों को अपनी पसंद के मुताबिक कस्टमाइज्ड कराने पर बड़ी रकम खर्च की है।

कस्टमाइजेशन के फायदे

- कार कस्टमाइजेशन से आपकी गाड़ी को एक आकर्षक तथा अनोखी पहचान मिलती है।
- यह व्यक्तिगत शैली और पसंद को दर्शाने का एक तरीका भी है।
- कस्टमाइजेशन से कार के प्रदर्शन और खूबसूरती में सुधार किया जा सकता है।
- इससे कार को एक नया लुक और लोग मुड़कर देखने के लिए बाध्य होते हैं।

सोने-चांदी की फिटिंग से लेकर हाथी दांत की सजावट तक

20 वीं सदी की शुरुआत में जब यूरोप और अमेरिका में कारें अमीरों का खिलौना मानी जाती थीं, तभी से रईस लोग इन्हें अपनी पसंद और सुविधा के मुताबिक बदलवाने लगे थे। 1920-30 के दशक में रॉल्स-रॉयस, बेंटले और कैडिलैक जैसी कंपनियों के लिए 'कोच बिल्डिंग' का दौर चला, इसमें कार की बॉडी और इंटीरियर ग्राहकों की पसंद से तैयार किए जाते थे। बात भारत की करें, तो यहां पर कस्टमाइजेशन का ट्रेंड शाही रियासतों से शुरू हुआ। अनेक राजा-महाराजाओं ने अपनी कारों को सोने-चांदी की फिटिंग, हाथी दांत की सजावट और यहां तक कि हथियार रखने की जगह तक के साथ बनवाया। किसी ने उसे शानदार बग्घी का स्वरूप दिया, तो किसी ने शाही सवारी जैसा बनवाया। जहां तक दुनिया की बेहतरीन कस्टमाइज्ड कार की बात है, तो सबसे ऊपर रॉल्स-रॉयस स्वेप्टेल का नाम आता है। यह अब तक की सबसे महंगी कस्टमाइज्ड कार गिनी जाती है, जिसे करीब 96 करोड़ रुपये खर्च करके एक अनाम अरबपति ने अपनी लग्जरी यॉट से इंस्पायर्ड डिजाइन कराया था।

सितारों के लिए पर्सनालिटी सिग्नेचर जैसी उनकी गाड़ियां

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने बीते दिनों अपनी सुपर एसयूवी लैंबोर्गिनी का मेकओवर करके चर्चा पाई थी। उन्होंने गाड़ी के चमकीले पीले रंग को बोल्ड मेटलिक ग्रे रंग में बदलने के साथ व्हील्स में भी मनपंसद बदलाव कराकर स्मार्ट लुक दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी लैंबोर्गिनी उरुस को इंडियन टीम की जर्सी के रंग से मेल खाते ब्लू इलियोस रंग में कस्टमाइज कराया था। इसी तरह बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ तो अपनी अनूठी पर्सनैलिटी और कार कलेक्शन के लिए जाने जाते हैं। इसी साल की शुरुआत में उन्होंने मेटैलिक ग्रे शेड में कस्टम-बिल्ट टोयटा हिलक्स खरीदी थी। यह एक ऑफ रोडिंग पिकअप ट्रक है। इसमें आफ्टर मार्केट अलॉय व्हील्स और एलईटी लाइट्स लगाई गई हैं। इन कस्टमाइजेशन ने इस पिकअप ट्रक को और स्टाइलिश तथा ऑफ-रोडिंग के लिए सक्षम बना दिया। अभिनेता जॉन अब्राहम भी कस्टमाइजेशन के दीवाने हैं। उनके पास एक कस्टमाइज्ड ऑडी क्यू-7 और मारुति जिप्सी है, जिसे उन्होंने पसंद के अनुसार मॉडिफाई कराया था। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कस्टमाइज्ड रोल्स-रॉयस खरीदी थी। दीपिका पादुकोण ने भी अपनी पसंदीदा कारों मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 और ऑडी क्यू -8 को अपनी पसंद के अनुसार कस्टमाइज करा रखा है।

कारों का हुलिया बदलने का हुनर रखने वाले प्रमुख शिल्पकार

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कार डिजाइनरों में जियोर्जेटो गिउगिआरो का नाम आता है, जिन्हें 'सदी के कार डिजाइनर' के रूप में चुना गया था। उनके अलावा मार्सेलो गैंडिनी, जिन्होंने लैंबोर्गिनी जैसी सुपरकारों के लिए पहचानी जाने वाली कई प्रतिष्ठित डिजाइन बनाई हैं तथा बतिस्ता फरीना जिन्होंने फेरारी के लिए कई क्लासिक डिजाइन बनाए हैं, के नाम आते हैं। भारत में डीसी डिजायन या दिलीप छाबारिया डिजाइन स्टूडियो को कार कस्टमाइजेशन की कला को नए मुकाम पर पहुंचाने का श्रेय जाता है। उनकी बनाई कारें जैसे कस्टमाइज्ड टोयोटा इनोवा, बुलेटप्रूफ एसयूवी और फिल्मी सितारों के लिए डिजाइन की गई लिमोजीन लोगों के बीच आइकॉनिक बनीं। फिल्म 'टार्जन की द वंडर' कार का डिजाइन उन्होंने ही किया था। उनके बाद आकांक्षा सेठी का नाम लिया जाता है। देश में कई बुटीक ऑटो स्टूडियो भी डिमांड कस्टमाइजेशन के काम को आगे बढ़ा रहे हैं। इनमें दिल्ली में ऑटोसाई, गुरुग्राम में बिग डैडी, मुंबई में रीवैम्प मोटर्स जैसे नाम शामिल हैं।

मॉय फर्स्ट राइड

जुनून हो जब तो मुमकिन है सब

मैं अपने पापा और भाई को गाड़ी चलाते देखती, तो मेरे मन में भी आता कि मैं भी अन्य लोगों की तरह गाड़ी चलाते हुए फर्राटा भरूं। पापा से तो गाड़ी सीखने की बात कहने की यह सोचकर ही डर लगता था, कहीं पापा यह न कह दें कि शादी के बाद वहां जाकर गाड़ी सीखना, खूब चलाना। यहां रहकर गाड़ी चलाने की तो छोड़ो सीखने की बात भी न सोचना। परंतु मेरे मन में तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। सो मैंने अपने भाई को मनाया कि वह मुझे गाड़ी चलाना सिखाए, पर भाई भी पापा से डरता था। उसने पहले तो मनाकर दिया, लेकिन बहुत समझाने पर इस शर्त पर मान गया कि जब पापा कहीं बाहर गए, होंगे तभी सिखाऊंगा। एक बार पापा कुछ दिनों के लिए कहीं बाहर गए, तब मैंने भाई से गाड़ी सीखने की बात कही। भाई मुझे कार में बैठाकर एक खुले सुनसान मैदान पर ले गया। मुझे बताया कि चाबी लगाकर पहले गाड़ी स्टार्ट करो, फिर क्लच दबाकर गेयर बदलो पहले गेयर पर धीरे-धीरे बढ़ना फिर दूसरा, तीसरा, टॉप गेयर लगाना है। मैंने भाई के बताए अनुसार गाड़ी स्टार्ट कर पहले गेयर में गाड़ी को धीरे से बढ़ाया। फिर अचानक पता नहीं कैसे एक्सीलेटर तेजी से दब गया। एक्सीलेटर दबते ही एकदम से गाड़ी भाग निकली।

हमारे तो हाथ-पैर फूल गए, परंतु मैदान बड़ा होने के चलते गाड़ी बाउंड्री में लड़ती इसके पहले ही भाई ने गाड़ी को स्वयं अपने हाथ में लेकर रोककर मुझे यह कहकर जमकर डांट लगाई कि अगर गाड़ी बाउंड्री में लड़ जाती और तुम्हें चोट लग जाती, तो पापा दोनों लोगों की हालत खराब कर देते। मैं डरी-सहमी भाई की डांट सहती रही। भाई ने कहा अब हम तुम्हें कभी कार चलाना नहीं सिखाएंगे। मुझे तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। गाड़ी खड़ी कर हम भाई-बहन थोड़ी देर मैदान में घूमें। फिर मैंने हिम्मत करके कहा भाई मुझे एक मौका और दो अबकी पिछली गलती नहीं होगी। भाई ने जमकर डांट लगाते हुए स्पष्ट शब्दों में मनाकर दिया। मैं रुंआसी हो गई। मेरा उतरा चेहरा देखकर भाई ने बड़ी हिम्मत कर मुझे पुनः गाड़ी चलाने को दिया। इस बार मैंने गाड़ी स्टार्ट कर क्लच दबाकर पहला गेयर डाला और धीरे-धीरे कुछ दूर तक गाड़ी को चलाया भी।

कुछ हिम्मत बढ़ी, तो मैंने गाड़ी को धीरे से घुमाया भी। फिर भाई ने मुझे बैक गियर में गाड़ी चलाने को कहा। उसमें भी मैंने धीरे-धीरे चलाया। पहले दिन तो इतना ही हुआ, पर जैसे हिम्मत से गाड़ी चलाई उससे उस दिन मैं बहुत ही खुश थी। दूसरे दिन फिर उसी तरह पहले गेयर में धीरे-धीरे गाड़ी आगे को चलाई और फिर बैक गेयर में धीरे-धीरे पीछे की ओर गाड़ी चलाई। कुछ दिनों तक तो कुछ दूर लगभग आधा, एक किलोमीटर तक ही गाड़ी चलाई। धीरे-धीरे मेरी दूरी बढ़ाती गई। पापा का डर तो हमेशा हम दोनों को लगा रहता था। पापा के न चाहते हुए भी चुपके-चुपके मैं गाड़ी चलाती थी। एक दिन

मैंने सोचा पापा पूरे दिन के लिए बाहर गए हुए हैं, तब तक मैं कुछ देर गाड़ी चलाकर और हाथ साफ कर लूं। अभी मैं गाड़ी लेकर घर से कुछ दूर तक ही गई थी कि सामने से पापा आ गए। शायद घर में कुछ अपना सामान भूल गए थे। उन्होंने मुझे गाड़ी चलाते देखा वह भी अकेले। मेरा तो खून ही सूख गया। पापा ने कहा गाड़ी से उतरो। पापा ने डांट लगाते हुए कहा यह बताओ कि तुमने यह गाड़ी कब और कहां चलानी सीखी? भाई से, कहकर मैंने पापा को सब सच-सच बता दिया। मुझे डर था यह सच मेरे साथ-साथ मेरे भाई के लिए मुसीबत बनकर आने वाला है। पापा ड्राइविंग सीट के बगल वाली सीट पर बैठकर बोले गाड़ी चलाकर घर ले चलो। मैं पापा को बैठाकर डरते हुए, लेकिन बड़े ही सधे हाथों से गाड़ी चलाकर गाड़ी को घर तक लेकर आ गई। घर आते ही पापा ने हमारे साथ-साथ भाई की व मां को वह डांट पिलाई कि सबकी हालत खराब हो गई। थोड़ी देर बाद पापा को गुस्सा जब थोड़ा शांत हुआ, तो मैं पापा के लिए गिलास में पानी लेकर पहुंची। पापा ने गिलास मेरे हाथ से लेकर जमीन पर रख दिया और मुझे गले लगाकर रोने लगे। पापा को रोता देख मेरे भी आंखों से आंसू निकल आए।

पापा ने कहा बेटा कौन बाप ऐसा है, जो अपनी बेटी की उन्नति नहीं देखना चाहता। बेटी एक बाप की भी स्थिति को समझने की कोशिश करो। मुझे हमेशा डर लगा रहता था कि गाड़ी सीखते वक्त हमारी बेटी को कहीं चोट लग गई और वह चोट हमारी बेटी की शादी में रोड़ा बन गई, तो हम तो जीते जी मर जाएंगे। बस यही डर मुझे तुम्हें गाड़ी सीखने से रोकता था। आज मेरी बेटी गाड़ी चलाकर जब मुझे घर लेकर आई, तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। तुम सबको तो मैं नकली डांट पिला रहा था। वह दिन मेरी जिंदगी का सबसे सुखद दिन था, जब पापा ने डांट पिलाने के बाद प्रसन्नता में रोए और मुझे भी रुलाया। इस तरह मैं अपने जुनून से अपने पापा की नालायक बिटिया से उसकी दुलारी बिटिया बन गई।

-वंदना सिंह, कानपुर

अब बिना टेंशन पूरा होगा FASTag KYV: जानें नई आसान प्रक्रिया

भारत में हाइवे पर FASTag अब हर वाहन के लिए अनिवार्य है, लेकिन पिछले वर्ष लागू हुई KYV (Know Your Vehicle) प्रक्रिया कई लोगों के लिए झंझट भरी साबित हो रही थी। अलग-अलग एंगल से वाहन की तस्वीरें अपलोड करना, RC डिटेल्स भरना और वेबसाइट पर नेविगेशन इन सबमें यूजर्स को काफी परेशानी हो रही थी। इसी समस्या को देखते हुए NHAI ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने का फैसला लिया है, ताकि लोग बिना दिक्कत FASTag से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। *-फीचर डेस्क*

क्या है KYV

KYV यानी Know Your Vehicle एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें FASTag उपयोगकर्ताओं को गाड़ी की RC और वाहन की तस्वीर अपलोड करनी होती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि FASTag उसी वाहन पर लगा है, जिसे इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सिस्टम misuse रोकने के लिए बनाया गया है, जैसे ट्रक चालक कार वाला FASTag लगाकर कम टोल भरने की कोशिश न कर सकें। इसके अलावा, यह वेरिफिकेशन हर तीन साल बाद दोबारा करना अनिवार्य होगा।

नए नियमों में बदलाव

अब तुरंत बंद नहीं होगा FASTag

यह बदलाव वाहन मालिकों के लिए सबसे बड़ा राहत बिंदु है। अब KYV अधूरा रहने पर FASTag को तुरंत निलंबित नहीं किया जाएगा। बैंक यूजर्स को समय-समय पर SMS भेजकर जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर कॉल के माध्यम से सहायता भी करेंगे।

ऐसे दर्ज करें शिकायत

यदि प्रक्रिया के दौरान किसी यूजर को दिक्कत आती है, तो वह 1033 हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज कर सकता है। NHAI यह बदलाव इसलिए कर रहा है, क्योंकि भविष्य में MLFF (MultiLane Free Flow) टोल सिस्टम लागू किया जाना है, जिसमें बिना टोल बूथ के हाईवे पर 100 प्रतिशत सटीक टैगिंग जरूरी होगी।

अब केवल फ्रंट फोटो पर्याप्त

यूजर्स को अब गाड़ी की साइड फोटो अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ फ्रंट तस्वीर ही अपलोड करनी होगी, जिसमें नंबर प्लेट और FASTag स्पष्ट दिखाई दें।

RC अपलोड की झंझट खत्म

NHAI सिस्टम अब सीधे VAHAN डेटाबेस से वाहन की जानकारी स्वत: प्राप्त कर लेगा। यूजर को सिर्फ Vehicle Number / Chassis Number या मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। यदि एक ही मोबाइल नंबर पर कई वाहन रजिस्टर्ड हैं, तो यूजर अपनी गाड़ी को सूची में से चुन सकता है।

जम्मू में चूना पत्थर के 7 ब्लॉक की होगी नीलामी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के कुल 7 ब्लॉक की नीलामी होगी। खान मंत्रालय ने कहा, यह केंद्र शासित प्रदेश में खनन ब्लॉक की पहली नीलामी भी है, जो पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धात्मकता और खनिज क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में बदलाव को दर्शाती है। इन खनिज भंडारों को जी3 और जी4 अन्वेषण चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है। जम्मू- कश्मीर में चूना पत्थर खनिज खंडों की यह पहली नीलामी 24 नवंबर 2025 को जम्मू में औपचारिक रूप से शुरू होगी।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 24 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू-2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1200, बासमती- 7900, परमल- 2000

दाल दलहन : काला चना- 4600, साबुत चना दाल- 5000, मूंग साबुत- 7300, राजमा- 10000-12000, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5200, मसूर दाल- 4000, उड़द साबुत- 6600, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 3800

अगले सप्ताह से जारी होंगे ईपीएम के दिशानिर्देश

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 12 नवंबर को 25,060 करोड़ की दो योजनाओं को दी गई थी मंजूरी

- **योजनाओं का मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना**

यरुशलम, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के विस्तृत दिशानिर्देश अगले सप्ताह से जारी होंगे। इसमें योजना के सभी हिस्से और उद्योग को मिलने वाले लाभों की जानकारी होगी। सरकार ने 12 नवंबर को 25,060 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर छह वित्त वर्षों के लिए है। इसका मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना है।

यह मिशन दो उप-योजनाओं से लागू होगा- निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़)। गोयल ने कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश जल्द जारी होंगे। मुझे लगता है कि अगले सप्ताह तक इसके सारे हिस्से और उद्योग को क्या फायदे होंगे, उसकी पूरी जानकारी दे दी जाएगी। मिशन के तहत उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो हाल में वैश्विक शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में भारी चुनौती मिल रही है। ऊंचे आयात शुल्क से अक्टूबर में अमेरिका को भारत का माल निर्यात 8.58% घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया। गोयल ने कहा कि पांच दिसंबर को रूस का प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। हम अलग-अलग तरीकों से प्रभावित क्षेत्रों को सहारा दे रहे हैं। मंत्री इस समय इजरायल में हैं। वह 60 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

भारत, इजराइल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

यरुशलम। भारत और इजराइल अपने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्द लाभ मिले। भारत और इजराइल ने इस समझौते के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए गुरुवार को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगमीकरण, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना तथा सेवा व्यापार को बढ़ावा देने के नियमों में ढील देना शामिल है। गोयल ने कहा कि हम इसे दो चरणों में करने पर विचार कर रहे हैं। वार्ता शुरू होने पर इस बारे में फैसला लिया जाएगा। दोनों मंत्री चाहते हैं कि पहला चरण जल्द पूरा हो जाए ताकि व्यापारिक समुदाय को जल्द फायदा मिलना शुरू हो जाए। मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने इजराइल आए हैं। गोयल ने कहा कि दोनों देश देखेंगे कि नवाचार और आरएंडडी किस तरह एक-दूसरे के देशों में ज्यादा निवेश ला सकते हैं। हम संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे, जहां हमें उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिले और वे भारत जैसे बड़े बाजार का फायदा उठा सकें।

निर्यात बढ़ाने पर चर्चा करेगा व्यापार बोर्ड

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड (बीओटी) की बैठक होगी। इस बैठक में अमेरिका द्वारा लगाए शुल्कों के बीच भारत के निर्यात को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। वाणिज्य मंत्री की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधि सहित अन्य सदस्य निर्यात क्षेत्र को लेकर अपनी राय रखेंगे। अधिकारी ने बताया, व्यापार बोर्ड की बैठक 25 नवंबर को हो रही है। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका के ऊंचे शुल्कों के कारण अक्टूबर में देश का निर्यात 11.8 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 34.38 अरब डॉलर रह गया। व्यापार घाटा रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

शीर्ष 28 रियल एस्टेट कंपनियों ने 92,500 करोड़ की संपत्ति बेची

नई दिल्ली, एजेंसी

- **6 माह में कंपनियों की बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रही**

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 92,500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की कुल बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रुपये रही।

बिक्री बुकिंग के मामले में, प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अप्रैल-सितंबर अवधि में अग्रणी कंपनी बनकर उभरी, जिसकी पूर्व-बिक्री 18,143.7 करोड़ रही। डीएलएफ दूसरे स्थान पर रही, जिसकी पूर्व-बिक्री 15,757 करोड़ रुपये रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने लगभग 15,587 करोड़ की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जबकि लोढ़ा डेवलपर्स ने 9,020 करोड़ मूल्य की संपत्तियां बेचीं। दिल्ली-एनसीआर की सिग्नेचर ग्लोबल ने 4,650 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। एटीएस होमक्राफ्ट ने मजबूत आवासीय मांग और ठोस आंतरिक नकदी प्रवाह का उपयोग करते हुए एचडीएफसी कैपिटल के संपत्ति कोष को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए।

कंपनी ने रविवार को कहा कि उसने एचडीएफसी कैपिटल अफोर्डेबल रियल एस्टेट फंड 2 (एचसीएआरई-2) को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए हैं।

अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

रूसी कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातकों पर अमेरिका के नए प्रतिबंध लागू होने के बाद ऊर्जा बाजार से जुड़े विश्लेषकों का मानना है कि भारत में रूसी तेल का आयात भविष्य में घटेगा, हालांकि यह बंद नहीं होगा। रॉसनेफ्ट और लुकोइल तथा उनकी सहायक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो गए। इससे अब इन कंपनियों का कच्चा तेल खरीदना या बेचना नामुमकिन हो गया है।

भारत ने इस साल औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया और प्रतिबंधों से पहले यह मजबूत बना रहा। नवंबर में आयात 18-19 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं। आगे चलकर दिसंबर और जनवरी में आपूर्ति में स्पष्ट गिरावट आने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार यह घटकर लगभग चार लाख बैरल प्रतिदिन तक रह सकता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशियाई तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ।

- **दिसंबर और जनवरी के दौरान तेल आपूर्ति में स्पष्ट रूप से गिरावट आने की उम्मीद**

परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा, जो कुल आयात का एक तिहाई है। केप्लर के रिफाइनिंग और मॉडलिंग के मुख्य अनुसंधान विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि हम निकट भविष्य में, विशेषकर दिसंबर और जनवरी में भारत के लिए रूसी कच्चे तेल के प्रवाह में स्पष्ट गिरावट की उम्मीद करते हैं।

बाजार पर दिखेगा आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुझान का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह नवंबर में खत्म होने वाले वायदा सौदों से पहले उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

घरेलू स्तर पर बाजार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और औद्योगिक उत्पादन जैसे बड़े आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन और वहां के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे। ये संकेत निकट भविष्य में जोखिम की भावना तय करेंगे और विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रभावित करेंगे। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 669.14 अंक या 0.79% चढ़ा, जबकि निफ्टी 158.1 अंक या 0.61% बढ़कर बंद हुआ। इसबीच 20 नवंबर को सेंसेक्स ने 85,801.70 और निफ्टी ने 26,246.65 का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर बनाया।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अगर रुपये पर दबाव बना रहा तो निकट भविष्य में बाजार में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। आने वाले सप्ताह में निवेशक व्यापारिक घटनाक्रम, आईआईपी और जीडीपी आंकड़ों पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे।

सात शीर्ष कंपनियों की पूंजी 1.28 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का कुल बाजार पूंजीकरण 1,28,281.52 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में कमी आई।

एफपीआई ने किया 3,504 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में अबतक भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। नवंबर में एफपीआई इक्विटी बाजार में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे जबकि डेट, हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट और म्यूचुअल फंडों में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। उन्होंने इक्विटी से इस महीने 3,788 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में उनका शुद्ध निवेश 4,467 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 2,713.33 करोड़ रुपये रहा है। हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में भी एफपीआई ने 112.16 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

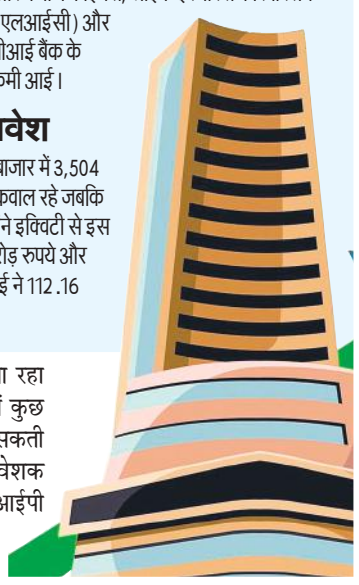

पराली से बन सकती है 270 करोड़ की नवीकरणीय ऊर्जा

नई दिल्ली, एजेंसी

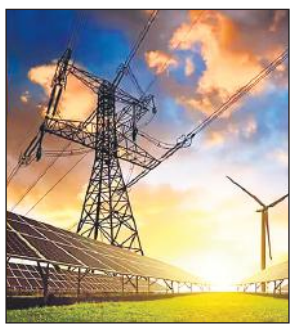

- **आईबीए ने कहा- 73 लाख टन पराली को बायोगैस संयंत्रों में कर सकते हैं इस्तेमाल**

भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने रविवार को कहा कि किसानों द्वारा अभी जलायी जा रही 73 लाख टन धान की पराली का यदि बायोगैस संयंत्रों में इस्तेमाल किया जाए तो इससे हर साल करीब 270 करोड़ रुपये मूल्य की नवीकरणीय गैस पैदा की जा सकती है। आईबीए के अनुसार, एनएरोबिक डाइजेशन प्रक्रिया इस कृषि अवशेष को बहुत प्रभावी ढंग से कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) में बदल सकती है, जो आयातित प्राकृतिक गैस की जगह ले सकती है।

ऊर्जा उत्पादन के अलावा धान की पराली 40 प्रतिशत सेल्युलोज़ सामग्री होने के कारण बायोएथनॉल बनाने के लिए भी बहुत अच्छी है। आईबीए ने दावा किया कि इससे लगभग 1,600 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन की संभावना है। साथ ही, शेष 20 प्रतिशत लिग्निन घटक से उच्च-मूल्य वाले उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं।

आईबीए चेयरमैन गौरव केडिया ने कहा कि यह नीति 2028-29 तक 37,500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर सकती है और देश में 750 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने में मदद करेगी। इससे एलएनजी आयात में कमी आएगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी तथा 2027 तक अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में 1% टिकाऊ विमान ईंधन मिलाने का लक्ष्य भी हासिल किया जा सकेगा।

मोमेंटम व शॉर्ट कवरिंग : बाजार में तेजी का कारण

शेयर बाजार में तेज गति और अचानक आने वाली उछाल अक्सर निवेशकों को चकित कर देती है। इसके लिए अक्सर दो महत्वपूर्ण शब्द बार-बार सुनाई देते हैं- एक मोमेंटम और दूसरा शॉर्ट कवरिंग। मोमेंटम उस स्थिति को बताता है जब किसी शेयर या इंडेक्स में लगातार खरीदारी से तेजी बनी रहती है और कीमतें ऊपर की ओर जाती हैं। वहीं, शॉर्ट कवरिंग तब होती है जब वे ट्रेडर जो पहले किसी शेयर को नीचे जाने की उम्मीद में बेच देते हैं, नुकसान से बचने के लिए उसी शेयर को वापस खरीदने लगते हैं। दोनों ही स्थितियां बाजार में तेजी का कारण बनती हैं, लेकिन उनका तरीका और प्रभाव अलग-अलग होता है।

क्या है मोमेंटम

किसी शेयर या इंडेक्स में लगातार बढ़ती खरीदारी से बन रही तेजी को मोमेंटम कहा जाता है, जब किसी शेयर में सकारात्मक खबर, सेक्टर में सुधार, मजबूत परिणाम, एफआईआई की खरीदारी या ट्रेंड बदलने के संकेत मिलते हैं, तब निवेशक उस स्टॉक को खरीदने लगते हैं, जिससे कीमत ऊपर जाती रहती है और यह तेजी आगे जाती है। यह एक तरह का चक्र बन जाता है जहां बढ़ती कीमत और मांग एक-दूसरे को मजबूती देते हैं। मोमेंटम टिकाऊ होता है क्योंकि इसमें वास्तविक मांग शामिल होती है।

क्या होती है शॉर्ट कवरिंग

शॉर्ट कवरिंग एक अलग प्रकृति की तेजी है। ट्रेडर तब शॉर्ट सेलिंग करते हैं जब उन्हें लगता है कि स्टॉक की कीमत गिरेगी। वे पहले बेचते हैं और बाद में कम कीमत पर खरीदकर लाभ कमाना चाहते हैं, लेकिन जब कीमत अनुमान के विपरीत ऊपर जाती है, तो उन्हें नुकसान से बचने के लिए शेयर वापस खरीदने पड़ते हैं। यह मजबूरी में होने वाली खरीदारी बाजार में अचानक उछाल लाती है, जो शॉर्ट कवरिंग होती है। लेकिन ज्यादा लंबी नहीं टिकती क्योंकि यह मांग की बजाय पोजिशन बंद करने से पैदा होती है।

शॉर्ट कवरिंग के फायदे

- **तेज और अचानक मुनाफा :** शॉर्ट कवरिंग रैली में कीमतें बहुत तेजी से ऊपर जाती हैं। कम समय में बड़े मूव का अवसर मिलता है। बाजार में गिरावट रोकने में सहायक, क्योंकि शॉर्ट सेलर की खरीदारी से अस्थायी मजबूती आती है।
- **महत्व :** शॉर्ट कवरिंग पहचानकर निवेशक समझ सकते हैं कि तेजी अस्थायी है या टिकाऊ। बाजार में अचानक उछाल के पीछे की वजह जानने में मदद मिलती है। ट्रेडर बेहतर स्ट्रैटेजी बना सकते हैं- जैसे ब्रेकआउट के बाद इंट्री।

निवेशकों को लाभ

- **तेज मुनाफा :** जब स्टॉक तेजी से ऊपर जाता है, तब ट्रेंड पकड़ने वाले कम समय में अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।
- **ट्रेंड फॉलो में आसानी :** मजबूत मोमेंटम वाले स्टॉक्स का दिशा अनुमान लगाना आसान होता है।
- **सेक्टर स्ट्रेंथ :** किस सेक्टर में वास्तविक मांग है तो यह मोमेंटम से पता चलता है।
- **महत्व :** मोमेंटम समझकर निवेशक लीडर स्टॉक्स चुन सकते हैं। यह बाजार की मजबूती या सेंटिमेंट का संकेत देता है। सही समय पर एंट्री और एग्जिट का निर्णय लेने में मदद करता है।

जॉर्जिया से वस्त्र-रेशम उत्पादन सहयोग मजबूत करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 11वें बीएसीएसए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-कल्टुसेरी में लिया भाग**

भारत और जॉर्जिया के बीच रेशम उत्पादन, वस्त्र, परिधान और कालीन व्यापार में सहयोग मजबूत हुआ है। इसी संदर्भ में केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) के सदस्य सचिव और अंतर्राष्ट्रीय रेशम उत्पादन आयोग (आईएससी) के महासचिव पी. शिवकुमार के नेतृत्व में वस्त्र मंत्रालय के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 17-21 नवंबर के दौरान जॉर्जिया के दौरे में सफल बहु-क्षेत्रीय बैठक की। इसमें रेशम उत्पादन अनुसंधान, वस्त्र एवं परिधान व्यापार में भारत-जॉर्जिया सहयोग को मजबूत किया गया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 11वें बीएसीएसए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-कल्टुसेरी 2025 में भाग लिया। इसमें शिवकुमार ने पारंपरिक रेशम ज्ञान में भारत के नेतृत्व और रचनात्मक एवं सांस्कृतिक उद्योगों में इसकी प्रासंगिकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने द क्रॉनिकल्स ऑफ वाइल्ड सिल्क शीर्षक से एक तकनीकी शोधपत्र भी प्रस्तुत किया। सीएसबी के निदेशक (तकनीकी) डॉ. एस. मंथिरा मूर्ति ने भारत के लिए उत्पादक बाइवोल्टाइन रेशमकीट संकर विकसित करने में भारत-बुल्गेरिया सहयोग पर एक पेपर प्रस्तुत किया। सीएसबी ने अपने अभिनव "5-इन-1 सिल्क स्टॉल" का प्रदर्शन किया, जो शहतूत, ओक तसर, उष्णकटिबंधीय तसर, मूगा और एरी रेशमों का एक उत्कृष्ट उत्पाद है।

सामान्य बीमा कंपनियों के विलय पर वित्त मंत्रालय कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ इसकी दक्षता बेहतर और बड़ा पैमाना सुनिश्चित उद्देश्य**

वित्त मंत्रालय तीन सरकारी सामान्य बीमा कंपनियों को एकल इकाई में विलय करने के शुरुआती प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, क्योंकि इनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। इस कवायद का मकसद बेहतर दक्षता और बड़ा पैमाना सुनिश्चित करना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सरकार ने 2019-20 से 2021-22 के बीच ओरिएंटल इंश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस में कुल 17,450 करोड़ रुपये का निवेश किया था ताकि इन्हें वित्तीय संकट से बाहर निकाला जा सके। वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इन तीनों कंपनियों को एक ही बीमा इकाई में मिलाने की घोषणा की थी। हालांकि, जुलाई 2020 में सरकार ने इस विचार को स्थगित कर दिया और इसके बजाय तीनों कंपनियों में 12,450 करोड़ रुपये की पूंजी डालने को मंजूरी दी। सूत्रों के अनुसार अब इनकी वित्तीय स्थिति में सुधार आने के बाद वित्त मंत्रालय इनके विलय की प्रारंभिक समीक्षा कर रहा है ताकि इनकी कार्यक्षमता बढ़ाई जा सके। सूत्रों ने बताया कि साथ ही, सरकार द्वारा घोषित एक सामान्य बीमा कंपनी के निजीकरण के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और विभिन्न विकल्पों पर विचार जारी है।

बजट में हुई थी घोषणा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट में दो सरकारी बैंकों और सामान्य बीमा कंपनी के निजीकरण सहित बड़े निजीकरण एजेंडे की घोषणा की थी। इसके बाद अगस्त 2021 में संसद ने सामान्य बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक 2021 पारित किया, जिससे सरकारी सामान्य बीमा कंपनियों के निजीकरण का रास्ता खुल गया।

जिंक बाजार | शादी-विवाह की मांग से सोयाबीन तेल, जाड़े में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में आया सुधार

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन और बिनौला में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट का रुख रहा। वहीं शादी-विवाह के मौसम की मांग के कारण सोयाबीन तेल, जाड़े में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों के भाव ऊंचा होने से सरसों की लिवाली अपेक्षा के अनुकूल नहीं हो रही है। जिससे समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। किसानों को उम्मीद है कि सरकार अपने आश्वासनों के अनुरूप सोयाबीन की खरीद करेगी और इस उम्मीद में किसान मंडियों में ऊपज कम ला रहे हैं। इसलिए विगत सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट मामूली है अन्यथा जिस कदर हाजिर बाजार में सोयाबीन तिलहन के दाम एमएसपी से 12-14% नीचे हैं, उसके अनुरूप सोयाबीन तिलहन के दाम में बड़ी गिरावट आने की संभावना थी। सूत्रों ने कहा कि इस मौसम में शादी-विवाह अधिक संख्या में होती है और इसमें सस्ते हल्के तेल की मांग बढ़ती है। जो आयातक पहले सोयाबीन डीगम तेल लागत से 2.5-3 प्रतिशत नुकसान में बेच रहे थे, वह अंतर अब रुपये की कीमत में आई गिरावट के कारण बढ़कर लगभग पांच प्रतिशत हो चला है। विदेशों में जो इस तेल के दाम में तेजी रही है उसके अनुरूप यहां दाम में तेजी नहीं दिखी। इस परिस्थिति में बीते सप्ताह सोयाबीन तेल के दाम में मामूली सुधार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि विशेषकर गुजरात में जाड़े की मांग की वजह से बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया। लेकिन वास्तविकता यह भी है कि इसके थोक हाजिर दाम एमएसपी से 12-14% नीचे हैं।

- **भाव ऊंचा होने से सरसों की लिवाली अपेक्षा के अनुकूल नहीं हुई, जिससे समीक्षाधीन सप्ताह में तेल-तिलहन के दाम में आई गिरावट**

अबू धाबी-भारत की उपलब्धियों में असीम संभावनाएं

सूत्रों ने कहा कि एक तो जाड़े में पाम-पामोलीन की मांग कमजोर हो जाती है। सबसे बड़े खपत वाले देश भारत की मांग घटने के बीच मलेशिया में जिस कदर बाजार टूटा और जिस तरह सोयाबीन तेल से दाम ऊंचा होने के बीच पाम-पामोलीन की मांग प्रभावित हुई, वह बीते सप्ताह पाम-पामोलीन की दाम में गिरावट का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह कपास की आवक बढ़ने के बीच बिनौला तेल के दाम भी गिरावट दर्शाते बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि तेल-तिलहन कारोबार की जो दयनीय हालत है, इसकी समीक्षा की जिम्मेदारी और उसके दूर करने के उपाय सुझाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी, इसे स्पष्ट रूप से तय किया जाना चाहिये ताकि तेल व्यापारी, आयातक, लागत से कम दाम पर ऊपज बेचने को मजबूर किसान उस संगठन को अपनी परेशानियां बता सके और किसी निदान की उम्मीद कर सके। बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 14,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,455-2,555 रुपये और 2,455-2,590 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

वर्ल्ड ब्रीफ

वियतनाम में मृतकों की संख्या बढ़कर 90 हुई

हनोई। मध्य वियतनाम इलाके में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 90 हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक 12 लोग अभी भी लापता हैं। तेज बारिश और बाढ़ से इलाके में 1,154 घरों और 80,800 हेक्टेयर से ज़्यादा चावल और दूसरी फसलों को नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने मध्य प्रांतों में गंभीर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपाय बढ़ाने को कहा है। वियतनामी सरकार ने बुरी तरह प्रभावित इलाकों की सहायता के लिए 700 बिलियन वियतनामी डोंग की आपातकालीन मदद दी है।

नेपाल में सट्टेबाजी में 8 भारतीय हुए गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने रविवार को काठमांडू में चल रहे नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में आठ भारतीयों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिकों को त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेले जा रहे नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) मैचों पर सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्हें समाखुसी से पकड़ा गया, जहां उन्होंने एक मकान किराये पर लिया था।

भारतीय जासूस के सम्मान में डाक टिकट

लंदन। फ्रांस ने मैसुरु के शासक टीपू सुल्तान की वंशज और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक अंडरकवर ब्रिटिश एजेंट के रूप में फ्रांसीसी प्रतिरोध में अहम भूमिका निभाने वाली नूर इनायत खान की याद में एक विशेष डाक टिकट जारी किया है। नूर भारतीय मूल की पहली महिला हैं, जिनके नाम पर यह उपलब्धि दर्ज हुई है। फ्रांस की डाक सेवा ने द्वितीय विश्व युद्ध के खात्मे के 80 साल पूरे होने पर विशेष डाक टिकट जारी किए।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 50 छात्र मुक्त

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अपहृत 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे मुक्त होकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। स्कूल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। नाइजर राज्य में नाइजीरिया के ईसाई संघ के अध्यक्ष और स्कूल के मालिक एम आर बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, 10 से 18 साल की उम्र के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार के बीच अलग-अलग समय पर अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर भाग निकले।

बांग्लादेश की सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पत्र भेजा

ढाका, एजेंसी

- विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व पीएम को सुनाई है मौत की सजा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। हसीना को बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के हवाले से बताया, यह पत्र शुक्रवार को भेजा गया।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सूत्र का हवाला देते हुए एजेंसी ने कहा कि आधिकारिक राजनयिक पत्र नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के माध्यम से भेजा गया। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को हसीना (78) और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को मृत्युदंड सुनाया था। दोनों पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया। हसीना फिलहाल भारत में हैं। माना जा रहा है कि कमाल भी भारत में है। छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते पिछले साल पांच अगस्त को हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

क्या है जी-फोर्स... जिसने कराया तेजस हादसा

जी-फोर्स या गुरुत्व बल एक ऐसी शक्ति है जो हमारे शरीर पर तब महसूस होती है जब कोई वस्तु तेज गति से चलती है, मुड़ती है या अचानक रुकती है। साधारण भाषा में कहें तो जब आप किसी तेज चलती कार में बैठे होते हैं और कार में अचानक ब्रेक लगती है तो शरीर आगे की ओर झटका महसूस करता है। यह झटका जी-फोर्स का प्रभाव होता है। यही अनुभव रोलर कोस्टर, फाइटर जेट, रॉकेट लॉन्च या तेज़ गति वाले खेलों में और अधिक तीव्र होता है। जी-फोर्स यह बताता है कि हमारे शरीर पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण की तुलना में कितनी गुना शक्ति पड़ रही है। जी-फोर्स के नियम और नियंत्रण बहुत जरूरी होते हैं। विशेषकर पायलट, अंतरिक्ष यात्री और तेज़ गति वाले खेलों के खिलाड़ियों के लिए। हाल ही में दुबई में एयर शो के दौरान भारत का एक तेजस लड़ाकू विमान सीधे जमीन पर आ गिरा और पायलट की मौत हो गई। जी-फोर्स को ही इसका कारण माना जा रहा है।

- जी-फोर्स को गुरुत्व बल का माप कहा जाता है। यह बताता है कि किसी वस्तु या व्यक्ति पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) की तुलना में कितनी गुना अधिक या कम शक्ति लग रही है। सामान्य परिस्थितियों में हम 1जी का अनुभव करते हैं, अर्थात् हमारा शरीर उतना भार महसूस करता है जितना पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण होता है।
- जब कोई वाहन तेज़ गति से आगे बढ़ता है, रुकता है या तेज़ मुड़ता है, तो शरीर पर अतिरिक्त बल महसूस होता है। यही अतिरिक्त बल जी फोर्स कहलाता है। विज्ञान में इसे त्वरण बल भी कहते हैं, क्योंकि यह वस्तु की गति और दिशा में बदलाव के कारण उत्पन्न होता है।

जी-फोर्स कहां-कहां महसूस होती है

- **हवाई जहाज और फाइटर जेट :** फाइटर जेट पायलट सबसे ज्यादा जी फोर्स का सामना करते हैं। एक जेट 9जी तक की शक्ति बना सकता है, जिसे सामान्य व्यक्ति बिना ट्रेनिंग के सहन नहीं कर सकता।
- **अंतरिक्ष यात्रा :** रॉकेट लॉन्च के समय अंतरिक्ष यात्री 3जी-5जी तक की जी फोर्स महसूस करते हैं। यह शरीर को सीट में दबा देता है।
- **रोलर कोस्टर और एडवेंचर राइड्स :** राइड्स में 3जी-6जी तक की जी फोर्स पैदा होती है। इसलिए सुरक्षा बेल्ट जरूरी होती है।
- **कार रेसिंग :** एफ1 कार ड्राइवर 5जी तक का लैटरल जी अनुभव करते हैं, खासकर तेज़ मोड़ों पर।
- **दुर्घटना या टक्कर :** कार टक्कर के समय कुछ ही सेकंड में 20जी-30जी तक की शक्ति पैदा हो जाती है, जो जानलेवा हो सकती है।

पायलटों को प्रशिक्षण

पायलटों को सेंट्रीफ्यूज मशीन में ट्रेनिंग दी जाती है, जहां उन्हें 0जी से 9जी तक का अनुभव करवाया जाता है।

जी-फोर्स विज्ञान, तकनीक और मानव सहनशीलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बताता है कि गति और दिशा में बदलाव शरीर पर किस प्रकार का दबाव बनाते हैं। चाहे रोलर कोस्टर की थ्रिल हो या फाइटर जेट की गति-जी-फोर्स हर जगह सक्रिय रहती है। इसके नियम, सीमा और सुरक्षा उपाय हमें यह समझने में मदद करते हैं कि तेज़ गति वाले वातावरण में शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है और उसे सुरक्षित रखने के लिए क्या आवश्यक है।

निवेश-महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

प्रधानमंत्री मोदी ने की राष्ट्रपति रामफोसा से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

- युवा प्रतिनिमंडलों के अदान प्रदान पर भी दोनों देशों के बीच सहमति

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

शिखर सम्मेलन में द. अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

द्विपक्षीय बैठक में इटली की समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के इतर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और खाद्य सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

मोदी ने रामफोसा से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जोहानिसबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बहुत शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की, खास तौर पर वाणिज्य, संस्कृति, निवेश के मामले में संबंधों को बढ़ावा देने तथा प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों आदि क्षेत्रों में सहयोग में विविधता लाने पर। मोदी ने रामफोसा को जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दी। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए फैसलों को आगे बढ़ाने और उन पर अमल करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जी-20 में किए गए प्रयासों की सराहना भी की। दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीका में आयोजित होने वाले पहले जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी20 में शामिल हुआ था।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति रामफोसा के साथ एक गर्मजोशी भरी और उपयोगी बैठक की। जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान शुरू करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों के ऐतिहासिक आधार को याद करते हुए दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा व्यापार एवं निवेश, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास, खनन, युवा आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष जताया। बयान में कहा गया है कि मोदी और रामफोसा ने एआई, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत-इटली ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ संयुक्त पहल की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के बीच रविवार को हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ सहयोग के लिए संयुक्त पहल करने की घोषणा की। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बातचीत के दौरान व्यापार, रक्षा एवं सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शिखर सम्मेलन से इतर हुई बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ सहयोग के लिए भारत-इटली संयुक्त पहल को अंगीकार किया, जो आतंकवाद से लड़ने के उनके साझा संकल्प की पुष्टि करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है, जिससे हमारे देशों के लोगों को बहुत लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने में सहयोग के लिए एक संयुक्त पहल की घोषणा कर रहे हैं। यह एक आवश्यक और समयोचित प्रयास है, जो आतंकवाद और उसके समर्थन नेटवर्क के खिलाफ मानवता की लड़ाई को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मेलोनी ने दिल्ली में हुई आतंकवादी घटना पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की तथा आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करने की इटली की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

राजनीति से वैश्विक सहयोग पर पड़ा विपरीत असर : स्टिल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

- सीओपी30 पर बोले-संरा जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव

संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन के बीच संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टिल ने कहा कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर इनकार, विभाजन, और भू-राजनीति का बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा। ब्राजील में दो सप्ताह की व्यस्त चर्चा के बाद संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता देशों को असामान्य मौसम के असर से निपटने के लिए और अधिक वित्तपोषण के संकल्प के साथ समाप्त हुई। हालांकि इसमें इसमें जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोई रूपरेखा शामिल नहीं थी। सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के नतीजों पर अपने बयान में, स्टिल ने कहा कि वैश्विक संस्था शायद जलवायु की लड़ाई नहीं जीत रही है, लेकिन पक्ष अभी भी लगे हुए हैं और पक्के इरादे से लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें पता था कि यह सीओपी मुश्किल राजनीतिक माहौल में होगा। इनकार, विभाजन और भू-राजनीति ने इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भारी नुकसान पहुंचाया है। स्टिल ने कहा कि हालांकि, सीओपी30 शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि जलवायु सहयोग बरकरार है और काम कर रहा है, जिससे रहने लायक धरती को लेकर मानवता की लड़ाई बरकरार है और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पहुंच के अंदर रखने का पक्का इरादा है। उन्होंने कहा कि यहां बेलेम में, देशों ने एकता, विज्ञान और आर्थिक सामान्य समझ का चयन किया।

जलवायु समझौता काफी महत्वपूर्ण

अमेरिका का नाम लिए बिना स्टिल ने कहा कि इस साल एक देश के पीछे हटने पर बहुत ध्यान दिया गया है। अमेरिका इस साल जनवरी में ऐतिहासिक पेरिस समझौते से पीछे हट गया था, जो जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए विश्व शक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता है। स्टिल ने कहा राजनीतिक मुश्किलों के बीच, 194 देशों ने एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होकर जलवायु सहयोग के समर्थन में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। ये 194 देश अरबों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्होंने एक आवाज में कहा है कि पेरिस समझौता काम कर रहा है और इसे आगे और तेज़ी से बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, हम एक नए समझौते में प्रगति देख रहे हैं जो न्यायपूर्ण संक्रमण पर केंद्रित है।

एसआईआर के बाद से बढ़े अवैध बांग्लादेशी

हाकिमपुर, एजेंसी

- हाकिमपुर सीमा चौकी के पास वापसी के लिए लगी भारी भीड़

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाकिमपुर बीएसएफ सीमा चौकी के पास पक्की सड़क से निकलने वाला संकरा, धूल व कीचड़ भरा रास्ता वर्षों तक राज्य में रहने वाले गैरकानूनी बांग्लादेशियोंके लिए वापस जाने का मार्ग बन गया है। विशाल बरगद के पेड़ के नीचे कपड़े के छोटे-छोटे बैग लिए कई परिवार, प्लास्टिक की बोतलें पकड़े बच्चे और पुरुष शनिवार को एक कतार में खड़े थे। वे बीएसएफ कर्मियों से बार- बार एक ही गुहार लगा रहे थे कि हमें घर जाने दो।

दक्षिण बंगाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवंबर की शुरुआत से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह आवाजाही एक असामान्य रिवर्स माइग्रेशन यानी प्रतिलोमी प्रवास का रूप ले चुकी है, जिसे अधिकारी और स्वयं ये लोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जोड़कर देख रहे हैं। खुद को खुलना जिले की निवासी बताने वाली शाहिन बीबी कोलकाता के पास न्यू टाउन में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी, वह अपने छोटे बच्चे के साथ सड़क किनारे इंतजार कर रही थी। महिला ने कहा कि मैं यहां इसलिए आई थी क्योंकि हम गरीब थे। मेरे पास कोई सही दस्तावेज नहीं है। महिला ने कहा कि वह लगभग 20,000 रुपये महीना कमाती थी। कतार में खड़े कई लोग स्वीकार करते हैं कि पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान उन्होंने दलालों और बिचौलियों के जरिए आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र बनवाए।

हिजबुल्ला कमांडर हेथम को मार गिराने का इजराइली दावा

हरेत हरेक। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर जून के बाद पहली बार रविवार को हमला किया और हिजबुल्ला के चीफ ऑफ स्टाफ हेथम तब्ताबाई को मार गिराने का दावा किया।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुए हमले में पांच लोग मारे गए और 25 घायल हो गए। हिजबुल्ला ने इससे पहले यह कहा था कि यह हमला, इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध के समाप्त होने के लगभग एक वर्ष बाद किया गया है, जिससे व्यापक संघर्ष शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है।

अमेरिका की शांति योजना पर चर्चा शुरू

- यूक्रेन और पश्चिमी देशों की जिनेवा में बैठक

जिनेवा, एजेंसी

रूस और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शांति योजना पर यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी देशों के बीच जिनेवा में वार्ता जारी है। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख, राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ अपनी पहली बैठक की। यरमक ने कहा कि इस मामले को लेकर अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ होगी। हमें सार्थक वार्ता की उम्मीद है। हम यूक्रेन में स्थायी और न्यायसंगत शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार किए गए 28 सूत्री प्रस्ताव ने यूक्रेन और अन्य देशों में चिंता पैदा कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को कठिन विकल्प मिल सकते हैं।

यूक्रेन-यूरोपीय सहयोगियों से मिलेंगे रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करने के लिए पेश शांति समझौता मसौदे पर चर्चा करने के लिए यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों के साथ वार्ता करेंगे। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक करेंगे और फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा उनका समर्थन किया जाएगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल और राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के भी शामिल होने की उम्मीद है।

प्रोजेक्ट की निगरानी के लिए ऑनलाइन प्रणाली लागू करेगा एएआई

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) जल्द ही अपनी सभी परियोजनाओं की तत्काल निगरानी के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली लागू करने जा रहा है। गौरतलब है कि एएआई हर साल पूंजीगत व्यय पर बड़ी राशि खर्च करता है। प्राधिकरण न सिर्फ हवाई अड्डों का विकास और रखरखाव करता है, बल्कि हवाई यातायात प्रबंधन सेवाएं भी देता है। एएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस ऑनलाइन निगरानी प्रणाली पर पिछले एक साल से काम चल रहा है और इसे आने वाले कुछ सप्ताहों में पेश कर दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं की तत्काल निगरानी करना है, ताकि हर वक्त प्रगति की जांच की जा सके और कार्यान्वयन में कोई देरी न हो।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.22 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

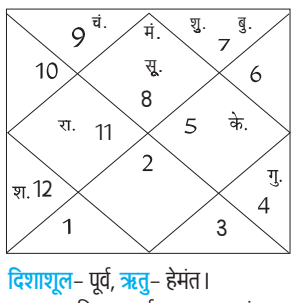

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाषाढ़ा 21.53 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज बुद्धिमान मित्रों और संतजनों का दर्शन लाभ मिल सकता है। किसी रिश्तेदार के य हां घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र की जटिलता समाप्त होगी। अपनी बातों को मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें। मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

वृष — आज आपकी दैनिक आय में कमी आ सकती है। आपको कड़वे अनुभवों का सामना करना पड़ेगा। अहंकार के कारण निजी रिश्तों में टकराहट पैदा हो सकती है। बनते कार्यों में अवरोध आ सकते हैं। नकारात्मक बातों को स्वयं पर हावी न होने दें।

मिथुन — आज स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णयों की सर्वत्र प्रशंसा होगी। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे। घर के लिए आप शॉपिंग कर सकते हैं।

कर्क — आज कारोबार में आप अपने मन की करेंगे, जिसके कारण आपको इच्छित लाभ भी मिलेगा। परिवार में संकोच के कारण दबाव में रहेंगे। अपने कर्तव्यों से पीछे न हटें। किसी उत्सव में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

सिंह — आज व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा सावधानी पूर्वक करें। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा जनसमर्थन मिलेगा। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाने का विचार बना सकते हैं। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। व्यर्थ के तर्क-वितर्क में अपना समय बर्बाद करने से बचें। अजनबियों की बातों का अधिक विश्वास न करें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में समस्या हो सकती है। परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति हो सकती है।

तुला — आज आपको मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। कारोबार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। किसी महत्वाकांक्षी योजना का आरंभ करने के लिए दिन हितकारी है।

वृश्चिक — आज शैक्षणिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अच्छी तरह से परखे और सुने बिना बातों पर प्रतिक्रिया न दें। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपने करियर को लेकर थोड़े नाखुश रहेंगे। धन उधार देने से बचें, क्योंकि फंसने की पर्याप्त संभावना है।

धनु — आज का दिन आराम में बीतेगा। व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। करियर में आपको उत्तम विकल्प मिलने की संभावना है। पारिवारिक विवादों को निपटाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। पड़ोसियों के साथ कहासुनी हो सकती है।

मकर — आज अनैतिक कार्यों की ओर मन न लगाएं। जीवनसाथी आपसे किसी बात को लेकर नाखुश होगा। हृदय रोगियों को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। शुभचिंतकों के सुझावों को गंभीरता से लें। धन की स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी।

कुंभ — आज आपकी आय में वृद्धि होगी। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल है। कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में पूजा-पाठ का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों की सहायता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन — आज आप कुछ नया और इनोवेटिव करना चाहते हैं, जिसके लिए प्रयास भी करेंगे। आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। लंबे समय से रुके कार्यों के पूरे होने से मन में संतुष्टि होगी।

सुडोकू-170

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1					
						4		
	7							
	1			7				
						6		
				9				1
						8		
	8							
			3					

सुडोकू - 169 का हल

8	1	2	3	5	7	6	9	4
4	6	7	2	8	9	1	5	3
3	9	5	6	4	1	2	7	8
1	3	6	4	7	2	5	8	9
5	7	9	8	6	3	4	2	1
2	4	8	9	1	5	3	6	7
9	2	1	7	3	6	8	4	5
6	5	4	1	9	8	7	3	2
7	8	3	5	2	4	9	1	6

ए रैकेट सेकंड लाइफ को भारत लाना मेरे लिए बेहद खास है। इस देश ने मुझे मेरा सफर दिया-कोच, प्रशंसक, सपोर्ट सिस्टम, सबकुछ। अब जब मैं कुछ लौटाने की स्थिति में हूं, तो यह दिल से महसूस होता है। यह सिर्फ प्रोफेशनल के लिए नहीं है, बल्कि हर किसी के लिए है।

-साइना नेहवाल

स्टेडियम

बरेली, सोमवार 24 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

साइना ने 'द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया' की शुरुआत की

नई दिल्ली। दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित "द लेजेंड्स' विजन - लेगेसी टूर इंडिया" की शुरुआत की। यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ। स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था-जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया। जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, गूंजती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का से इंतज़ार कर रहा था।

बार्सिलोना ने बड़ी जीत के साथ जश्न मनाया

बार्सिलोना (स्पेन) : बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में एथलेटिक बिलबाओ पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज करके अपने पसंदीदा स्टेडियम कैंप नोउ में वापसी का जश्न मनाया। यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियम कैंप नोउ को नए सिरे से तैयार किया गया है। उसे पिछले दो साल से भी अधिक समय तक बंद रखा गया था और अब लगभग आधी क्षमता पर फिर से खोला गया है। इस स्टेडियम में लंबे समय बाद होने वाले इस मैच को देखने के लिए लगभग 45,000 प्रशंसक मौजूद थे। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने मैच शुरू होने के सिर्फ़ चार मिनट बाद ही गोल करके माहौल बना दिया।

भारत का कोरिया के खिलाफ जीत से आगाज

इपोह : मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किए गए इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाये मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला। भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

भारतीय महिला टीम ने दृष्टिबाधित टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीता

कोलंबो, एजेंसी

- फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया
- सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दी थी मात

भारत ने टी-20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीत लिया। फाइनल में रविवार को पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को सात विकेट से हराया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया। इसके बाद महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही।

भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका। पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

सेनुरन मुथुसामी का शतक, यान्सेन चूके

गुवाहाटी टेस्ट का दूसरा दिन : दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 489 रन, राहुल व यशस्वी उतरे मैदान पर

रन 109 | गेंद 206 | चौके 10 | छक्के 02

गुवाहाटी, एजेंसी

सेनुरन मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया जबकि मार्को यान्सेन केवल सात रन से यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए लेकिन इन दोनों की शानदार पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में 489 रन का विशाल स्कोर बनाया। मुथुसामी ने 206 गेंद पर 109 रन बनाए जिसमें 10 चौके और दो छक्के शामिल हैं। यान्सेन ने भारतीय स्पिनरों को निशाने पर रखकर 91 गेंद पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 93 रन की तूफानी पारी खेली। इन दोनों ने आठवें विकेट के लिए 97 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका का बड़ा स्कोर सुनिश्चित किया।

भारत ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 6.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के नौ रन बनाए हैं। यशस्वी जायसवाल (नाबाद सात) और केएल राहुल (नाबाद दो) ने दिन के आखिर में मौका मिलने पर किसी तरह का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा लेकिन पिच अब भी सपाट है और इस पर भारतीय बल्लेबाजों से बड़ी पारियों की उम्मीद की जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने सुबह अपनी पारी छह विकेट पर 247 रन से आगे बढ़ाई और मुथुसामी की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी। भारत को पहले दो सत्र में एकमात्र सफलता काइल वेरिन (45) के रूप में मिली जिन्हें रविंद्र जडेजा ने स्टंप आउट कराया लेकिन इससे पहले उन्होंने दो घंटे तक टिककर अपना काम पूरा कर दिया था। मुथुसामी और वेरिन ने सातवें विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। भारतीय गेंदबाजों में केवल जसप्रीत बुमराह ही कुछ प्रभावशाली दिखे लेकिन बाद में वह भी थके हुए नजर आए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और तीनों स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के सामने बेअसर दिखे। मुथुसामी सुबह के सत्र में सतर्क नजर आए। उन्होंने तब बीच-बीच में चौके लगाए लेकिन यान्सेन के आने के बाद वह भी आक्रामक हो गए जिससे भारतीय गेंदबाजों की मुश्किल बढ़ गई। मुथुसामी ने कुलदीप यादव पर छक्का जड़कर अपनी रन संख्या 90 रन के पार पहुंचाई। इसके बाद उन्होंने इसी गेंदबाज पर चौका लगाया और फिर सिराज की गेंद पर दो रन लेकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। रिकार्ड के लिए बता दें कि यह उनका 10वां प्रथम श्रेणी शतक है और इससे पहले उन्होंने घरेलू क्रिकेट में 5000 से अधिक रन बनाए थे।

शॉट लगाते मार्को यान्सेन। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

489/10 (पहली पारी) (151.1 ओवर)

ऐड ऐडन मार्करम बो बुमराह	38
रिकलटन का पंत बो कुलदीप	35
स्टब्स का राहुल बो कुलदीप	49
बावुमा का जायसवाल बो जडेजा	41
टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज	28
मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप	13
मुथुसामी का जायसवाल बो सिराज	109
काइल वेरेने स्ट पंत बो जडेजा	45
मार्को यान्सेन बो कुलदीप	93
सिमोन हार्मर बो बुमराह	05
केशव महाराज नाबाद	12

गेंदबाजी : बुमराह 32-10-75-2, सिराज 30-5-106-2, रेड्डी 6-0-25-0, सुंदर 26-5-58-0, कुलदीप 29.1-4-115-4,जडेजा 28-2-94-2

भारत

09/0 (पहली पारी) (6.1 ओवर)

यशस्वी जायसवाल खेल रहे हैं	07
केएल राहुल खेल रहे हैं	02

गेंदबाजी : मार्को यानसेन 3.1-1-9-0, वियान मुल्डर 3-3-0-0

लगा था कि यहां कभी टेस्ट नहीं खेलूंगा

दक्षिण आफ्रीकी ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी 2019 में भारत में पदार्पण सीरीज में केवल दो विकेट ले पाए थे, जिससे उन्हें लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है और वह इस देश में दोबारा कभी नहीं खेल पाएंगे। पर भारतीय मूल के इस हरफनमौला ने 2025 तक उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ लिया और पाकिस्तान में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट में 11 विकेट झटके और दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली। मुथुसामी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा,मेरी यात्रा अनोखी रही है। 2019 में भारत में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाद चखा, यहीं पदार्पण किया। फिर कुछ समय के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पाया। पर क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक-एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।

मुथुसामी ने जीवनदान का उठाया पूरा लाभ

जब जडेजा की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट करार दिया गया तो उन्होंने डीआरएस लेकर अपना विकेट बचा लिया, क्योंकि टीवी रिप्ले में दिख रहा था कि गेंद उनके दस्तानों को छूकर गई थी। मुथुसामी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुथुसामी का विकेट आखिर में सिराज को मिला। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर हवा में लहरा गई जहां जायसवाल ने उसे कैच में तब्दील करने में कोई गलती नहीं की। यान्सेन ने हालांकि गेंदबाजों पर अपना दबदबा बनाए रखा। विशेषकर कुलदीप उनके निशाने पर थे पर आखिर में इसी स्पिनर ने उन्हें बोल्ड करके केवल सात रन से पहले टेस्ट शतक से वंचित कर दिया। कुलदीप भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 115 रन देकर चार विकेट लिए। बुमराह, सिराज और जडेजा ने दो-दो विकेट लिए।

पिता की बीमारी से स्मृति मंधाना की शादी टली

सांगली। स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास के बीमार पड़ने के कारण भारतीय महिला टीम की इस दिग्गज क्रिकेटर और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंधाना और पलाश की शादी रविवार (23 नवंबर) को होनी थी। मंधाना अपने पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं, जो उनके क्रिकेट करियर में लगातार उनका साथ देते रहे हैं। मंधाना के प्रबंधक तुहिन मिश्रा ने बताया कि विश्व कप विजेता क्रिकेटर के पिता को रविवार सुबह अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो गई।

मिश्रा ने कहा स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना आज सुबह नाश्ता करते समय तबीयत बिगड़ने लगी। हमने सोचा कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसलिए हमने एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वह चिकित्सकों की निगरानी में है। मिश्रा ने कहा कि पिता की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मंधाना ने उनके ठीक होने तक अपनी शादी स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा मंधाना अपने पिता के बहुत करीब हैं। इसलिए उन्होंने शादी को तब तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है।

गुवाहाटी की पिच 'सड़क' की तरह है : कुलदीप

गुवाहाटी, एजेंसी

- गेंदबाजों का बचाव करते हुए बोले- कोलकाता की पिच थी अलग

स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को जल्दी आउट करने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाजों का बचाव करते हुए रविवार को बरसापारा स्टेडियम की पिच की तुलना 'सड़क' से की।

दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम के बल्लेबाज पहली पारी में टीम के स्कोर को 489 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। कोलकाता में खेले गए श्रृंखला के पहले टेस्ट में बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा था लेकिन यहां स्पिनरों को पिच से खास मदद नहीं मिल रही थी। कुलदीप से जब दोनों स्थलों के पिच की तुलना से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा, कोलकाता का विकेट तो अलग था। यह तो 'सड़क (पूरी तरह से सपाट)' की तरह है। इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है और इसीलिए इसे टेस्ट मैच कहा जाता है।

कुलदीप भारत की ओर से पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29.1 ओवर में 115 रन देकर चार विकेट लिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बयान को कैसे लेते हैं क्योंकि यह उनके घरेलू मैदान पर आयोजित होने वाला पहला टेस्ट मैच है और एक सीनियर खिलाड़ी ने पिच का आकलन बहुत अच्छा नहीं किया है। कुलदीप ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए जुझारूपन दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा यह हमेशा दबदबे की बात नहीं होती, बल्कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छी बल्लेबाजी पिच पर कैसे वापसी करते हैं। यह गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल विकेट था क्योंकि मुझे नहीं लगा कि इस विकेट से बहुत मदद मिल रही है। कुलदीप ने कहा कि खिलाड़ियों को पिच की प्रकृति के बारे में सोचकर खुद को तनाव में डालने की जगह इसका लुत्फ उठाना चाहिए।

कहा यह तेज गेंदबाजों के लिए भी ज्यादा मददगार नहीं लग रहा था, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आप जैसे-जैसे परिपक्व होते जाते हैं, आप विकेट के बारे में ज्यादा सोचे बिना खेलते है। अगले टेस्ट में इससे बेहतर विकेट हो सकता है, इसलिए कोई शिकायत नहीं। उन्होंने कहा कि मैच के शुरुआती सत्र में थोड़ी नमी थी लेकिन उसके बाद के पांच सत्र में स्पिन गेंदबाजों के लिए कोई मदद नहीं थी। उन्होंने कहा मुझे कल पहले सत्र में लगा कि विकेट में थोड़ी नमी थी, इसलिए मुझे पहले सत्र में थोड़ा टर्न मिला। उसके बाद बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा रहा। उन्होंने निराशा भरे अंदाज में कहा कल और फिर आज स्पिन गेंदबाजों को किसी तरह की मदद नहीं मिली।

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी समाप्त के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लक्ष्य ने जीता सत्र का पहला खिताब

सिडनी, एजेंसी

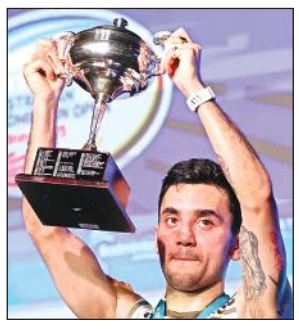

भारत के लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर मुश्किल दौर का अंत किया।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद खराब दौर से गुजरने वाले अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सुपर 300 खिताब जीता था। वह इस साल सितंबर में हांगकांग सुपर 500 में उपविजेता रहे थे।

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेजतर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत से मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे।

नया मुकाबला | दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट के बाद वनडे की तैयारी, जडेजा की वापसी, बुमराह और सिराज को दिया गया आराम

एकदिवसीय श्रृंखला में केएल राहुल करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

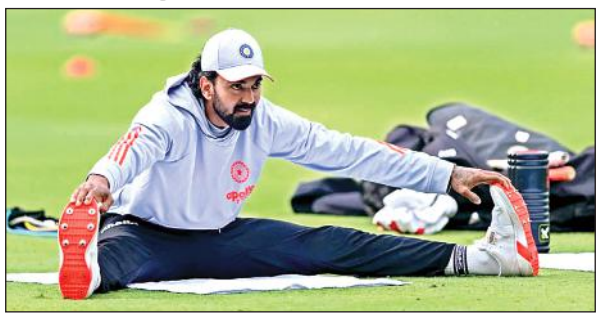

सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया जबकि अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा लगभग आठ महीने बाद सफेद गेंद की टीम में वापसी करेंगे।

नियमित कप्तान शुभमन गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद राहुल को टीम की बागडोर सौंपी गई। राहुल को कप्तानी छोटी श्रृंखला को ध्यान में रखकर दी गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया राहुल को एक बार ही कप्तानी सौंपी गई है और इसे उसी रूप में देखा जाना चाहिए। ऋषभ (पंत) के नाम पर विचार नहीं किया गया क्योंकि उन्होंने पिछले एक साल में केवल एक ही वनडे खेला है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि शुभमन गिल की गर्दन की चोट ठीक हो जाएगी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी 2026 में होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में वापसी करेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज पंत इस श्रृंखला के लिए उप कप्तान होंगे। यह श्रृंखला 30 नवंबर को रांची में शुरू होगी और इसके बाद रायपुर (तीन दिसंबर) और विशाखापत्तनम (छह दिसंबर) में मैच होंगे। जडेजा अंतिम दफा वनडे में मार्च में दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेले थे। उनकी वापसी इसलिए संभव हुई क्योंकि बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। अक्षर हाल में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का हिस्सा थे जिससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। यह 31 वर्षीय खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स टेस्ट में भारत की चार स्पिनर वाली योजना (कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा) का हिस्सा था। कुलदीप और सुंदर दोनों को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। हालाकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023 विश्व कप फाइनल के बाद अब भी वनडे में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। वह इस समय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं। उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है।

टीम

केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।